ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

मोबाइल दुकान मालिक से मारपीट के मामले में दो और गिरफ्तार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 20 मार्च, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | www.dailyshubhlabh.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |*| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-79

महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़ में तेलंगाना के 4 नक्सली ढेर

फिर सक्रिय हो रही माओवादियों की तेलंगाना स्टेट कमेटी

राजनांदगांव, 19 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र बॉर्डर पर गढ़चिरौली पुलिस ने तेलंगाना के चार नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया। मारे गए चारों माओवादी तेलांगना स्टेट कमेटी के सदस्य थे। यह मुठबेड़ कोलामारका के जंगल में हुई। मौके पर पुलिस ने नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल किए गए लॉन्चर समेत हथियारों का जखीरा बरामद किया है।

पुलिस का कहना है कि मुठभेड़ में हुई क्रॉस फायरिंग में कुछ और नक्सलियों के मारे जाने का अंदेशा है। सघन तलाशी अभियान जारी है। एसपी गढ़चिरौली नीलोत्पल ने घटना की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि गढ़चिरौली के कोलामरका पहाड़ों के पास सी-60 और सीआरपीएफ क्यूएटी की कई टीमों के संयुक्त अभियान में चार नक्सली मारे गए। जिनके शव बरामद किए जा चुके हैं।

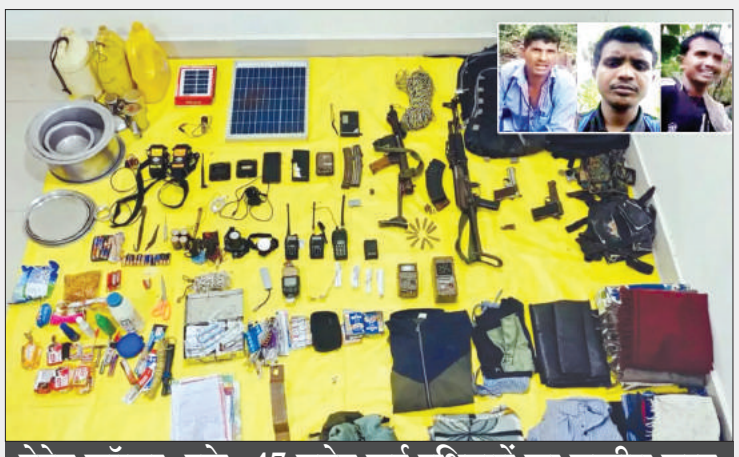

इन नक्सलियों के पास से ग्रेनेड लॉन्चर, एके-47, कार्बाइन, देसी पिस्तौल, गोलियां और नक्सली साहित्य बरामद हुए हैं। नक्सलियों पर महाराष्ट्र सरकार ने 36 लाख रुपए का नकद इनाम घोषित कर रखा था। नक्सल विरोधी अभियान जारी है। तेलंगाना पुलिस के एक अधिकारी का कहना है कि कुछ दिनों पहले गिरफ्तार किए गए नक्सली संजय दीपक उर्फ संजय दीपक राव से मिले महत्वपूर्ण सुराग के आधार पर पुलिस ने अपनी छानबीन में माओवादियों की तेलंगाना स्टेट कमेटी की गतिविधियों का पता लगा था।

ग्रेनेड लॉन्चर, एके-47 समेत कई हथियारों का जखीरा जब्त

चीन और फिलीपींस के अतिवामपंथी यहां देने आते हैं ट्रेनिंग

पीएफआई से हो चुकी है तेलंगाना स्टेट कमेटी की साठगांठ

हैदराबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना में माओवादी संगठन फिर से सक्रिय हो रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने तेलंगाना सरकार के साथ-साथ केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी इस बारे में आगाह किया है। माओवादी संगठन खुद को ताकतवर और सक्षम बनाने के लिए प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएएफआई) से भी हाथ मिल चुके हैं। पीएफआई के जरिए माओवादियों को कुछ विदेशी संगठनों से फंडिंग के साथ-साथ आधुनिक हथियार भी मिल रहे हैं। दक्षिण एशिया की माओवादी पार्टियों और संगठनों की समन्वय समिति (कॉमपोसा) के साथ भी माओवादियों का सम्पर्क बन गया है। इनके जरिए चीन के साथ हथियारों की डीलिंग हो रही है। तेलंगाना खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि कुछ ही दिन पहले उनके महकमे को माओवादियों की इन ताजा गतिविधियों के बारे में सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनके बारे में प्रदेश सरकार और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को जानकारी दे गई थी। माओवादी संगठन के उन खास कैडरों का नाम भी प्राप्त हुआ जो अंतर सांगठनिक सम्बन्ध कायम करने में सक्रिय हैं। माओवादी कमांडर अमृत का नाम खास तौर पर सामने आया। इस छद्म नाम से तेलंगाना स्टेट कमेटी पॉलित ब्यूरो का एक सदस्य सक्रिय है। पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू दादा,सैन्य मामलों के प्रभारी टिप्पीरी तिरुपति उर्फ चेतन और वरिष्ठ नेता ऊके गणेश में से कोई एक अमृत के नाम से बाहरी धरातल पर सक्रिय है।

सेलम में हुई पीएम की विशाल जनसभा, पलक्कड़ में हुआ जोरदार रोड शो

अब दक्षिण ने तय कर लिया है एनडीए ही एकमात्र विकल्प : मोदी

सलेम, 18 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में अपनी जीत तय करने के लिए भाजपा इस बार दक्षिण भारत पर ज्यादा फोकस कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी एक के बाद एक दक्षिणी राज्यों का दौरा कर रहे हैं। चुनाव की मुनादी होने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत भी तमिलनाडु से ही की थी।

देश में इन दिनों चुनावी रंग में सभी सराबोर हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता पूरे देश में अपनी लामबंदी करने में लगे हैं। देश की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा भी इसी में लगी है। हालांकि भाजपा इस बार दक्षिण भारत पर ज्यादा फोकस कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी एक के बाद एक दक्षिणी राज्यों का दौरा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आज भी तमिलनाडु के सेलम में चुनावी यात्रा की। सलेम की सभा में प्रधानमंत्री ने विपक्षियों पर करारा वार किया। प्रधानमंत्री अपने संबोधन के दौरान भाजपा के राज्य महासचिव ऑडिटर वी रमेश को याद करते हुए भावुक भी हो गई। 2013 में वी रमेश की सलेम में हत्या कर दी गई थी।

भाजपा के तत्कालीन राज्य महासचिव ऑडिटर वी रमेश को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आज मैं सेलम में हूं, मुझे ऑडिटर रमेश की याद आ रही है। आज सेलम का मेरा साथी वो रमेश नहीं है। रमेश ने पार्टी के लिए दिन-रात काम किया। वे हमारी पार्टी के एक समर्पित नेता थे। वह एक महान वक्ता और बहुत मेहनती थे। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भाजपा के राज्य महासचिव ऑडिटर वी रमेश की 2013 में सलेम शहर के मरावनेरी इलाके में उनके घर के परिसर के अंदर एक अज्ञात गिरोह ने हत्या कर दी थी।

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष केएन लक्ष्मणन को भी याद किया। उन्होंने कहा कि आपातकाल विरोधी आंदोलन में उनकी भूमिका अविस्मरणीय थी। पीएम ने कहा कि जब देश में आपातकाल लगाया गया उस समय उसके विरोध में शुरू हुए आंदोलन में लक्ष्मणन जी की भूमिका और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी को हमेशा याद किया जाएगा।

राज्य में भाजपा के विस्तार में उनका योगदान अविस्मरणीय है। के एन लक्ष्मणन का जून 2020 में सेलम के सेववाइपेट्टई स्थित उनके आवास पर उम्र संबंधी समस्याओं के कारण निधन हो गया।

प्रधानमंत्री ने भाजपा सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों को भी गिनाया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार तमिलनाडु के विकास और समृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मुफ्त चिकित्सा उपचार से लेकर घरों में नल के पानी के कनेक्शन प्रदान करने तक हमने सभी की सेवा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि 19 अप्रैल को हर वोट भाजपा और एनडीए को जाएगा।

अब तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि इस बार 400 के पार। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, अभी तो चुनाव अभियान की शुरुआत हुई है, लेकिन विपक्षी गठबंधन की योजना मुंबई में हुई उनकी पहली रैली में ही खुलकर सामने आ गई है। ये कह रहे हैं कि हिंदू धर्म की जिस शक्ति में आस्था होती है, उन्हें इस शक्ति का विनाश करना है। हिंदू धर्म में शक्ति किसे कहते हैं, ये तमिलनाडु का हर व्यक्ति जानता है। इंडी गठबंधन के लोग बार-बार जानबूझकर हिंदू धर्म का अपमान कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा डीएमके और कांग्रेस का विपक्षी गठबंधन किसी अन्य धर्म का अपमान नहीं करता, किसी और धर्म के खिलाफ इनकी जुबान से एक शब्द नहीं निकलता, लेकिन हिंदू धर्म को गाली देने में ये एक सेकंड नहीं लगाते। हिंदू धर्म में शक्ति का मतलब होता है मातृ शक्ति, नारी शक्ति..लेकिन विपक्षी गठबंधन की कांग्रेस और डीएमके कह रही हैं कि वे शक्ति को तबाह करेंगे।

मोदी, देश की नारी शक्ति की हर परेशानी के आगे ढाल बनकर खड़ा है। इसके बाद पीएम मोदी ने नारी शक्ति के लिए शुरू की गईं अपनी सरकार की योजनाओं का जिक्र किया।

हम कभी नहीं देते किसी धर्म को गाली, विपक्षी देते हैं हिन्दुओं को गाली

कातिलों द्वारा मारे गए भाजपा नेता रमेश को याद कर भावुक हुए मोदी

पीएम मोदी ने पलक्कड़ में किया जोरदार रोड शो

तिरुवनंतपुरम, 19 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल के पलक्कड़ में जोरदार रोड शो किया। पीएम मोदी का रोड शो देखने के लिए भारी संख्या में लोग यहां आए थे। पीएम मोदी के रोड शो के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने मीडिया से कहा, यह रोड शो एक बड़ी सफलता है।

लोगों ने खुले दिल से पीएम मोदी का स्वागत किया और उनका अभिवादन किया। जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं में बहुत उत्साह है। जनता एलडीएफ और यूडीएफ से तंग आ चुकी है। अब केवल पीएम मोदी से उन्हें उम्मीद है।

चीन के पागल-प्रलाप को भारत ने किया खारिज, लगाई फटकार

भारत का अभिन्न अंग है अरुणाचल प्रदेश

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन के पागल-प्रलाप को भारत ने फिर खारिज करते हुए चीन को कड़ी फटकार लगाई है। भारत ने साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। भारत ने चीन के अरुणाचल प्रदेश को लेकर दिए गए बेतुके बयान को सिरे से खारिज करते हुए चीन को आगाह किया कि वह ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयान देना बंद करे। भारत ने चीन के दावे को आधारहीन बताया। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर आधिकारिक बयान जारी किया है और कहा है कि भारत की विकास यात्रा का लाभ अरुणाचल प्रदेश के लोगों को मिलता रहेगा।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीन के रक्षा मंत्रालय की तरफ से भारत के राज्य अरुणाचल प्रदेश पर किए बेतुके दावे पर हमने नोटिस लिया है। चीन की तरफ से बार-बार आधारहीन तर्क दिए जा रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। अरुणाचल प्रदेश के लोगों को आधारभूत ढांचे के विकास और अन्य विकास परियोजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया चीनी सेना के उस दावे के बाद सामने आई है, जिसमें चीन ने अरुणाचल प्रदेश को चीनी क्षेत्र का हिस्सा बताया था। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग जियाओगांग ने कहा था कि जिजांग (तिब्बत का चीनी नाम) चीन का हिस्सा है और चीन भारत के कथित अरुणाचल प्रदेश को न कभी स्वीकार करेगा और इसका सख्ती से विरोध करता है। पीएम मोदी ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में सेला टनल का उद्घाटन किया था।

उसके बाद ही चीन ने अरुणाचल को लेकर बयान दिया। जिस पर भारत ने अपनी प्रतिक्रिया में चीन को कड़ा जवाब दिया है। चीन की तरफ से 15 मार्च को यह बयान दिया गया। भारत पहले भी चीन के ऐसे दावों को सिरे से खारिज कर चुका है। भारत ने अपने पूर्व के एक बयान में कहा था कि चीन का भारतीय नेताओं के अरुणाचल दौरे का विरोध बेतुका है और इसका कोई आधार नहीं है।

ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयान देना बंद करे चीन

सेना के मेजर ने बनाई नायाब डिवाइस

एक साथ तबाह किए जा सकते हैं कई टार्गेट, पेटेंट भी मिला

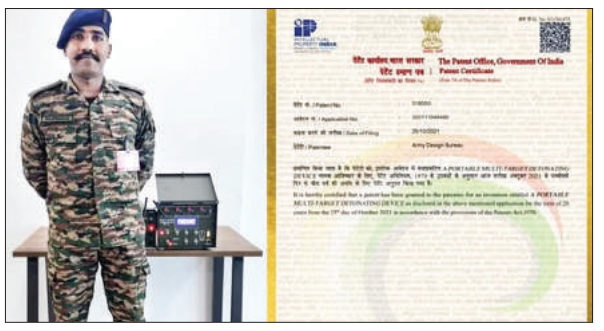

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय सेना को एक बड़ी कामयाबी मिली है। सेना के एक मेजर ने ऐसी डिवाइस का निर्माण किया है, जिसकी मदद से एक ही समय पर कई ठिकानों को तबाह किया जा सकता है। साथ ही इसकी मदद से सेना के जवानों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। इस अविष्कार को पेटेंट भी मिल चुका है। भारतीय सेना ने बयान जारी कर इसे बड़ी उपलब्धि बताया है।

भारतीय सेना ने बयान जारी कर बताया कि सेना की कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स के मेजर राजप्रसाद आरएस ने एक ऐसा हथियार बनाया है, जिसकी मदद से एक साथ कई लक्ष्यों को तबाह किया जा सकता है। खास बात ये है कि सेना के जवान इस वायरलेस डिवाइस की मदद से दूर से ही लक्ष्यों को तबाह कर सकते हैं। इससे उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इस डिवाइस को पोर्टेबल मल्टी टारगेट डेटोनेशन डिवाइस नाम दिया गया है। सेना ने बताया कि इस डिवाइस को पेटेंट मिलने के बाद सेना में शामिल भी कर लिया गया है।

भारतीय वायु सेना ने आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग सुविधा वाली हवाई पट्टी पर परिचालन किया जो वायु सेना और असैन्य एजेंसियों के बीच उच्च स्तर के समन्वय को दर्शाता है। वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि 18 मार्च को यह परीक्षण किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) ने वायु सेना की बताई गई विशिष्टताओं के अनुसार 4.1 किलोमीटर लंबी और 33 मीटर चौड़ी हवाई पट्टी का निर्माण किया है। इन इएलएफ (इमरजेंसी लैंडिंग फील्ड) की मदद से आपात स्थिति में हवाई परिचालन की क्षमता बढ़ेगी और दूर-दराज के क्षेत्रों में मानवीय मदद पहुंचाना भी आसान होगा।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 67,600/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 76,092/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

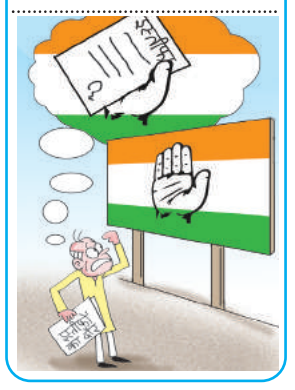

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34°
न्यूनतम : 24°

शेयर मार्केट

बीएसई : 72,012.05
-736.37 -1.01% ↓
एनएसई :21,817.45
-238.25 (-1.08%) ↓

अमित शाह से मिले राज ठाकरे

इस मुलाकात के तो गहरे मायने हैं

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में उलट-पुलट जारी है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर पहुंचे। दोनों के बीच कुछ देर अलग से वार्ता हुई। इस मुलाकात और वार्ता के गहरे मायने हैं।

राज ठाकरे सोमवार की रात को ही दिल्ली पहुंचे थे। मंगलवार को उन्होंने एक होटल में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े से मुलाकात की। इस मुलाकात के खत्म होने के बाद ही एमएनएस प्रमुख अमित शाह के आवास की तरफ रवाना हुए। इस दौरान उनके साथ विनोद तावड़े भी मौजूद थे। लोकसभा चुनाव से पहले सियासी गलियारों में चर्चा है कि राज ठाकरे एनडीए में शामिल हो सकते हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले पहले से ही नई दिल्ली में मौजूद हैं।

दिल्ली पहुंचने के बाद सोमवार को राज ठाकरे ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, मुझे अभी तक नहीं पता कि मेरा कार्यक्रम क्या है। मुझे तो बस दिल्ली आने के लिए कहा गया था और मैं दिल्ली आ गया। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीज ने भी इस पर कोई भी प्रतिक्रिया देने से इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा, अगर कोई निर्णय लिया जाता है तो आपको बताया जाएगा।

लाभ-हानि के गुणा-गणित के बाद ही हुआ मुलाकात

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र की सियासत में भाजपा एक और पार्टी के साथ गठबंधन में जाने का प्रयास कर रही है। यह गठबंधन भाजपा और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ हो सकता है। अब इस गठबंधन की पड़ने वाली नींव को लेकर कहा यही जा रहा है कि उद्धव ठाकरे के विकल्प के तौर पर राज ठाकरे से हाथ मिलाया जा रहा है। ताकि महाराष्ट्र में मराठी वोट बैंक पर राज ठाकरे के माध्यम से मजबूत पकड़ बनाई जा सके। हालांकि जानकारों का कहना है कि महाराष्ट्र में राजठाकरे के पिछले चुनावों के वोट प्रतिशत ऐसे नहीं हैं, जो इसे बड़ी डील करार दे सकें। लेकिन भाजपा इस जुगलबंदी से मराठी वोटरों पर एक मनोवैज्ञानिक असर तो डाल ही सकेगी।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जीतो अहिंसा दौड़ के दूसरे संस्करण के लिए पोस्टर जारी

वार्षिक आयोजन की उल्टी गिनती शुरू

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड़ के दूसरे संस्करण के लिए पोस्टर लाँच के साथ इस साल कार्यक्रम की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। शहर स्थित जीतो कार्यालय में हुए कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों की मौजूदगी में पोस्टर जारी किया गया। यह दौड़ आगामी 31 मार्च को बेंगलूरु सहित देश की 69 जीतो चैप्टर्स और अंतर्राष्ट्रीय चैप्टर्स द्वारा आयोजित होगी। जीतो बेंगलूरु साउथ के मुख्य सचिव दीपक श्रीश्रीमाल ने कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए इस बात पर जोर दिया कि अहिंसा दौड़ को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए शहर के दोनों चैप्टर्स की प्रबंधन समिति, संस्था की महिलाएं तथा यूथ विंग को एकजुट होकर कार्य करना होगा। केकेजी जोन के चेयरमैन अशोक सालेचा ने इस दौड़ के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा शांति और अहिंसा का संदेश इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य है। सभी आयु वर्ग की स्त्री एवं पुरुष इस दौड़ में भाग ले सकते हैं। जीतो एपेक्स निदेशक विनोद जैन तथा जीतो बेंगलूरु साउथ के उप चेयरमैन अशोक गजानन व उदय जैन, कोषाध्यक्ष अशोक मेहता, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के उप चेयरमैन सुभाष खिंवेसरा ने दोनों चैप्टर्स के सदस्यों को बधाई दी तथा संयुक्त रूप से कार्यक्रम के आयोजन को लेकर उत्साह व्यक्त किया। जीतो एपेक्स महिला विंग उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा, बेंगलूरु साउथ चैप्टर अध्यक्ष दिनेश बोहरा एवं बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया, साउथ महिला विंग महामंत्री मोनिका पिरगल ने सभी को शुभकामनाएँ संप्रेषित की। इस अवसर पर जीतो महिला विंग साउथ अध्यक्ष सुनीता गांधी एवं नॉर्थ महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी भी उपस्थित थी। उन्होंने आगामी अहिंसा दौड़ में महिलाओं की भागीदारी को लेकर पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। गत वर्ष अहिंसा दौड़ के प्रथम संस्करण में उल्लेखनीय भागीदारी देखी गई थी। पोस्टर लाँच समारोह में जीतो के तमाम पदाधीकारी उपस्थित थे। नवकार मंत्र उच्चारण के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में शहर की दोनों जीतो विंग से अनेक सदस्य शामिल हुए।

अल्पसंख्यक योजनाओं और लाभों पर एक कार्यक्रम आयोजित

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेलगावी चैप्टर ने केकेजी जोन के सहयोग से अल्पसंख्यक योजनाओं और लाभों पर एक सफल कार्यक्रम आयोजित किया। नवकार महामंत्र से कार्यक्रम शुरू किया गया और केकेजी जोन द्वारा अल्पसंख्यक पुस्तक का विमोचन एपेक्स, केकेजी जोन के समर्थन से किया गया। केकेजी जोन अल्पसंख्यक संयोजीका कविता जैन के साथ ललित गांधी राष्ट्रीय अध्यक्ष एआईजेएमएफ और जीतो, जेएटीएफ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता थे। यह अल्पसंख्यक योजनाओं और लाभों पर ज्ञान का एक बड़ा सत्र था, जिसमें वक्ताओं ने सदस्यों को बहुत अच्छी तरह से समझाया कि अल्पसंख्यक योजनाओं का लाभ कैसे प्राप्त किया जाए, और परिवार तक कैसे पहुंचा जाए। सभा में केकेजी जोन के कन्वीनर संतोषी पोरवाल, बेलगाम चैप्टर के संयोजक सिद्धार्थ पाटिल के साथ अध्यक्ष वीरधवल उपाध्याय, मुख्य सचिव अशोक कटारिया, युवा विंग के अध्यक्ष दीपक सुभेदर, जेएलडब्ल्यू की चेयरपर्सन माया, पुष्पक, इवेंट हेड राजेश भोसगी समेत अन्य मौजूद थे। सभा में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

जेडीएस के साथ सीट-बंटवारे की व्यवस्था का मुद्दा

सीट-बंटवारे को सौहार्दपूर्ण ढंग से किया जाएगा हल: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस द्वारा आगामी लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे के मुद्दे पर अपनी नाखुशी का संकेत देने के बाद, कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के आलाकमान से परामर्श करने के बाद अपने नेतृत्व से बात की है, और विश्वास जताया कि सौहार्दपूर्ण ढंग से मामला सुलझ जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और जद(एस) नेतृत्व हर चीज पर चर्चा कर रहे हैं और सुखद अंत होगा। विजयेंद्र ने कहा सोमवार रात मेरी हमारे राष्ट्रीय नेताओं के साथ टेलीफोन पर चर्चा हुई, उसके बाद मैंने पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा से फोन पर बात की और मंगलवार सुबह एचडी कुमारस्वामी के साथ भी जानकारी साझा की है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा और राष्ट्रीय नेतृत्व ऐसा निर्णय लेगा जो जद (एस) के लिए संतोषजनक होगा। यह संकेत देते हुए कि जद (एस) सीट बंटवारे के मुद्दे पर नाखुश है, उसके प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा था कि उन्हें विश्वास है कि क्षेत्रीय पार्टी को तीन से चार सीटें मिलेंगी, ऐसी खबरों के बीच कि भगवा पार्टी उसे केवल दो सीटें दे सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी के नेताओं ने उनसे जद (एस) के साथ 'सम्मानजनक' व्यवहार करने की आवश्यकता के बारे में भाजपा नेतृत्व से बात करने और उन्हें कम से कम 18 लोकसभा क्षेत्रों में अपनी ताकत समझाने के लिए कहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या जद(एस) तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी, विजयेंद्र ने कहा कि इस मुद्दे पर अभी भी चर्चा चल रही है। इसलिए मैं कुछ कैसे कह सकता हूं? उन्होंने कहा अगर कोई छोटी-मोटी दिक्कत है तो हर चीज का सुखद अंत होगा और भाजपा-जेडी(एस) एनडीए गठबंधन सफलतापूर्वक जारी रहेगा। जद (एस) पिछले सितंबर में एनडीए में शामिल हुई और उसने भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन किया है। क्षेत्रीय पार्टी के तीन सीटों - मांड्या, हासन और कोलार - पर चुनाव लड़ने की उम्मीद है और दोनों दलों के बीच समझौते के अनुसार, प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन और देवेगौड़ा के दामाद डॉ. सीएन मंजूनाथ को बेंगलूरु ग्रामीण से मैदान में उतारा गया है। हालाँकि, हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भाजपा कोलार सीट जद (एस) को देने के लिए तैयार नहीं है, जिससे क्षेत्रीय दल नाराज हो गया है।

सब कुछ ठीक हो जाएगा

कांग्रेस द्वारा भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री डी वी सदानंद गौड़ा को संदेश भेजने पर विजयेंद्र ने कहा, उन्हें विश्वास है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा और उनके पार्टी छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है और वह भाजपा में ही बने रहेंगे। गौड़ा बेंगलूरु उत्तर लोकसभा सीट से दोबारा चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिए जाने से नाराज हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता केएस ईश्वरप्पा के बारे में पूछे जाने पर, जिन्होंने विद्रोह का झंडा उठाया है और शिवमोग्गा लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं, विजयेंद्र ने कहा, 'वह एक वरिष्ठ नेता हैं, उनके पास कुछ गलत जानकारी गई है और वह इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मुझे विश्वास है कि एक बार जब वह सच्चाई समझ जाएंगे तो सब कुछ ठीक हो जाएगा।

सेवा भावना से आत्मा बनती है विनम्र

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। जीगणी में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि सेवा भावना जिस कुटुंब में रहती है, वहां धर्म, नैतिक, सहयोग और सुख साथ साथ रहते है। सेवा भाव और संविभाग वृत्ति, जिस मानव समाज में होता है, वह समाज उन्नति के शिखर पर अवश्य चढ़ता है। सेवा भाव वही इंसान रखते हैं जिनमें प्राणी जगत के प्राणियों के प्रति दया भाव, मैत्री भाव, अनुकंपा, करुणा भावना बहती हो। सुख भोग से ज्यादा दुःखी के दुःख को दूर करने और पीड़ा को दूर करने में पुण्य मिलता हैं। वे बड़े ही सौभाग्य शाली लोग होते हैं, जिनके मन में ऐसे भाव होते हैं। नकारात्मक सोच वाले संचय वृत्ति से भरे होते है, वे संविभाग करने में रुचि रखते है। हड़पने की भावना होती है। सेवा भावना से आत्मा कोमल विनम्र और दयावान बनती है।

कर चोरी के संदेह में मेघना फूड्स के आउटलेट्स पर आयकर विभाग की छापेमारी

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। आयकर अधिकारियों ने मंगलवार को प्रसिद्ध बेंगलूरु स्थित मेघना फूड्स के कई आउटलेट्स पर छापेमारी की। कर्नाटक और गोवा की टीमों के नेतृत्व में हुई छापेमारी का उद्देश्य संदिग्ध कर चोरी गतिविधियों की जांच करना था। कोरमंगला, जयनगर और इंदिरा-नगर में खाद्य श्रृंखला के आउटलेट पर अधिकारियों द्वारा छापा मारा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये छापेमारी मेघना फूड्स के संचालन में संभावित कर अनियमितताओं की ओर इशारा करने वाले पर्याप्त सुरागों के आधार पर की गई। मेघना फूड्स, जो अपनी स्वादिष्ट बिरयानी के लिए जाना जाता है, बेंगलूरु निवासियों और आगंतुकों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है। 2006 में बेंगलूरु में स्थापित, श्रृंखला मूल रूप से हैदराबाद से आती है। अपनी स्थापना के बाद से, मेघना फूड्स ने अपने प्रामाणिक आंध्र व्यंजन, विशेष रूप से अपनी सिग्नेचर बिरयानी के लिए व्यापक प्रशंसा अर्जित की है।

लोकसभा चुनाव के बाद 3 महीने में विभाजित हो जाएगी कांग्रेस: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के बाद तीन महीने में कांग्रेस विभाजित हो जाएगी और इसका असर सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर दिखाई देगा। भाजपा नेता ने कहा आंतरिक कलह के कारण राज्य सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गदग-हावेरी निर्वाचन क्षेत्र के मौजूदा सांसद शिवकुमार उदासी ने बहुत सारे विकास कार्य किए हैं और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निश्चित रूप से तीसरी बार पीएम बनेंगे। गदग-हावेरी लोकसभा क्षेत्र में समग्र प्रतिक्रिया अच्छी रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह गदग-हावेरी सीट पर आधे-अधूरे मन से चुनाव लड़ रहे हैं, बोम्मई ने कहा जब पार्टी आलाकमान निर्देश देता है तो ऐसा सवाल नहीं उठता है। उन्होंने कहा कि वह अपने प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करेंगे और किसी को हल्के में नहीं लेंगे।

बेंगलूरु स्कूल के पास खाली जमीन पर मिला विस्फोटक पदार्थ

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने मंगलवार को बेंगलूरु में एक निजी स्कूल के पास खाली जमीन से विस्फोटक सामग्री जब्त की। इस घटनाक्रम ने 1 मार्च को बेंगलूरु कैफे विस्फोट के मद्देनजर चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो कम तीव्रता वाले तात्कालिक विस्फोटक उपकरण का उपयोग करके किया गया था।

पुलिस को जिलेटिन की छड़ें, डेटोनेटर और अन्य विस्फोटक पदार्थ मिले। पुलिस के मुताबिक, यह पदार्थ स्कूल के पास एक खाली जगह पर खड़े ट्रैक्टर में रखा गया था। सूचना के बाद बेलंदूर पुलिस मौके पर पहुंची और विस्फोटक पदार्थ जब्त कर लिया। सूत्रों ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जब्त की गई सामग्री का इस्तेमाल आमतौर पर निर्माण स्थलों और उत्खनन स्थलों पर विस्फोट करने वाले पत्थरों में किया जाता था। पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। बेंगलूरु के कई स्कूलों को हाल ही में ईमेल के जरिए सिलसिलेवार बम धमकियां मिली थीं। कोई जोखिम न लेते हुए, अधिकारियों ने घटना को गंभीरता से लिया है और मामले की जांच कर रहे हैं।

हुब्बल्ली-कुसुगल खंड में विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण

हुब्बल्ली/ शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने सोमवार को हुब्बल्ली-कुसुगल खंड में विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण किया। भारतीय रेलवे में विंडो-ट्रेलिंग आयोजित की जाती है, जिसमें चलती ट्रेन से जुड़ी निरीक्षण कार की पिछली खिड़की से ट्रैक और उसके आसपास के सिग्नल, ओएचई, प्लेटफॉर्म जैसे प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जाता है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि हुब्बल्ली के मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे और विभागों के प्रमुखों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ श्रीवास्तव ने कई प्रमुख परिचालन और सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की। इसके बाद, श्रीवास्तव ने स्टेशन मास्टर के पैनल रूम, रिले रूम सहित गदग और कोप्पल रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण कर रेलवे कर्मियों के साथ बातचीत की। बाद में, उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे रेलवे बुनियादी ढांचे और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने होसापेट रेलवे स्टेशन का दौरा किया जहां उन्होंने क्रू लॉबी, क्रू के रनिंग रूम का निरीक्षण किया और विभिन्न सुरक्षा मानकों की समीक्षा की।

पूरे बेंगलूरु शहर में 102 चेक पोस्ट की स्थापना: दयानंद

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शहर भर में 102 चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अंतर जिला सीमा क्षेत्र में 15 और शहरी क्षेत्र में 87 सहित कुल 102 चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। बेंगलूरु सेंट्रल डिवीजन में 16, ईस्ट डिवीजन में 10, नॉर्थ डिवीजन में 27, नॉर्थ ईस्ट डिवीजन में 12, साउथ डिवीजन में 8, साउथ ईस्ट डिवीजन में 10, वेस्ट डिवीजन में 12 और व्हाइटफील्ड डिवीजन में 7 चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन चेक पोस्टों पर बीबीएमपी, आरटीओ, एक्साइज, वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारी पुलिस के साथ 24 घंटे काम कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान, पैसा, शराब और कोई भी गैर-दस्तावेज वस्तु जब्त कर ली जाएगी। चुनाव आचार संहिता लागू होने के मद्देनजर जनता को सलाह दी गई है कि वे अपने हथियार तुरंत संबंधित पुलिस थाने में जमा करा दें।

नए सावलंगा टोल गेट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

शिवमोग्गा/ शुभ लाभ ब्यूरो। शिवमोग्गा और शिकारीपुर रोड पर वाहनों की आवाजाही बाधित हुई क्योंकि निजी बस ऑपरेटर सावलंगा रोड पर स्थापित टोल गेट का विरोध करते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। निजी बस संचालकों द्वारा टोल गेट पर शुल्क देने को तैयार नहीं होने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहन फंसे हुए थे। उनका आरोप है कि शक्ति योजना लागू होने से उन्हें नुकसान हुआ है, इसलिए वे फीस नहीं भर सकते। राज्य सरकार ने हाल ही में राज्य राजमार्ग पर टोल गेट स्थापित किया था।

हनुमान चालीसा विवाद : प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेता सुरेश कुमार, शोभा करंदलाजे को हिरासत में लिया

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर पुलिस ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे और भाजपा विधायक सुरेश कुमार को कई हिंदू कार्यकर्ताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ हिरासत में ले लिया, जो हनुमान चालीसा बजाने पर एक दुकान के मालिक पर हमले की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। घटना के बाद हलसुरु गेट पुलिस स्टेशन की सीमा में तनाव व्याप्त रहा। हिंदू कार्यकर्ता और भाजपा कार्यकर्ता नागरथपेट में एकत्र हुए और हनुमान चालीसा बजाना शुरू कर दिया, जबकि पुलिस ने मोबाइल दुकान के मालिक, पीड़ित मुकेश को हिरासत में लेने की कोशिश की। भाजपा विधायक सुरेश कुमार ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की और उनसे सवाल किया कि वे पीड़ित को अपनी हिरासत में क्यों ले रहे हैं? जब पुलिस नहीं मानी और उन्हें ले जाने की कोशिश की तो विधायक सुरेश कुमार पुलिस वाहन के सामने आ गये और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। विधायक सुरेश कुमार को पुलिस ने खींच-खींच कर हिरासत में ले लिया। मौके पर विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने पहुंचीं शोभा करंदलाजे को भी हिरासत में ले लिया गया। हिंदू कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस ने असली दोषियों की बजाय उन लोगों को गिरफ्तार किया है जिनका घटना से कोई लेना-देना नहीं है। गिरफ्तार किए गए लोग मोबाइल दुकान मालिक मुकेश पर हमला करने वाले नहीं हैं। पुलिस हिरासत में लिए जाने के दौरान मुकेश ने कहा यह बेंगलूरु नहीं है। यहां अत्याचार वैसे ही किए जा रहे हैं जैसे कभी कश्मीर में होते थे। हमें निशाना बनाया गया है। मैं अपनी दुकान पर हनुमान चालीसा बजा रहा था। हमलावरों ने मुझसे सवाल किया कि मैं शाम 6.30 बजे एक मस्जिद के पास नमाज के समय यह भजन क्यों बजा रहा हूं और मुझ पर हमला कर दिया। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने दुकान का दौरा किया था और शहर में हर जगह विरोध प्रदर्शन और हनुमान चालीसा बजाने की घोषणा की थी। यह घटना 17 मार्च को बेंगलूरु में हुई थी और पुलिस ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। दुकानदार 26 वर्षीय मुकेश की शिकायत के बाद सुलेमान, शनावाज, रोहित, ज्ञानीश, तरूणा और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी।

कांग्रेस सरकार की आलोचना

अपनी शिकायत में, मुकेश ने कहा कि जुम्मा मस्जिद रोड पर उनकी एक दुकान है और रविवार शाम को आरोपी दुकान के अंदर घुस गए और स्पीकर बजाने को लेकर उन पर हमला कर दिया। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा था कि उसे जान से मारने की धमकी दी गई और हथियारों से हमला किया गया। कर्नाटक भाजपा ने इस घटना पर कांग्रेस सरकार की आलोचना की थी। कर्नाटक भाजपा ने सोशल मीडिया पर लिखा कट्टरपंथी चरमपंथी तत्वों ने सड़कों पर कब्जा कर लिया है और खुलेआम हिंदुओं को आतंकित कर रहे हैं।

रमेश कट्टी ने कांग्रेस में शामिल होने की अफवाहों का किया खंडन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सांसद और भाजपा नेता रमेश कट्टी ने लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल होने की खबरों को निराधार अफवाह बताया है। उन्होंने बेलगावी में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें भाजपा छोड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है क्योंकि उनका परिवार दशकों से इसमें सक्रिय है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस से किसी ने भी उनसे संपर्क नहीं किया। वह मंत्री और केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष सतीश जारकीहोली के एक बयान का जवाब दे रहे थे कि रमेश कट्टी का कांग्रेस में शामिल होने के लिए स्वागत है यदि वह इसकी विचारधारा में विश्वास करते हैं और इसके सिद्धांतों को स्वीकार करते हैं। रविवार को चिक्कोडी में पत्रकारों से बात करते हुए, सतीश जारकीहोली ने कहा कि कांग्रेस ने रमेश कट्टी से संपर्क नहीं किया था, लेकिन पार्टी में शामिल होने के लिए नेता का स्वागत है। हम बेलगावी जिले की दो सीटें जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। लेकिन फिर, हम इस उद्देश्य के लिए रमेश कट्टी या किसी अन्य नेता से संपर्क नहीं करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि बेलगावी और चिक्कोडी के लिए पार्टी के उम्मीदवारों का फैसला राज्य और जिला स्तर के नेताओं के साथ चर्चा के बाद किया जाएगा। हम दो संसदीय सीटों पर पार्टी विधायकों और पूर्व विधायकों के साथ चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी और युवा कांग्रेस नेता प्रियंका जारकीहोली की उम्मीदवारी पर विचार किया जा रहा है, हालांकि अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। हालांकि, रमेश कट्टी के भाजपा छोड़ने की अफवाहें तेज हैं। ऐसा माना जा रहा है कि चिक्कोडी टिकट के लिए उनके दावे पर भाजपा नेतृत्व द्वारा विचार नहीं किए जाने से वह नाराज थे। भाजपा सूत्रों का कहना है कि वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा का समर्थन प्राप्त होने के बावजूद उन्हें नजरअंदाज किया गया। पार्टी चुनाव समिति के एक सदस्य ने कहा कि मतदाताओं के बीच एक आंतरिक सर्वेक्षण ने भी रमेश कट्टी के दावे को जोले से अधिक मजबूत बना दिया क्योंकि कट्टी को जोले से तीन प्रतिशत अधिक वोट मिले।

मोबाइल दुकान मालिक से मारपीट के मामले में दो और गिरफ्तार

आरोपियों की संख्या पांच हुई

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

मोबाइल शॉप के मालिक से मारपीट के मामले में हलसुरु गेट पुलिस स्टेशन ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी तरूण और जाहिद हैं। कुम्बारपेट के सुलेमान, शाहनवाज और रोहित को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था, अब दो और की गिरफ्तारी से आरोपियों की संख्या पांच हो गयी है।

नगरपेट के सिद्दन्नागल्ली में एक मोबाइल दुकान के मालिक मुकेश ने कहा कि जब वह एक हिंदी भजन बजा रहा था, तभी लोगों का एक समूह अचानक दुकान पर आया और कहा कि आपने जो गाना बजाया है, उसके कारण उन्हें प्रार्थना करने में परेशानी हो रही है। साथ ही उस पर हमला करना शुरू कर दिया। घटना के बाद पीड़ित मुकेश ने पुलिस से शिकायत की और अस्पताल में उसका इलाज कराया गया। घटना की निंदा करते हुए नगरपेट के सैकड़ों व्यापारियों ने हलसुरु गेट पुलिस स्टेशन के सामने इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन किया और हमले को अंजाम देने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। हलसुरु गेट थाने की पुलिस ने मौके पर जाकर उन सड़कों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। उसमें कैद फुटेज के आधार पर सोमवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में मंगलवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से पूछताछ जारी है। आरोपियों में सुलेमान अपहरण और मारपीट के मामले में शामिल होने के कारण जेल में था और बाद में रिहा हो गया था। बाकी आरोपियों के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं है। हमले का दृश्य, जो सीसी कैमरे में कैद हो गया, सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और सार्वजनिक क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। घटना के बाद भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने घटनास्थल का दौरा कर प्रदर्शन किया था।

लोगों को महल में आने की जरूरत नहीं

मैं आम भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम करने के लिए बाहर निकलूंगा: यदुवीर वाडियार

मैसूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्ववर्ती मैसूरु शाही परिवार के वंशज और मैसूरु-कोडागु संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार यदुवीर वाडियार ने कहा कि लोगों को अपनी शिकायतें लेकर महल में आने की जरूरत नहीं है क्योंकि वह एक आम पार्टी कार्यकर्ता के रूप में बाहर निकलेंगे और काम करेंगे।

मैसूरु के एक होटल में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा मैं महल से बाहर निकलूंगा और एक आम पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम करूंगा। यदुवीर वाडियार ने कहा मेरे पिता चार बार सांसद रहे। हमारे सभी दलों से अच्छे संबंध हैं। मेरे विचार भाजपा की विचारधारा से मेल खाते हैं। महल से लोगों का भावनात्मक लगाव है। संविधान के तहत सभी बराबर हैं। मैं भी अन्य लोगों की तरह एक सांसद के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाऊंगा। प्रौद्योगिकी के माध्यम से संचार किया जा सकता है। आपको (लोगों को) महल में आने की जरूरत नहीं है। मैं महल से बाहर आऊंगा। मैं ये इसलिए नहीं कह रहा क्योंकि मैं एक राजा हूं। महल की एक विरासत है। इसके अलावा मैं एक आम नागरिक ही रहूंगा। मुझे एक सांसद के रूप में भी संबोधित किया जा सकता है और एक प्रतिनिधि के रूप में भी। मेरी मां प्रमोदा देवी वाडियार को चुनाव प्रचार के लिए आने की कोई जरूरत नहीं है। उनका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहेगा। मौजूदा सांसद प्रताप सिम्हा, जिन्हें मैसूरु-कोडागु सीट से चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया गया था, भी अभियान में शामिल हुए। सांसद सिम्हा ने कहा मैंने पार्टी या पार्टी के लोगों को धोखा नहीं दिया है। भाजपा आलाकमान ने मुझे यह नहीं बताया कि 2014 में मुझे चुनाव के लिए टिकट क्यों दिया गया था। मैंने यह भी नहीं पूछा कि उन्होंने मुझे टिकट देने का फैसला क्यों किया। अब मैं यह सवाल नहीं उठाऊंगा कि मुझे टिकट क्यों नहीं दिया गया। यह अप्रासंगिक है कि मुझे कांग्रेस पार्टी से कोई प्रस्ताव मिला है या नहीं। यदुवीर वाडियार की जीत सुनिश्चित करना हमारे लिए महत्वपूर्ण है। देश को प्रधानमंत्री मोदी की जरूरत है। पीएम मोदी के पक्ष में हाथ उठाने के लिए हमें मैसूरु से एक प्रतिनिधि की जरूरत है। पार्टी मेरी मां की तरह है और मेरा यही मतलब है।

पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी का आरोप

डीके ब्रदर्स बेंगलूरु के ग्रामीण इलाकों में कुकर बांट रहे

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी, जिन्होंने कांग्रेस पर बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में मतदाताओं को बांटने के लिए चार लाख कुकर लोड करने का आरोप लगाया, ने चुनाव आयोग से हस्तक्षेप करने और इस तरह के प्रलोभन को रोकने की मांग की। पद्मनाभनगर में पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार और उनके भाई डीके सुरेश चुनाव के दौरान कुकर बांट रहे हैं। जेडीएस कार्यकर्ताओं को 2 लॉरी कुकर मिले जो मालवाडी में मतदाताओं को बांटने के लिए लाए गए थे। उन्होंने कहा कि जब जिला अधिकारी और अधिकारी गए तो वहां कुछ भी नहीं था। साड़ी और कूकर का वितरण पहले भी किया जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह फिर से बांटने का इरादा रखते हैं। चुनाव आयोग को मतदाताओं को लुभाने वालों पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सख्त कार्रवाई के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बेंगलूरु ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ सीएन मंजूनाथ को हराने के लिए इस तरह की कोशिश की जा रही है। भाजपा और जेडीएस के बीच कोई भ्रम नहीं है। सोमवार को हुई पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में हमने चुनावी गठबंधन को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि कौन सा क्षेत्र हमारा है। देवेगौड़ा की सलाह पर, हमने भाजपा के साथ गठबंधन किया और हम तीन निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेंगे। कोर कमेटी की बैठक में दोनों सेक्टरों के बीच गठबंधन को लेकर चर्चा हुई। दोनों पार्टियां मौजूदा लोकसभा चुनाव में 25 सीटों पर भाजपा की जीत के लिए संघर्ष कर रही हैं।

कांग्रेस की सत्ता आते ही असामाजिक तत्वों का बढ़ता है हौसला: तेजस्वी सूर्या

घटना की निष्पक्ष जांच हो

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए, भारतीय जनता पार्टी के सांसद तेजस्वी सूर्या ने मंगलवार को कहा कि किसी को भी आश्चर्य होगा कि कांग्रेस की सत्ता आते ही असामाजिक तत्व समाज बिगाड़ने लगते हैं, क्योंकि उनका हौसला बढ़ जाता है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा सरकार ब्रांड बेंगलूरु के निर्माण की बात करती है। मैं सीएम और डिप्टी सीएम से पूछना चाहता हूं कि आप बेंगलूरु ब्रांड बनाने की बात करते हैं। लेकिन इस तरह की कानून-व्यवस्था में आप ऐसा कैसे कर सकते हैं। मोबाइल बिक्रेता पीड़ित मुकेश के साथ जो हुआ वह शहर में कहीं भी शांत, बिना किसी उकसावे के ईमानदारी से अपने काम पर जाने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ हो सकता है। तेजस्वी ने हाल ही में रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट और कर्नाटक विधान सौधा में कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने की घटनाओं का जिक्र करते हुए कर्नाटक सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि इन कृत्यों के साथ यह सरकार क्या संदेश देना चाह रही है? दो हफ्ते पहले, एक बम विस्फोट हुआ था। उससे एक हफ्ते पहले, पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे थे। अब आपके पास दुकानदारों पर ये हमले हो रहे हैं। यह सरकार क्या संदेश देना चाह रही है? ऐसा क्यों है कि जब भी कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है, ऐसे तत्व जो समाज में अशांति और वैमनस्य पैदा करना चाहते हैं, उनका साहस बढ़ जाता है? ऐसा क्यों है कि दिनेश गुंडू राव जैसे कैबिनेट मंत्री आरोपियों के बचाव में आते हैं और पीड़िता के न्याय के लिए खड़े नहीं होते? मुद्दे के राजनीतिकरण को लेकर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों पर भाजपा सांसद ने कहा कि कर्नाटक सरकार इस मामले में बचाव कर रही है।

उन्होंने कहा सरकार त्वरित न्याय देने के बजाय, उन लोगों का बचाव करने की कोशिश कर रही है जिन्होंने इस अपराध को अंजाम दिया है क्योंकि यह उसके वोट बैंक के लिए उपयुक्त है। यहां राजनीति कौन कर रहा है? हम पुलिस से निष्पक्ष तरीके से कार्य करने के लिए कह रहे हैं। यह हमारी मांग है। इसमें राजनीति क्या है? सूर्या ने बेंगलूरु सिटी कमिश्नर से घटना की निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच करने का आग्रह किया।

शोरापुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर

यादगीर/ शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के शोरापुर (अनुसूचित जनजाति) विधानसभा क्षेत्र में 7 मई को लोकसभा चुनाव के साथ-साथ उपचुनाव भी होने जा रहा है। कांग्रेस विधायक राजा वेंकटप्पा नाइक के निधन के कारण विधानसभा चुनाव के एक साल के भीतर उपचुनाव जरूरी हो गया है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही इस सीट को जीतने के लिए सीधी लड़ाई में शामिल हैं। जनता दल (एस) के पास निर्वाचन क्षेत्र में ऐसी कोई ताकत नहीं है। उम्मीद है कि भाजपा 2023 के चुनाव में दिवंगत राजा वेंकटप्पा नाइक के खिलाफ हार स्वीकार करने वाले पूर्व मंत्री नरसिम्हा

नायक को फिर से मैदान में उतारेगी। कहा जा रहा है कि दिवंगत राजा वेंकटप्पा नाइक के बेटे राजा वेणुगोपाल नाइक कांग्रेस की ओर से संभावित उम्मीदवार होंगे। यदि ऐसा हुआ तो नरसिम्हा नायक और राजा वेणुगोपाल नाइक के बीच तीखी राजनीतिक लड़ाई होने वाली है।

चूँकि, उपचुनाव उसी दिन होने जा रहे हैं जिस दिन संसद के लिए चुनाव हैं, भाजपा को उम्मीद है कि मौजूदा मोदी लहर पार्टी को निर्वाचन क्षेत्र जीतने में मदद करेगी। एक भाजपा कार्यकर्ता ने कहा संसदीय चुनावों में मौजूदा माहौल के कारण भगवा पार्टी को निश्चित रूप से वोट मिलेंगे और मतदाता निश्चित रूप से विधानसभा क्षेत्र के लिए पार्टी के उम्मीदवार को भी चुनेंगे। लेकिन, साथ ही, कांग्रेस को जीत दर्ज करने के लिए राजा वेंकटप्पा नाइक की मृत्यु के कारण मतदाताओं की सहानुभूति मिलने की उम्मीद है। हालाँकि, मतदाता अंततः तय करेंगे कि किसे चुना जाना है। एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने कहा न केवल सहानुभूति कारक के कारण, लोग राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी होने के नाते कांग्रेस के साथ किए जा रहे समग्र विकास के लिए भी कांग्रेस उम्मीदवार को चुनेंगे। इससे निर्वाचन क्षेत्र को मदद मिलेगी। निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2,81,375 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। इनमें से 1,41,618 पुरुष, 1,39,729 महिलाएं और 28 अन्य हैं। निर्वाचन क्षेत्र में कुल 317 मतदान केंद्र हैं, जिनमें से 80 शहरी केंद्रों में और 237 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। उपचुनाव के लिए अधिसूचना की तारीख 12 अप्रैल है। नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 19 अप्रैल है। नामांकन पत्रों की जांच 20 अप्रैल को की जाएगी और नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तारीख 22 अप्रैल है। मतदान 7 मई और वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

कर्नाटक राज्य रायता संघ का आग्रह

मैसूरु से सर्वोदय कर्नाटक उम्मीदवार का समर्थन करे कांग्रेस

मैसूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य रायता संघ (केआरआरएस) ने कांग्रेस नेताओं से मैसूरु लोकसभा क्षेत्र में सर्वोदय कर्नाटक उम्मीदवार का समर्थन करने का आग्रह किया है। केआरआरएस नेता होसुर कुमार और होसकोटे बसवराज ने मंगलवार को मैसूरु में संवाददाताओं से कहा कि केआरआरएस आगामी चुनावों में अपने नेता बडगलापुरा नागेंद्र को मैसूरु लोकसभा क्षेत्र से सर्वोदय कर्नाटक के उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का ध्यान आकर्षित करते हुए केआरआरएस नेताओं ने कहा कि इंडिया ब्लॉक को लोकसभा चुनावों में मैसूरु लोकसभा क्षेत्र को सर्वोदय कर्नाटक के लिए छोड़ देना चाहिए। बडगलापुरा नागेंद्र जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं का समर्थन करके कांग्रेस राजनीति में एक नई प्रवृत्ति का मार्ग प्रशस्त करेगी। नागेंद्र, जो अपने छात्र जीवन से ही जन-समर्थक सक्रियता से जुड़े रहे हैं, एक वकील थे, जो धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण रखते थे, और उन्हें समाज के सभी वर्गों के लोगों का समर्थन प्राप्त है। यदि कांग्रेस अपना समर्थन देती है तो मैसूरु लोकसभा क्षेत्र में नागेंद्र की जीत का विश्वास व्यक्त करते हुए, केआरआरएस नेताओं ने कहा कि इस तरह के संकेत से अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी कांग्रेस को फायदा होगा।

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। *आर 4 सी फ्रेंड्स द्वारा राजाजीनगर स्थित श्री राम मंदिर खेल मैदान में शॉर्ट पिच क्रिकेट प्रतियोगिता आर 4 सी कप 2024 का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कुछ ही दिनों बाद लोकतंत्र का उत्सव लोकसभा चुनाव है। उसमें भी उत्साह से अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र हित में मतदान करना है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

भाजपा नेता सदानंद गौड़ा आज राजनीतिक कदम का कर सकते हैं खुलासा

वोक्कालिगा संघ के नेताओं से मुलाकात की

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद डीवी सदानंद गौड़ा ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस के साथ भगवा पार्टी के नेताओं ने भी उनसे संपर्क किया है और वह उचित समय पर निर्णय लेंगे। बेंगलूरु उत्तर से दोबारा चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिलने से नाराज 71 वर्षीय पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने सब कुछ साझा करने के लिए बुधवार को एक प्रेस मीट बुलाने की योजना बनाई है। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा आलाकमान ने उनसे

संपर्क किया है, उन्होंने कहा कि वह बुधवार को सब कुछ साझा करेंगे, वरना बुधवार को कहने के लिए कुछ नहीं होगा।

पूर्व में कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष रह चुके गौड़ा ने सोमवार को कहा था कि वह जल्द ही अपनी आंतरिक भावनाओं को साझा करेंगे। दोबारा नामांकन न मिलने और पार्टी के कुछ नेताओं के खिलाफ बिना नाम लिए अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा यह कहने के लिए कुछ नहीं बचा है कि भाजपा कर्नाटक में अलग तरह की पार्टी है। भाजपा ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, जो वर्तमान में उडुपी-चिक्कमगलूरु लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, को बेंगलूरु उत्तर से चुनाव लड़ने के लिए स्थानांतरित कर दिया। गौड़ा ने पहले चुनावी राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में यह कहते हुए पीछे हट गए कि उन पर फिर से चुनाव लड़ने का दबाव है। इस बीच, राज्य के प्रमुख समुदायों में से एक वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले गौड़ा ने मंगलवार को राज्य वोक्कालिगा संघ के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा राज्य वोक्कालिगा संघ के अध्यक्ष और उसके सभी पदाधिकारियों ने मुझसे मिलने के लिए समय मांगा था, वे मुझसे बात करना चाहते थे, लेकिन मैंने कहा कि मैं खुद उनसे मिलने आऊंगा। उन्होंने मेरे साथ कुछ बातें साझा की हैं। मैं बताना नहीं चाहता। मैंने बुधवार को एक प्रेस मीट बुलाई है, मैं वहां सभी मामलों को साझा करूंगा। राज्य वोक्कालिगा संघ के अध्यक्ष डी हनुमंतैया ने कहा कि समुदाय गौड़ा के पीछे खड़ा है, जिन्होंने सरकार और पार्टी में अच्छा काम किया है। उन्होंने डीके शिवकुमार जैसे समुदाय के नेताओं की ओर इशारा करते हुए कहा गौड़ा को टिकट क्यों नहीं दिया गया? पार्टी कोई भी हो, अगर वे समुदाय को कम टिकट देते हैं या समुदाय की उपेक्षा करते हैं, तो हम लड़ेंगे।

कांग्रेस ने तेजस्वी सूर्या पर प्रदर्शन में धार्मिक भावनाएं भड़काने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कानूनी सेल ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या के खिलाफ राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हाल ही में एक दुकानदार के साथ हुई मारपीट के संबंध में बेंगलूरु में विरोध प्रदर्शन के दौरान तेजस्वी की हरकतों का उद्देश्य धार्मिक भावनाओं को भड़काना और सांप्रदायिक नफरत को बढ़ावा देना था। विचाराधीन विरोध बेंगलूरु के कब्बनपेट में एक दुकानदार पर कथित हमले से उपजा था। कथित तौर पर अजान के दौरान हनुमान चालीसा बजाने को लेकर दुकानदार को निशाना बनाया गया था। हालाँकि सोमवार को दर्ज की गई एक एफआईआर में कहा गया है कि तेज संगीत बजाने के लिए उन पर हमला किया गया था। जबकि हमले के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, पुलिस मुकेश के दावों की जांच कर रही है कि उसे हनुमान चालीसा

बजाने के लिए निशाना बनाया गया था। इस घटना से अब तेजस्वी सूर्या और शोभा करंदलाजे सहित भाजपा नेताओं में आक्रोश फैल गया है, जो दुकानदार के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शिकायत में कहा गया है कि ये कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग के निर्देशों का उल्लंघन है, जो चुनाव के दौरान सांप्रदायिक, जाति और धार्मिक भावनाओं को भड़काने पर रोक लगाते हैं। उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ करने का आह्वान किया और धार्मिक नारे लगाए।

चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता के कारण पुलिस ने विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी। नतीजतन, तेजस्वी सूर्या और शोभा करंदलाजे समेत अन्य प्रतिभागियों को पुलिस ने एहतियातन हिरासत में ले लिया।

धारवाड़ जिले में जल संकट या चारे की कोई कमी नहीं: उपायुक्त

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो।

धारवाड़ की उपायुक्त दिव्या प्रभु जी.आर.जे. ने कहा कि जिले में जल संकट या पशुओं के लिए चारे की कोई कमी नहीं है, क्योंकि अपेक्षित उपचारात्मक उपाय पहले ही किए जा चुके हैं।

मंगलवार को धारवाड़ में सूखा राहत उपायों, पेयजल, चारे और फसल नुकसान मुआवजे की प्रगति पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, प्रभु ने कहा कि जिले के पास सूखा राहत के लिए विभिन्न उपाय करने के लिए 21 करोड़ उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने पहले से ही पानी की कमी वाले गांवों की पहचान कर ली है और उसी के अनुसार एक कार्य योजना तैयार की गई है।

उन्होंने कहा कि अब यह सुनिश्चित करने के लिए कार्य योजना लागू की जा रही है कि पानी की कमी और चारे की कमी न हो। उपायुक्त ने तहसीलदारों को अपने कार्यकारी अधिकारियों के साथ सभी गांवों का दौरा करने और पानी, चारे और मनरेगा

कार्यों से संबंधित मुद्दों पर ग्राम पंचायत के सदस्यों और गांव के बुजुर्गों के साथ बैठकें करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि सूखे और आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर, पंचायत विकास अधिकारियों और अन्य को स्थानीय रूप से उपलब्ध रहना चाहिए और लोगों की समस्याओं का तुरंत जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर अधिकारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना तहसीलदारों की जिम्मेदारी है। प्रभु ने कहा कि पेयजल समस्या के प्रति संवेदनशील चिन्हित कुल 153 गांवों में से 26 गांवों में निजी बोरवेल के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, 311 निजी बोरवेलों की पहचान की गई है और पानी की आपूर्ति के लिए अपेक्षित समझौता किया गया है। उन्होंने कहा कि सौंदत्ती के नवीलुतीर्थ में रेणुकासागर जलाशय से पानी खींचकर जिले के 58 टैंक भरे गए हैं। मई तक इन टैंकों वाले गांवों को पानी की कमी नहीं होगी। चारे की उपलब्धता पर उन्होंने कहा कि जिले में 97,448 टन चारा उपलब्ध है और यह नौ सप्ताह तक चारे की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण स्थिति का आकलन करने के लिए तालुक स्तर के कार्यबलों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठकें करेगा। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त गीता सी.डी. एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नक्सली गतिविधि की सूचना के बाद भाजपा ने कर्नाटक सरकार पर बोला हमला

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के कोडागु जिले में नक्सली आंदोलन की सूचना मिलने के बाद भाजपा ने मंगलवार को कर्नाटक सरकार पर हमला बोला। भाजपा ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि राज्य में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के सत्ता में आने के बाद, देश के अन्य हिस्सों से जड़ें जमा चुके नक्सली कर्नाटक में बसने आ गए हैं।

भाजपा ने दावा किया कि नक्सली सोचते हैं कि राज्य में कांग्रेस सरकार के तहत आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के बाद भी वे सुरक्षित रह सकते हैं। भाजपा ने कहा कि राज्य विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे और कैफे बम विस्फोट के बाद, कर्नाटक में तबाही मचाने की बारी नक्सलियों की थी। भाजपा ने आरोप लगाया कि स्थानीय लोगों ने पुष्टि की है कि दक्षिण कन्नड़ और कोडागु जिलों में नक्सली बस गए हैं। खबरों के मुताबिक, आठ हथियारबंद संदिग्ध नक्सलियों की एक टीम ने कूजामलाई रबर एस्टेट के पास एक दुकान से किराने का कुछ सामान खरीदा। रिपोर्टों के बाद नक्सल विरोधी बल के जवानों ने दक्षिण कन्नड़-कोडागु सीमा क्षेत्रों में तलाशी अभियान शुरू किया।

हॉस्टल में खाना खाने के बाद 40 छात्राएं बीमार

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के अरकेरा शहर में सोमवार रात खाना खाने के बाद मंगलवार को 40 से अधिक छात्राएं बीमार पड़ गईं। उन्हें पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत थी। वे सभी शहर के एक अनुसूचित जनजाति छात्रावास में रहती हैं। 400 छात्राओं में से 40 ने पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत की और उन्हें तुरंत कस्बे में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और आवश्यक उपचार प्रदान किया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी सुरेंद्र बाबू, जो रायचूर से अरकेरा पहुंचे, ने स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित छात्रों को दिए गए चिकित्सा उपचार की निगरानी भी की। सभी प्रभावित छात्र अब सामान्य हैं। तीन छात्रों को छोड़कर बाकी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। जो लोग अभी भी अस्पताल में हैं, उन्हें जल्द छुट्टी मिलने की संभावना है।

मांड्या में लोक अदालत के दौरान 51,000 से अधिक मामलों का निपटारा

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

मांड्या में हाल ही में संपन्न लोक अदालत में, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण ने 51,468 मामलों का निपटारा किया। यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, लोक अदालत 16 मार्च को आयोजित की गई थी और इसे वादियों से गर्मजोशी से प्रतिक्रिया मिली और वर्षों से लंबित 4,261 मामलों और 47,207 विवादों का समाधान किया गया, जो मुकदमेबाजी-पूर्व चरण में थे। मांड्या शहर की विभिन्न अदालतों में 40,617 मामले, मद्दूर में 4,426 मामले, श्रीरंगपट्टन अदालत में 1,839 मामले, पांडवपुरा में 517 मामले, मालवल्ली में 1,280 मामले, नागमंगला में 382 और केआर पेट के 2,406 मामले लंबित थे, जिनका समाधान हो गया। तलाक के लिए आवेदन करने वाले तीन जोड़ों में सुलह हो गई।

वरिष्ठ नागरिक, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति डाक मतपत्र का चुन सकते हैं विकल्प

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में लोकसभा चुनाव में 85 वर्ष और उससे अधिक आयु के मतदाता डाक मतपत्र का विकल्प चुनकर और घर से अपने मताधिकार का प्रयोग करके अपना वोट डाल सकते हैं। इस संबंध में उपायुक्त के.वी.राजेन्द्र, जो मैसूरु संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी भी हैं, ने मंगलवार को यहां अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें निर्देश दिया कि वे 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और

शारीरिक रूप से विकलांग मतदाताओं के अलावा कोविड-19 प्रभावितों को डाक मतपत्रों का सुचारू वितरण सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र मतदाता को डाक मतपत्र वितरित किये जाएं। डाक मतपत्र का प्रयोग करने के लिए घर आने वाले प्रत्येक मतदाता को फॉर्म 12डी देना होगा। अधिकारियों को इस संबंध में मतदाताओं से स्वीकृति पत्र एकत्र करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, यदि वरिष्ठ नागरिक और विकलांग व्यक्ति बूथ पर जाकर मतदान करना चाहते हैं, तो वे ऐसा कर सकते हैं, लेकिन डाक मतपत्र स्वीकार करने के बाद नहीं। राजेंद्र ने अधिकारियों को मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर जाने और मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने की सलाह दी।

पतंजलि ने अवमानना नोटिस का नहीं दिया जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव बालकृष्णन को पेश होने को कहा

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने आयुर्वेदिक कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण और योग गुरु रामदेव को सुनवाई की अगली तारीख पर पेश होने के लिए कहा है। दरअसल, बीमारियों के इलाज पर भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि और बालकृष्ण को अवमानना का नोटिस भेजकर जवाब मांगा था, जिसका इन लोगों ने जवाब नहीं दिया।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कंपनी और बालकृष्ण की अदालत द्वारा पहले जारी नोटिसों पर जवाब दाखिल करने में विफल रहने पर कड़ी आपत्ति जताई। पीठ ने रामदेव को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए।

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने योगगुरु रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद को उसके उत्पादों के बारे में न्यायालय में दिए गए पूर्व के आश्वासनों के उल्लंघन और दवाओं के असर से जुड़े गलत दावों के मामले में कड़ी फटकार लगाई थी। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति ए अमानुल्लाह की पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद और उसके प्रबंध निदेशक को नोटिस जारी कर पूछा था कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस पटवालिया ने याचिका में बताया था कि पतंजलि ने दावा किया था कि योग अस्थमा और डायबिटीज को पूरी तरह से ठीक कर सकता है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों को लेकर केंद्र से परामर्श और गाइडलाइंस जारी करने का आदेश दिया था।

पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद और उसके अधिकारियों को मीडिया में (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह की) अन्य दवा प्रणालियों के बारे में कुछ गलत कहने के लिए आगाह किया था। कंपनी ने पहले अदालत के समक्ष अपने हलफनामे में ऐसा नहीं करने की बात कही थी। पिछले साल 21 नवंबर को, कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया था कि आगे से कानून का कोई उल्लंघन नहीं होगा।

कंपनी की ओर से हलफनामे में कहा गया था कि पतंजलि उत्पादों के औषधीय असर का दावा करने वाला कोई भी अनौपचारिक बयान या किसी भी दवा प्रणाली के खिलाफ कोई बयान या विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें रामदेव पर टीकाकरण अभियान और आधुनिक दवाओं को बदनाम करने का अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है।

आईएमए ने आरोप लगाया कि पतंजलि ने कोविड-19 वैक्सीनेशन के खिलाफ एक बदनाम करने वाला कैंपेन चलाया था।

इस पर अदालत ने चेतावनी दी थी कि पतंजलि आयुर्वेद की ओर से झूठे और भ्रामक विज्ञापन तुरंत बंद होने चाहिए। खास तरह की बीमारियों को ठीक करने के झूठे दावे करने वाले प्रत्येक उत्पाद के लिए एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने की संभावना जाहिर की। कोविड-19 महामारी के दौरान एलोपैथिक फार्मास्यूटिकल्स पर अपनी विवादास्पद टिप्पणियों के लिए आईएमए की ओर से दायर आपराधिक मामलों का सामना करने वाले रामदेव ने मामलों को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

अदालत ने केंद्र और आईएमए को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई की अगली तारीख 15 मार्च मुकर्रर की। रामदेव पर आईपीसी की धारा 188, 269 और 504 के तहत सोशल मीडिया पर चिकित्सा बिरादरी की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं के बारे में भ्रामक जानकारी फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत छह अप्रैल तक बढ़ी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।
आम आदमी पार्टी (आपा) के नेता पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शराब नीति घोटाला मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अब अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी।

सीबीआई ने अदालत के समक्ष तर्क रखा कि आबकारी नीति मामले में जल्द ही कुछ और हाईप्रोफाइल लोगों को गिरफ्तारी हो सकती है। जांच एजेंसी ने सोमवार को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर विरोध जताते हुए अदालत के समक्ष तर्क रखा। सीबीआई ने कहा, मामले में जांच चल रही है और आरोपी इसमें बाधा डाल सकते हैं।

उच्चतम न्यायालय की ओर से उपचारात्मक जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद सिसोदिया अपनी जमानत याचिका पर जोर दे रहे हैं। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने सिसोदिया के वरिष्ठ वकील मोहित माथुर और सीबीआई के अतिरिक्त लोक अभियोजक पंकज गुप्ता की दलीलें सुनने के बाद प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दलीलें सुनने के लिए मामले की सुनवाई 22 मार्च तय की है।

सिसोदिया की और से पेश वरिष्ठ वकील मोहित माथुर ने तर्क रखा कि सुप्रीम कोर्ट ने देखा है कि 13 महीने बीत चुके हैं उनके के भागने का ख़तरा नहीं है। सबूतों से छेड़छाड़ की कोई संभावना नहीं है। दरअसल, अब कोई सबूत नहीं बचा है। सभी सरकारी गवाह बन गए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता माथुर ने कहा कि दूसरे आरोपी को जमानत दे दी गई, चाहे यह कितनी भी विडंबनापूर्ण क्यों न हो।

उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें केवल इसलिए छूट दी क्योंकि एएसजी ने कहा था कि वह जांच को समाप्त कर देंगे। उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा तथ्य यह है कि सरकारी खजाने को कोई नुकसान नहीं हुआ है, बल्कि सरकारी खजाने को लाभ हुआ है। किसी भी निजी व्यक्ति या किसी उपभोक्ता को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। उनके द्वारा कोई पैसा नहीं दिया गया था। वहीं एपीपी पंकज गुप्ता ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए हमारी तरफ से कोई देरी नहीं हुई। आरोप पर बहस के बाद सुनवाई शुरू होती है. हम उसे शुरू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा आरोपी मुकदमे में देरी कर रहे हैं।

फर्जी मुठभेड़ मामले में पूर्व पुलिसकर्मी को उम्रकैद

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)।
बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पूर्व पुलिसकर्मी प्रदीप शर्मा को 2006 में रामनारायण गुप्ता के फर्जी मुठभेड़ के मामले में दोषी ठहराया। अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। रामनायाण गैंगस्टर छोटा राजन का कथित रूप से करीबी सहयोगी था।

न्यायमूर्ति रेवती मोहित डेरे और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की खंडपीठ सुनवाई कर रही थी। खंडपीठ ने प्रदीप शर्मा को बरी करने के सत्र अदालत के 2013 के फैसले को अनुचित और अपरिपक्व करार दिया और उसे रद्द किया। उच्च न्यायालय ने कहा, निचली अदालत ने शर्मा के खिलाफ मौजूद सबूतों की अनदेखी की थी। कई सबूत इस मामले में उनकी संलिप्तता साबित करती है। पीठ ने पूर्व पुलिसकर्मी को तीन हफ्ते के भीतर संबंधित सत्र के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। हत्या के लिए 13 पुलिसकर्मियों सहित 22 लोगों पर आरोप लगाया गया था।

उच्च न्यायालय ने पुलिसकर्मियों सहित 14 लोगों को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा। खंडपीठ ने छह आरोपियों की दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा को भी रद्द किया और उन्हें बरी किया। सत्र अदालत ने 2013 में शर्मा को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था और 21 आरोपियों को दोषी ठहराया था। अदालत ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इन 21 आरोपियों में से दो की हिरासत में मौत हुई।

आरोपियों ने अपनी दोषसिद्धी को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। जबकि अभियोजन पक्ष और मृतक के भाई रामप्रसाद गुप्ता ने शर्मा को बरी किए जाने के खिलाफ अपील दायर की थी। विशेष लोक अभियोजन राजीव चव्हाण ने दलील दी थी कि इस मामले में जो अधिकारी कानून और व्यवस्था के संरक्षक थे, वे खुद एक सुनियोजित हत्या में शामिल थे। मामले में प्रदीप शर्मा को दोषी ठहराने की मांग कर रहे अभियोजन पक्ष ने दलील दी थी कि पूर्व पुलिसकर्मी अपहरण और हत्या का प्रमुख साजिशकर्ता था। पुलिस की एक टीम ने 11 नवंबर 2006 को रामनारायण गुप्ता उर्फ लखन भैया को वाशी से इस शक में पकड़ा था कि वह अपने दोस्त अनिल भेड़ा के साथ छोटा राजन गिरोह का सदस्य है। उसी शाम वर्सोवा उपनगर में नाना नानी पार्क के पास फर्जी मुठभेड़ में गुप्ता की हत्या कर दी गई।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने उठाए सवाल

नौ समन पर 18 बहाने क्यों लगा रहे केजरीवाल?

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ईडी समन पर पेश न होने पर भारतीय जनता पार्टी ने निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने मीडिया के समक्ष कहा कि केजरीवाल समन के नाम पर डरा रहे हैं। बेल को राहत समझने की कोशिश न करें। नौ समन पर 18 बहाने लगा रहे हैं। दिन रात प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले समन से भाग रहे हैं।

दिल्ली के मुख्यंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए संबित पात्रा ने कहा कि एक भी समन की केजरीवाल ने लाज नहीं रखी। मुख्यमंत्री टेक्निकल बहाने बना रहे हैं। अब उनके बाहने नहीं चलने वाले हैं। केजरीवाल को नौ समन 18 बाहने बना रहे हैं। संबित पात्रा ने कहा कि अगर आपको शक है तो समन भेजिए, आप जांच कराएं, जो हर दिन प्रेस

कॉन्फ्रेंस करते थे। आज वो लोग समन से भाग रहे हैं। समन से डर रहे हैं। बीते छह महीने में नौ समन भेजे गए हैं। अक्तूबर से मार्च तक समन भेजा गया। लेकिन एक भी समन की लाज नहीं रखी। जांच एजेंसियों दस्तावेजों के आधार पर काम करती हैं। सबूत कहीं न कहीं छूट ही जाते हैं।

दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने मंगलवार को एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ईडी की तरफ से कल प्रेस रिलीज जारी की गई। प्रेस रिलीज जारी कर ईडी ने आरोप लगाया था कि आप ने रिश्वत ली। केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने 100 करोड़ रुपए की रिश्वत ली।

₹

शराब कांड में 100 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार हुआ ऐसा ईडी का आरोप है। ईडी इस बात को सुप्रीम कोर्ट में उठा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात को अपने आदेश में ख़ारिज कर दिया है। तो फिर ईडी इसको कल प्रेस रिलीज के माध्यम से क्यों उठा रहा है?

इससे स्पष्ट है कि प्रवर्तन निदेशालय सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी का राजनीतिक हथियार बन कर रह गया है। नरेंद्र मोदी को अरविंद केजरीवाल से डर लगता है। यही कारण है कि ईडी को राजनीतिक हथियार बना कर प्रेस रिलीज के माध्यम से अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करवाने का माहौल बनाया जा रहा है।

ट्यूलिप गार्डन कड़ी मेहनत कर रहे हैं बागवान

जम्मू, 19 मार्च (ब्यूरो)।
जैसे-जैसे एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन का दिन नजदीक आ रहा है, उत्साह का माहौल है, प्राकृतिक सुंदरता के सफल प्रदर्शन की उम्मीदें बहुत अधिक हैं। बागवान उत्साहित हैं और एक सफल शो की उम्मीद कर रहे हैं, क्योंकि वे इस शानदार शो को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

इस महीने के अंतिम सप्ताह में ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन हो जा रहा है और बहुप्रतीक्षित ट्यूलिप शो न केवल अपने शानदार प्रदर्शन के लिए ध्यान आकर्षित करने की संभावना है, बल्कि बगीचे में खिलने के लिए तैयार 1.7 मिलियन ट्यूलिप के बीच 5 नई किस्मों को भी शामिल करेगा, जैसा कि अधिकारियों ने पहले बताया था। पत्रकारों से बात करते हुए ट्यलिप गार्डन के मालियों और बागवानों का कहना था कि निराई-गुड़ाई की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि एक सफल ट्यूलिप गार्डन शो की प्रक्रिया जारी है और हमने शो में ट्यूलिप की और भी किस्में जोड़ी हैं।

अठारह साल से अधिक समय से श्रीनगर के ट्यूलिप गार्डन में काम कर रहे माली गुलाम मोहम्मद वानी के बकौल काम नवंबर के महीने में शुरू होता है। वह कहते थे कि जैसे एक बच्चे की देखभाल की जाती है, वैसे ही ट्यूलिप के साथ भी करनी होती है। वे कहते थे कि बड़ी संख्या में लोग ट्यूलिप गार्डन देखने आते हैं और यह देखकर खुशी होती है कि कड़ी मेहनत का फल मिल रहा है।

वानी के शब्दों में यह सब एक समर्पित माली की कड़ी मेहनत के कारण है, और ट्यूलिप गार्डन का खूबसूरत दृश्य तभी देखा जा सकता है जब एक माली कड़ी मेहनत करता है और ट्यूलिप उत्सव के इस महीने में उसकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा होती है।

एनआईए ने पीएफआई के फरार कैडेट को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के प्रमुख फरार सदस्य की गिरफ्तारी की है। एजेंसी ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि ये कार्रवाई साल 2022 में केरल में आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या के संदर्भ में की गई है।

दूसरी तरफ, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक ट्रैक्टर पर लदी जिलेटिन स्टिक्स के साथ डेटोनेटर और अन्य विस्फोटक बड़ी मात्रा में बरामद किया गया। कर्नाटक में बेलंदूर पुलिस थाना क्षेत्र में एक स्कूल के सामने निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों के लिए बनाए गए अस्थायी शेड के पास जिलेटिन की छड़ें बरामद हुईं।

एक ट्रैक्टर में जिलेटिन, डेटोनेटर और अन्य विस्फोटक बरामद होने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को कहा, गश्त पर निकले एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार रात चिक्कनायकनहल्ली में विस्फोटक बरामद किए।

पुलिस ने श्रमिकों से विवरण मांगा, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, हमें संदेह है कि जिलेटिन की छड़ों को मजदूरों ने इमारतें बनाने के लिए चट्टान तोड़ने के दौरान होने वाले विस्फोट के लिए रखा होगा। पुलिस ने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने अशांति फैलाने की बड़ी साजिश को नाकाम करने में कामयाबी पाई है।

पांच साल में 10 अलगाववादी गुटों पर लगा प्रतिबंध

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 19 मार्च।
पिछले पांच वर्षों में भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर में 10 अलगाववादी समूहों पर प्रतिबंध लगाया है। उपलब्ध विवरण से पता चलता है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 2019 से जम्मू कश्मीर में नौ अलगाववादी समूहों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम - 1967 के तहत गैरकानूनी संघ घोषित किया है।

18 फरवरी, 2019 को, गृह मंत्रालय ने पूरे कश्मीर में उपस्थिति वाले कैडर-आधारित संगठन जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगा दिया। गृह मंत्रालय ने कहा था कि यह संगठन भारत की अखंडता को बाधित करने वाली गतिविधियों में शामिल था। इसके बाद लगभग एक महीने के उपरांत 22 मार्च, 2019 को, गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) को उग्रवाद और उग्रवाद का समर्थन करने और राष्ट्र-विरोधी गतिविधि में शामिल होने के लिए एक गैरकानूनी संठन घोषित किया था।

जम्मू कश्मीर के अलगाववादी गुटों को प्रतिबंधित करने का सिलसिला यहीं नहीं थमा था। फिर 5 अक्तूबर, 2023 को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जेल में बंद अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जम्मू कश्मीर डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी पर उसकी भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों के लिए प्रतिबंध लगा दिया। फिर दो महीने बाद, 28 दिसंबर, 203 को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर में राष्ट्र-विरोधी और अलगाववादी गतिविधियों के लिए मसर्रत आलम के नेतृत्व वाले अल-

गाववादी संगठन मुस्लिम लीग पर प्रतिबंध लगा दिया। 31 दिसंबर, 2023 को, गृहमंत्रालय ने तहरीक-ए-हुर्रियत पर भी प्रतिबंध लगा दिया, जिसका नेतृत्व पहले दिवंगत अलगाववादी नेता सईद अली शाह गिलानी कर रहे थे।

यह सिलसिला इस साल भी जारी है। 28 फरवरी, 2024 को गृह मंत्रालय ने एक बार फिर सबसे पहले आतंकी आरोपों को लेकर मुस्लिम कॉन्फ्रेंस जम्मू और कश्मीर (सुमजी गुट) और मुस्लिम कॉन्फ्रेंस जम्मू और कश्मीर (भट गुट) पर प्रतिबंध लगाया। वे 5 अगस्त, 2019 से पहले क्रमशः हुर्रियत (जी) और हुर्रियत (एम) का हिस्सा थे। इसके उपरांत 12 मार्च, 2024 को सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने, जो अखंडता, देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं, के आरोप में जम्मू और कश्मीर नेशनल फ्रंट पर प्रतिबंध लगा दिया। इस माह की 16 मार्च को भी भारत सरकार ने जम्मू और कश्मीर पीपुल्स लीग (जेकेपीएल) और जम्मू और कश्मीर पीपुल्स फ्रीडम लीग (जेकेपीएफएल) के चार गुटों पर प्रतिबंध लगा दिया।

केंद्रीय गृहमंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर पीपुल्स के गुटों की पर प्रतिबंध की भी घोषणा की है। लीग (जेकेपीएल), जेकेपीएल (मुख्तार अहमद वाजा), जेकेपीएल (बशीर अहमद टोटा), जेकेपीएल (गुलाम मोहम्मद खान /सोपोरी) को जम्मू और कश्मीर पीपुल्स पालिटिकल लीग के रूप में भी जाना जाता है और जेकेपीएल (अजीज शेख) का नेतृत्व याकूब शेख द्वारा किया जाता है। अब ये सभी गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम-1967 के तहत गैरकानूनी संगठन बन गए है। 16 मार्च को ही केंद्र ने फारूक रहमानी की अध्यक्षता वाली जम्मू और कश्मीर पीपुल्स फ्रीडम लीग पर भी प्रतिबंध लगा दिया।

यूपी की 80 सीटों पर नारी शक्ति देगी आशीर्वाद

यूपी में 7.17 करोड़ से अधिक महिला मतदाता

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की आधी आबादी हर बार की तरह इस बार भी चुनावों में बड़ा फैक्टर साबित होने जा रही है। सभी पार्टियां आधी आबादी को लुभाने में लगी हुई हैं, लेकिन यदि पिछले कुछ चुनावों में वोटिंग पैटर्न पर नजर डालें तो आधी आबादी का रुझान पीएम मोदी और सीएम योगी के समर्थन में रहा है। 2014 से आए इस बदलाव में 2017 के बाद और मजबूती आई है। विगत 7 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने महिला केंद्रित योजनाओं को आगे बढ़ाकर आधी आबादी को और सशक्त किया है। योगी सरकार प्रदेश में बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा और विवाह तक के लिए योजनाएं चला रही है। वहीं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी कई तरह की योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की बेहतर स्थिति के चलते महिलाएं अब बिना भय के जीवनयापन कर पा रही हैं। राज्य की महिला श्रम बल में भागीदारी दर 32.10 प्रतिशत पहुंच चुकी है। सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ ही आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं महिलाएं इस बार 80 में 80 सीटें जीतने के पीएम मोदी के संकल्प को पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 15.34 करोड़ है, जिसमें महिला मतदाताओं की संख्या 7.17 करोड़ है, जो डिसाइडिंग फैक्टर साबित हो सकता है।

महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के सीएम योगी के संकल्प के साथ ही किए गए प्रयासों के सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं। पीरियॉडिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य की महिला श्रम बल में भागीदारी दर 2017-18 में 14.2 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 32.10 प्रतिशत हो गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित प्रयास किए गए, जिसके परिणामस्वरूप यह वृद्धि हुई है। पिछले 7 वर्ष में योगी सरकार की नीतियों को देखें तो महिला सशक्तिकरण शीर्ष प्राथमिकता के रूप में साफ दिखाई देता है। रोजगार के लिए जो योजनाएं शुरू की गईं, उसमें महिलाओं को बराबर का भागीदार बनाया जा रहा है। मुद्रा योजना गांव-गांव में, गरीब परिवारों से भी नई-नई महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है। इस योजना के तहत पूरे देश मिले कुल ऋण में से लगभग 70 प्रतिशत महिलाओं को दिए गए हैं। दीनदयाल अंत्योदय योजना के जरिए भी देश भर में महिलाओं को सेल्फ हेल्प ग्रुप्स और ग्रामीण संगठनों से जोड़ा जा रहा है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत 2014 से पहले के 5 वर्षों में जितनी मदद दी गई, बीते 7 साल में उसमें लगभग 13 गुणा बढ़ोतरी की गई है। हर सेल्फ हेल्प ग्रुप को पहले जहां 10 लाख रुपए तक का बिना गारंटी का ऋण मिलता था, अब ये सीमा भी दोगुनी यानि 20 लाख की गई है। राज्य में

80 हजार राशन दुकानों में महिला स्वयं सहायता समूह की अहम भूमिका है।

महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराध में सजा दिलाने में यूपी पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदेश बनकर उभरा है। महिलाएं रात की पाली में भी काम कर सकें, इसके लिए नियमों को आसान बनाने का काम सरकार ने किया। खदानों में महिलाओं के काम करने पर जो कुछ बंदिश थी, वो सरकार ने हटाई है। देशभर के सैनिक स्कूलों के दरवाजे, लड़कियों के लिए खोल देने का काम भी ऐतिहासिक है। बलात्कार जैसे संगीन अपराधों की त्वरित सुनवाई के लिए योगी सरकार ने 218 फास्ट ट्रैक कोर्ट्स स्थापित किए हैं। बालिकाओं को शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत सहायता राशि 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार कर दी गई है। योजना से अब तक 18.66 लाख बेटियां लाभान्वित हुई हैं। निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक योजना संचालित है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ ही सामान्य वर्ग के निर्धन परिवार भी आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ विधवा और तलाकशुदा भी उठा सकती हैं। एक जोड़े के विवाह पर कुल 51 हजार की धनराशि की व्यवस्था है। योजना के तहत अब तक 3.50 लाख जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया जा चुका है। निराश्रित महिला को प्रति लाभार्थी 1000 रुपए प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। वर्तमान में 32.71 लाख निराश्रित महिलाओं पेंशन दी जा रही है।

जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं/बालिकाओं को आर्थिक सहायता हेतु कोष की स्थापना की गई है। इसके अंतर्गत 7,105 महिलाओं/बालिकाओं को क्षतिपूर्ति धनराशि प्रदान की गई है। महिलाओं को संगठित, सशक्त, स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए 8.37 लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन करते हुए ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों की 1 करोड़ से अधिक महिलाओं को आच्छादित किया गया है। महिला स्वयं सहायता समूहों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत 1,840 उचित मूल्य की दुकानों का आवंटन किया गया है। आंगनवाड़ी केंद्रों पर वितरित होने वाला पोषाहार अब स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किया जा रहा है। योगी सरकार की बैंकिंग कॉरस्पॉन्डेंट सखी योजना वित्तीय समावेशन का मॉडल बनकर उभरी है। प्रदेश की सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में विभिन्न बैंकों के माध्यम से बीसी सखी को पदस्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश में 1.75 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिया जा चुका है। होली व दीप-ावली में नि:शुल्क एलपीजी सिलेंडर दिया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अभी तक प्रदेश में 55.83 लाख आवास निर्मित किए गए हैं। इनमें अधिकांश आवास मातृशक्ति के नाम आंवटित किए गए हैं। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 17 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण वितरित किया जा चुका है। इनमें 2 लाख से अधिक महिलाओं को ऋण दिया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रदेश में अब तक 2.61 करोड़ शौचालयों (इज्जतघर) का निर्माण कराया जा चुका है। इसके अतिरिक्त नगरीय निकायों में 4,500 पिंक शौचालय निर्मित कराए गए हैं। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना (घरौनी) के तहत अब तक 66.59 लाख लाभार्थियों/महिलाओं को स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किया जा चुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से अब तक 54.44 लाख गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं को आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना में 1 करोड़ 90 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया है।

उत्तर प्रदेश में महिला मतदाताओं की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। वर्तमान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कुर्सी तक पहुंचाने में महिला वोटर्स की हिस्सेदारी काफी महत्वपूर्ण रही है। बीते कुछ वर्षों में यूपी में वोटिंग पैटर्न कुछ इस तरह का रहा है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं ज्यादा वोट कर रही हैं। साल 2017 में 63.31 फीसद महिला मतदाताओं ने वोट किया था, जबकि 2019 लोकसभा में यह प्रतिशत 67.18 रहा। एक अनुमान के मुताबिक महिला वोटिंग में पिछले तीन दशकों में 15 फीसद तक की बढ़त हुई है। महिलाओं में बढ़ती राजनीतिक चेतना के साथ-साथ चुनावों में उनकी रुचि का यह साफ संकेत है। महिलाएं राजनीतिक रूप से अपनी स्थिति को पहले से बेहतर समझ रही हैं और निर्णायक वोट बैंक के तौर पर उभर रही हैं। आंकड़ों से यह बात साफ हो गई है कि महिलाओं का जिस दल की ओर झुकाव रहा है वह सत्ता में पहुंचने में कामयाब रहा है

मुरादाबाद का नाम माधव नगर रखा जाए: बाबा बागेश्वर

अयोध्या और काशी की तरह हरिहर मंदिर में भी पूजा हो

मुरादाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। कैंची धाम की तर्ज पर मुरादाबाद में बाबा नीब करौरी का धाम भी बना है। अब इसको मुरादाबाद कहना उचित नहीं है। मुरादाबाद को माधव नगर कर देना चाहिए। यह कहना है श्री बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का। वह लोहिया एस्टेट में आयोजित हनुमंत कथा में बोल रहे थे।

जिस क्षेत्र में सिद्धबली हनुमान मंदिर हो, हरिहर मंदिर हो, गढ़ गंगा हो, शीतला माता का मंदिर हो, ऐसे में मुरादाबाद कहने में इन मंदिरों की अवहेलना है। उन्होंने कहा कि भारत में इतने नाम बदल गए। फैजाबाद अब अयोध्या हो गया है। इलाहाबाद प्रयागराज हो गया तो मुरादाबाद को माधव नगर कर देना चाहिए। इसमें कौन सी बड़ी बात है। पर माधव नगर कहने से कई लोगों के पेट में अपच हो जाएगी। कई लोग कल ही न्यूज में दिखाएंगे कि बाबा ने दिया विवादित बयान, मुरादाबाद का नाम बदलने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोगों को लगेगा कि यह उपद्रव करने आते हैं, लेकिन हम क्या बताएं, हमें हनुमान जी ने भेजा ही सच बोलने के लिए है। हमारा सौभाग्य है कि हम मुरादाबाद उर्फ माधव नगर आए हैं।

बुरा न मानना। सबकी अपनी-अपनी भावना होती है। हम बहुत स्पष्टवादी हैं। हम नफरत नहीं, प्रेम के आदी हैं और गर्व से कहते हैं कि हम हिंदुत्ववादी हैं। हम किसी मजहब के विरोध में नहीं है। उनका सम्मान है, लेकिन हम अपने सनातन का सम्मान नहीं छोड़ेंगे। अपने सनातन का अपमान नहीं सहेंगे। हनुमंत कथा के दौरान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि आज का नजारा देखकर लग रहा है कि हमें पिछले साल ही आ जाना चाहिए था। हमसे कोई कह रहा था कि यहां आना जरूरी है, क्योंकि यहां धर्म विरोधी बहुत हैं। अब उनकी ठठरी हम नहीं बांधेंगे तो कौन बांधेगा। यहां पर सिद्धबली हनुमान का धाम है। यहां पावन धाम हरिहर मंदिर है। किसी कारण से पूजा बंद है। लोग कहते हैं कि अंदर से आवाज आती है। जब अयोध्या में राम विराजमान हो गए हैं। काशी में भोलेनाथ आ गए हैं तो अब हरिहर मंदिर में भी रुद्राभिषेक होना चाहिए। आरती होनी चाहिए। बता दें कि संभल के एक धर्मस्थल को प्राचीन हरिहर मंदिर कहा जाता है। हालांकि पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अपने कथन के दौरान संभल का नाम नहीं लिया।

भाजपा कुछ सीटों पर बदलेगी उम्मीदवार

कुछ नामी चेहरे काट कर काटेगी अपनी ही शाख

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा कोर कमेटी की बैठक में यूपी की 25 सीटों पर उम्मीदवारों के चयन पर मंथन किया गया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में हुई बैठक में भाजपा के साथ ही सहयोगियों की दी जाने वाली सीटों पर भी चर्चा हुई।

बाराबंकी में उपेन्द्र रावत के स्थान पर नया चेहरा उतारने पर सहमति बनी है। वहीं एनडीए के सहयोगी अपना दल (एस) को उनकी पुरानी सीट मिर्जापुर और राबर्टसगंज (सुरक्षित) सीट ही दी जाएगी। वहीं, कुछ मौजूदा सांसदों का टिकट काट कर नए चेहरों को देने की भी चर्चा हुई।

भाजपा अब तक यूपी में लोकसभा के 51 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुकी है। दो सीटें रालोद और एक सीट सुभासपा को दी गई है। जबकि दो सीट अपना दल (एस) को दी जानी है। ऐसे में भाजपा के कोटे की शेष बची 24 सीटों पर उम्मीदवार

तय करने को लेकर सोमवार को भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में बैठक बुलाई गई थी।

इसके अलावा बाराबंकी सीट से उम्मीदवार बनाए गए उपेन्द्र रावत से जुड़ा आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद उनके स्थान पर दूसरा उम्मीदवार उतारने पर भी चर्चा हुई। बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, महामंत्री (संगठन) धर्मपाल के अलावा दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक भी मौजूद रहे।

पार्टी वरुण के बजाय मेनका को सुल्तानपुर से उतारने पर विचार कर रही है। जबकि पीलीभीत से जितिन प्रसाद और केन्द्रीय मंत्री बीएल वर्मा के नाम पर चर्चा हुई। इसी प्रकार बरेली से संतोष गंगवार के स्थान पर महापौर उमेश गौतम और हरिशंकर गंगवार के नाम पर विचार किया गया।

बाराबंकी सीट पर मौजूदा सांसद उपेन्द्र रावत के स्थान पर पूर्व नौकरशाह राम बहादुर और पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष शशांक कुशमेश को चुनाव लड़ाया जा सकता है। रायबरेली से सपा विधायक मनोज पाण्डेय और कैसरगंज से बृजभूषण सिंह की पत्नी केतकी देवी सिंह या लड़के करण भूषण सिंह मैदान में उतारे जा सकते हैं। मेरठ सीट पर अभिनेता अरुण गोविल, कुमार विश्वास और कैंट विधायक अमित अग्रवाल और गाजियाबाद सीट पर मौजूदा सांसद जनरल वीके सिंह के साथ ही अनिल अग्रवाल या अनिल जैन के नाम पर भी चर्चा हुई।

प्रयागराज से पूर्व नौकरशाह संजय मिश्रा और अभिलाषा नंदी तो गाजीपुर से मनोज सिन्हा के बेटे अभिनव सिन्हा के नाम पर चर्चा हुई। देवरिया से मौजूदा सांसद रमापति राम त्रिपाठी को दोबारा मौका देने पर तो बलिया सीट से नीरज शेखर या आनन्द स्वरूप शुक्ला के नाम पर विचार किया गया। कानपुर सीट से मौजूदा सांसद सत्यदेव पचौरी की बेटी नीतू सिंह और सतीश महाना के नाम पर विचार किया गया और मैनपुरी सीट पर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को लड़ाने पर रायशुमारी की गई। सहारनपुर सीट पर पूर्व मंत्री सुरेश राणा और राघव लखन पाल के नाम पर चर्चा की गई।

अयोध्या के मठ-मंदिरों को संवारने में तेजी से जुटा पर्यटन विभाग

अयोध्या, 19 मार्च (एजेंसियां)। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद से प्रदेश सरकार द्वारा अयोध्या के 84 कोसी परिक्रमा को पर्यटन की नजर से सजाया जा रहा है। अब पर्यटन विभाग 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित करीब 6 धार्मिक स्थलों का पर्यटन स्थल के रूप में विस्तार करा रहा है। अयोध्या परिक्षेत्र के उपनिदेशक पर्यटन आरपी यादव ने बताया कि इसके लिए भेजे गए इस्टीमेट को शासन ने स्वीकृत कर 20.64 करोड़ रुपए का बजट मंजूर किया है। इसी बजट से कार्य किया जा रहा है।₹उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत ऋषियों-मुनियों की तपस्थलियों और धार्मिक स्थलों श्रवण कुमार आश्रम, आस्तिक आश्रम, ऋषि च्यवन आश्रम, मेधा ऋषि आश्रम, श्री बन्धू बाबा आश्रम, महर्षि बामदेव आश्रम जैसे 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर बड़ी संख्या में धार्मिक स्थल का पुनरोद्धार किया जा रहा है। पर्यटन विभाग की ओर से 6 स्थलों पर विश्राम गृह, पानी-बिजली, सड़क, खान पान कि दुकानें, स्तंभ, प्रवेश द्वार, साइनेजेस, सीटिंग इंटरप्रिटेशन वॉल, शौचालय और यात्रियों की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवा कर इन्हें धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

आजम खां पर अब तक 108 मुकदमे

डेढ़ साल में पांच मामलों में हुई सजा

रामपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां को सोमवार को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने डूंगरपुर प्रकरण को में सजा सुनाई। डेढ़ साल यह ऐसा पांचवा मामला है, जिसमें आजम को सजा हुई है। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता रहे आजम दस बार विधायक, चार बार कैबिनेट मंत्री, एक बार राज्यसभा और एक बार लोकसभा सदस्य रह चुके हैं।

सीतापुर जेल में बंद आजम के खिलाफ अब तक 108 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं, जिसमें से 83 मुकदमों में ट्रायल चल रहा है। इनमें से अधिकतर मामले 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान आजम के विवादित बयानों के चलते दर्ज हुए। दो मामले में उन्हें बरी भी किया जा चुका है। बरी किए गए एक मामले को अभियोजन की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है।

सपा नेता आजम खां के खिलाफ 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान उनके विवादित बयानों के चलते कई मुकदमे दर्ज हुए। सपा नेता आजम खां पर रामपुर, मुरादाबाद, फिरोजाबाद समेत अन्य जिलों में कुल 108 मुकदमे पंजीकृत हुए थे, जिसमें 83 मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं। बिजनौर जेल में बंद पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां और रिटायर्ड सीओ आले हसन व बरेली के ठेकेदार बरकत अली को कोर्ट ने पहली बार सजा सुनाई है। पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां सपा नेता आजम खां के करीबी माने जाते हैं। उन पर 25 मुकदमे दर्ज हैं। इसी तरह बुलंदशहर निवासी रिटायर्ड सीओ आले हसन सपा शासन में यहां पर एक बार

सिविल लाइंस इंस्पेक्टर जबकि दूसरी बार सीओ सिटी भी रहे। आले हसन पर कुल 59 मुकदमे विचाराधीन हैं। आले हसन सपा नेता के करीबी रहे हैं। इसके अलावा बरेली निवासी ठेकेदार बरकत अली भी सपा नेता आजम खां के करीबी हैं। इन तीनों को पहली बार किसी कोर्ट ने सजा सुनाई है।

डूंगरपुर बस्ती में घर में घुसकर मारपीट करने और धमकाने के मामले में कोर्ट ने अपना फैसला 61 पेज में सुनाया। जिसमें अभियोजन पक्ष के बयान दस्तावेजी साक्ष्य हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट की नजीरें पेश की गई हैं। इसके साथ ही बचाव पक्ष द्वारा दी गई दलीलें पेश की गईं। नजीरों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही आरोपियों का आपराधिक इतिहास और बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं द्वारा उम्र व स्वास्थ्य का हवाला देते हुए कम सजा देने का जिक्र किया गया है।

डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने के नाम पर मारपीट, लूटपाट व डकैती डालने जैसे कुल 12 मामले गंज थाने में दर्ज किए गए थे, जिसमें से एक मामले में सपा नेता आजम खां बरी हो चुके हैं। दूसरे मामले में सोमवार को आरोपियों को सजा सुना दी गई। इसी तरह के एक अन्य मामले में अब 21 मार्च को भी कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है। 27 अक्टूबर 2022 को मिलक में दर्ज लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा तीन वर्ष कैद व दो हजार रुपए जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, सेशन कोर्ट ने इस मामले में उनको बरी कर दिया था। यह मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है।

आजम खा को 15 फरवरी 2023 को मुरादाबाद के थाना छजलैट में दर्ज मुकदमे में एमपी-एमएलए कोर्ट मुरादाबाद द्वारा दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई। 15 जुलाई 2023 को शहजादनगर थाने में दर्ज नफरती भाषण के मामले में दो वर्ष के कारावास तथा 2500 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई गई। 18 अक्टूबर 2023 को थाना गंज में दर्ज अब्दुल्ला के फर्जी जन्म प्रमाणपत्र के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा सात वर्ष की सजा व 50 हजार रुपए जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई गई।

संपादकीय

पाकिस्तान बसाने को सीएए नहीं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की व्याख्या ही बदलने की कोशिश की है। उन्होंने कुछ सवाल उठाए हैं, जो भावोत्तेजक हैं। उनकी मंशा हिंदू-मुसलमान से आगे बढक़र आर्थिक संसाधनों और स्थितियों पर केंद्रित करने की है, ताकि राजनीति की दिशा और दशा बदली जा सके। हालांकि ऐसी संभावनाएं नगण्य हैं। संयुक्त राष्ट्र नागरिकता को व्यक्तिपरक सुरक्षा का बुनियादी तत्त्व मानता है और प्रताड़ित, शोषित, मानवाधिकार कुचलन के शिकार लोगों को 'शरणार्थी' के तौर पर किसी भी देश में प्रवेश करने को 'मानवीय कर्म' मानता है। संयुक्त राष्ट्र ऐसे अंतरराष्ट्रीय समझौते का भी जिक्र करता है, जिसके तहत शरणार्थियों को नागरिकता भी दी जा सकती है। केजरीवाल ने उत्तेजित अवस्था में कहा है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के लोगों को भारत में बसाने का कानून बनाया गया है। कल हमारे देश में चोरियां, डकैतियां, बलात्कार होंगे। जगह-जगह दंगे भी भडक़ेंगे। देश की सुरक्षा-व्यवस्था का क्या होगा? केजरीवाल का आकलन है कि अब जो पलायन होगा, वह भारत-विभाजन से भी बड़ा और खतरनाक होगा। केजरीवाल के मुताबिक, तीनों पड़ोसी देशों से 2.5 करोड़ से अधिक लोगों का पलायन हो सकता है। भारत सरकार उन्हें कहां रखेगी? कहां घर देगी? कहां खाने को अनाज देगी? कितनी नौकरियां और रोजगार दिए जा सकेंगे? देश के आर्थिक संसाधन तो सीमित हैं। हमारे नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं हैं और भाजपा ने देश के भीतर एक और पाकिस्तान को बसाने का कानून बनाया है। केजरीवाल ने सीएए को भाजपा का वोट बैंक तैयार करने की रणनीति करार दिया है। बहरहाल केजरीवाल के अपने तर्क और राजनीति-शास्त्र हो सकते हैं। वह सीएए पर सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वाली भीड़ में शामिल नहीं होना चाहते, लिहाजा आर्थिक संसाधनों के आधार पर भावोत्तेजक राजनीति कर रहे हैं। विभाजन के दौर का वीभत्स और त्रासद सरकारी आंकड़ा यह है कि पाकिस्तान, पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश), अफगानिस्तान तीनों पड़ोसी देशों से 72 लाख के करीब लोगों ने पलायन किया था। हालांकि अनौपचारिक आंकड़े ये हैं कि तब 2 या 2.5 करोड़ से अधिक लोगों ने पलायन किया होगा! ये आंकड़े विभिन्न संगठनों और मीडिया प्रतिनिधियों ने जुटाए थे। भारत-विभाजन से ज्यादा खौफनाक घटनाक्रम उस दौर में कोई और नहीं हुआ। हालांकि कुछ सालों के बाद तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा और हजारों नागरिकों ने, चीन से पलायन करके, भारत में शरण मांगी थी। तब के गरीब भारत ने उन्हें भी सम्मान से 'शरणार्थी' बनाया। आज भी तिब्बत की निर्वासित सरकार हिमाचल के धर्मशाला में काम कर रही है। आज भी भारत के कई शहरों में तिब्बती ऐसे बसे हैं मानो वे भारत के ही नागरिक हों! दरअसल सीएए कोई निरंतर प्रक्रिया नहीं है। जिन्होंने 31 दिसंबर, 2014 तक आवेदन किया है अथवा भारत में शरणार्थी बने हैं, उन्हीं पर सीएए के तहत फिलहाल विचार किया जाएगा। यह तारीख सरकार ने तय की है, लेकिन वह यह भी मानती है कि इन तीन पड़ोसी देशों में धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों का उत्पीडऩ, अपहरण, धर्मांतरण, जबरन निकाह, पूजा-स्थलों के विध्वंस और अन्य अत्याचार लगातार जारी रहे हैं। फिर यह तारीख किस आधार पर तय की गई है? 1947 के बाद वाले दौर में भारत अपेक्षाकृत बहुत गरीब था, लेकिन आज तो विश्व की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है। सीएए पर जनता को उकसाना, भडक़ाना नहीं चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र ऐसे अंतरराष्ट्रीय समझौते का भी जिक्र करता है, जिसके तहत शरणार्थियों को नागरिकता भी दी जा सकती है। केजरीवाल ने उत्तेजित अवस्था में कहा है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के लोगों को भारत में बसाने का कानून बनाया गया है। कल हमारे देश में चोरियां, डकैतियां, बलात्कार होंगे। जगह-जगह दंगे भी भडक़ेंगे। देश की सुरक्षा-व्यवस्था का क्या होगा? केजरीवाल का आकलन है कि अब जो पलायन होगा, वह भारत-विभाजन से भी बड़ा और खतरनाक होगा। केजरीवाल के मुताबिक, तीनों पड़ोसी देशों से 2 .5 करोड़ से अधिक लोगों का पलायन हो सकता है। भारत सरकार उन्हें कहां रखेगी? कहां घर देगी? कहां खाने को अनाज देगी? कितनी नौकरियां और रोजगार दिए जा सकेंगे? देश के आर्थिक संसाधन तो सीमित हैं। हमारे नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं हैं और भाजपा ने देश के भीतर एक और पाकिस्तान को बसाने का कानून बनाया है। केजरीवाल ने सीएए को भाजपा का वोट बैंक तैयार करने की रणनीति करार दिया है। बहरहाल केजरीवाल के अपने तर्क और राजनीति-शास्त्र हो सकते हैं। वह सीएए पर सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वाली भीड़ में शामिल नहीं होना चाहते, लिहाजा आर्थिक संसाधनों के आधार पर भावोत्तेजक राजनीति कर रहे हैं।

नंदीग्राम में किसानों पर गोलीबारी की घटना विनाशकारी साबित हुई

ममता बनर्जी के लिए कहीं नंदीग्राम न बन जाए संदेशखाली

विकास सक्सेना

स्वतंत्र भारत के एक राज्य में सत्ताधारी दल का नेता किस प्रकार महिलाओं को अपनी 'निजी सम्पत्ति' की तरह 'इस्तेमाल' कर रहा था यह सुनकर सभ्य समाज के किसी भी व्यक्ति की रूह तक कांप जाए। पीड़ति महिलाओं ने स्वयं आरोप लगाए हैं कि कबीलाई संस्कृति की तरह सुन्दर महिलाओं के घरों पर संदेश भेजे जाते थे कि वे रात को पार्टी कार्यालय पर आ जाएं अन्यथा सफेद साड़ी पहनने के लिए तैयार रहें। हालात इतने खौफनाक थे कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडे वहां के पुरुषों से सरेआम कहा करते थे कि वह महिला पत्नी भले ही तुम्हारी हो लेकिन उस पर अधिकार 'हमारा' है।

अंग्रेजी की एक प्रसिद्ध कहावत है कि एक कील की वजह से पूरा राज्य खो जाता है। इसको स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि कील की वजह से नाल, नाल की वजह से घोड़ा, घोड़े की वजह से युद्ध और युद्ध की वजह से राज्य से हाथ धोना पड़ जाता है। यही हाल लोकतंत्र में भी होता है। कई बार बहुत मजबूत दिख रहे नेता या दल के लिए कोई घटना उसके पतन का कारण बन जाती है। पश्चिम बंगाल इसका जीता जागता उदाहरण है। यहां 34 साल के वामपंथी शासन के लिए 14 मार्च, 2007 को नंदीग्राम में किसानों पर गोलीबारी की घटना विनाशकारी साबित हुई। कभी राज्य की 80 प्रतिशत से ज्यादा सीटें जीतने वाले वामदलों का आज यहां एक भी विधायक नहीं है। वामपंथियों को बेदखल करके यहां की सत्ता पर काबिज होने वाली ममता बनर्जी के लिए अब संदेशखाली का मामला वामपंथियों के नंदीग्राम की तरह साबित हो सकता है। इसके अलावा अब नागरिकता संशोधन कानून लागू करके केंद्र सरकार ने दीदी के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है। स्वतंत्र भारत के एक राज्य में सत्ताधारी दल का नेता किस प्रकार महिलाओं को अपनी 'निजी सम्पत्ति' की तरह 'इस्तेमाल' कर रहा था यह सुनकर सभ्य समाज के किसी भी व्यक्ति की रूह तक कांप जाए। पीड़ति महिलाओं ने स्वयं आरोप लगाए हैं कि कबीलाई संस्कृति की तरह सुन्दर महिलाओं के घरों पर संदेश भेजे जाते थे कि वे रात को पार्टी कार्यालय पर आ जाएं अन्यथा सफेद साड़ी पहनने के लिए तैयार रहें। हालात इतने खौफनाक थे कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडे वहां के पुरुषों से सरेआम कहा करते थे कि वह महिला पत्नी भले ही तुम्हारी हो लेकिन उस पर अधिकार 'हमारा' है। मामला सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संदेशखाली गांव की महिलाओं का शोषण रोकने की जगह उनकी अस्मत से खेलने वाले पार्टी कार्यकर्ता शेख शाहजहां और उसके गुर्गों को बचाने में अपनी राजसत्ता की ताकत का इस्तेमाल किया। मुख्य आरोपित शेख शाहजहां के मामले में ममता बनर्जी एक के बाद एक गलती करती चली गईं। जब खाद्यान्न घोटाले के मामले में पूछताछ के लिए गए ईडी के अधिकारियों पर शेख शाहजहां और उसके गुंडो ने हमला किया तो उनको गिरफ्तार कराने की जगह यह जताने की कोशिश की गई कि किस तरह केंद्रीय जांच एजेंसियों को बंगाल में काम करने

से रोका जा सकता है। इस घटना के बाद गांव में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई जिससे पीड़ति महिलाओं को नई ताकत मिल गई। उन्होंने शेख शाहजहां के जुल्मों के खिलाफ आवाज बुलंद की। लेकिन जब ये महिलाएं कैमरे के सामने आकर अपनी व्यथा सुना रही थीं उस समय राज्य की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनकी पीड़ा समझने के बजाए उन पर लांछन लगा रही थीं। ममता बनर्जी के सवाल हैरान करने वाले थे। वे अपनी पीड़ा बताने वाली महिलाओं के मुंह ढंकने पर सवाल उठा रही थीं। जबकि दुष्कर्म पीड़ताओं की पहचान उजागर करने पर रोक है। पीड़ताओं से पूछा जा रहा था कि उन्होंने अब तक पुलिस में शिकायत दर्ज क्यों नहीं कराई। महिलाएं बता रही थीं कि जब वे पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने जाती थीं तो उन्हें वापस शेख शाहजहां और उसके गुंडों के पास भेज दिया जाता था। शोषण की सारी सीमाएं पार होने के बाद सड़कों पर उतरी महिलाओं ने बाकायदा न्यायालय में शपथ पत्र देकर आप बीती बताई तो न्यायालय के दबाव में आरोपित शिबू हाजरा, उत्तम सरदार और शेख शाहजहां आदि के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हो गए। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले के मामले में फरार चल रहे शेख शाहजहां को 56 दिनों तक सरकार बचाती रही। मामले के ज्यादा तूल पकड़ने और न्यायालय से फटकार लगने पर आखिरकार उसे गिरफ्तार किया गया पर उसे बचाने के लिए ममता बनर्जी की सरकार पूरी ताकत से जुटी रही। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद पश्चिम बंगाल की पुलिस ने शेख शाहजहां को सीबीआई के सुपुर्द नहीं किया। इसके बाद जब अवमानना का मामला दर्ज हुआ तो भी दो घंटा इंतजार कराने के बाद पश्चिम बंगाल की पुलिस ने शेख शाहजहां को सीबीआई के हवाले किया। न्यायालय जाते समय शेख शाहजहां की चाल - ढाल से उसके रुतबे का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। पश्चिम बंगाल के एक छोटे सुदूर गांव संदेशखाली जहां पहुंचने के लिए धामाखाली से नाव में सवार होकर इच्छामती नदी को पार करना पड़ता है। वहां की पीड़ताओं ने पूरे पश्चिम बंगाल के वातावरण का बदल कर रख दिया है। मां, माटी और मानुष की बात करने का दावा करने वाली ममता बनर्जी पर आरोप लग रहे हैं कि पीड़ताएं अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग की होने के कारण इनके लिए उनकी संवेदनाएं नहीं जगीं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की राजनीतिक हैसियत का अंदाजा विधानसभा चुनाव 2021 के परिणामों से आसानी से लगाया जा सकता है। यहां की 292 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में से 213 पर टीएमसी, 77 पर भाजपा और दो सीटों पर अन्य दलों के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। चुनाव नतीजे आने के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं ने अराजकता की सारी सीमाएं पार कर दीं। टीएमसी के गुंडो पर भाजपा समर्थक महिलाओं के साथ बलात्कार के भी आरोप लगे। इसके बाद किसी ने सिर मुंडवाकर तो किसी ने नाक रगड़कर भाजपा को छोड़कर टीएमसी का दामन थाम लिया। अब कई सामाजिक और राजनीतिक चिंतकों का मानना है कि संदेशखाली ममता बनर्जी के लिए वामपंथियों के नंदीग्राम की तरह हो सकता है। विधानसभा चुनाव 2006 में 233 सीटें जीतकर सीपीएम नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य ने सत्ता में वापसी की थी। तब ममता बनर्जी की पार्टी महज 30 सीटों पर सिमट कर रह गई थी। लगातार तीन दशक के शासन के बावजूद प्रचंड जीत से उत्साहित बुद्धदेव भट्टाचार्य ने हल्दिया बंदरगाह के निकट एक छोटे गांव नंदीग्राम में केमिकल हब बनाने की जिद ठान ली। इसके लिए इंडोनेशिया के सलीम ग्रुप को 10 हजार एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना था। लेकिन नंदीग्राम के किसानों ने अपनी जमीन देने से इनकार कर दिया। उनका नेतृत्व वहां के स्थानीय नेता और कांथी के विधायक शुभेंदु अधिकारी ने किया। ममता बनर्जी भी आंदोलनकारियों के साथ हो गईं। इन आंदोलनकारियों ने इस इलाके की नाकेबंदी करके सरकारी कर्मचारियों की आवाजाही पर रोक लगा दी। इससे बलपूर्वक निपटने के लिए आज से 17 साल पहले 14 मार्च को 2500 पुलिसकर्मियों का एक जत्था नंदीग्राम भेजा गया।

दृष्टि कोण

लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इस बार उत्तर प्रदेश में शून्य पर सिमट सकती है

उत्तर प्रदेश की राजनीति में जिस कांग्रेस का हमेशा अपर हैंड रहता था, वह अब दूसरों के रहम-ओ-करम पर राजनीति करने को मजबूर हो गई है। प्रदेश में ना उसका वोट बैंक बचा है, ना नेता और संगठन। हाँ, यदि हवा-हवाई बातों से पार्टी को फायदा हो पाता तो जरूर यूपी में कांग्रेस टॉप पर होती, लेकिन ऐसा होता नहीं है। आज का मतदाता अपने नेताओं पर बारीकी से नजर रखता है। इस कसौटी में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप और गांधी परिवार पूरी तरह से नाकामयाब रहा है। कांग्रेस के विधान सभा और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के आंकड़े भी चुनाव-दर-चुनाव उसके जनाधार खिसकने के साक्षी हैं। यह गिरावट 1984 के बाद चार दशक में आई है। 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सभी 85 सीटों (तब उत्तराखंड की भी पांच सीटें शामिल) पर चुनाव लड़ी थी और 83 सीटों पर जीत हासिल की थी। भले ही तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के साथ जनभावनाओं का ज्वार था, जिसके सहारे पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने प्रदर्शन के शिखर को छुआ।

यह वह दौर था जब राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का एकछत्र राज था और बीजेपी की एंट्री भर हुई थी, लेकिन उसकी राजनैतिक विचारधारा कांग्रेस से उलट थी। बीजेपी तुष्टिकरण की जगह हिन्दुत्व की बात करती थी। अयोध्या, काशी और मथुरा उसके एजेंडे में प्रमुख रूप से शामिल थे, जिससे कांग्रेस हमेशा किनारा करती रही थी। वहीं क्षेत्रीय दलों के रूप में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जातिवादी राजनीति को आगे बढ़ा रहे थे। प्रदेश की राजनीति में बदले समीकरणों ने जहां दूसरे दलों के लिए नई संभावनाएं जगाईं, वहीं कांग्रेस को अपनों से मायूसी ही मिलती गई। 1984 में 51.03 प्रतिशत वोट हासिल करने वाली कांग्रेस फिर ऐसे जनाधार को वापस नहीं हासिल कर सकी। आज उसका जनाधार दो प्रतिशत में सिमट गया है। दरअसल, प्रदेश में सपा व बसपा के उदय के साथ ही कांग्रेस पीछे होती गई और भाजपा की प्रखर हिंदुत्व वाली छवि ने उसकी राह और मुश्किल कर दी। ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम कांग्रेस के परंपरागत वोटर माने जाते थे। सपा के उदय के साथ मुस्लिम कांग्रेस से छिटक कर उसके पाले में चला गया। बसपा ने कांग्रेस के दलित वोट बैंक पर कब्जा कर लिया। कांग्रेस से मोहभंग के बाद ब्राह्मणों ने भाजपा का दामन थाम लिया। वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड के अलग होने के बाद की बात की जाए तो कांग्रेस वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में 80 सीटों पर लड़ी थी और 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। पिछले ढाई दशक में यह कांग्रेस का सर्वाधिक उत्साहित करने वाला प्रदर्शन था। इसके पीछे कांग्रेस की मनरेगा व खाद्य सुरक्षा को लेकर नीतियों की बड़ी भूमिका मानी गई थी। कांग्रेस केंद्र में दोबारा सरकार बनाने में सफल हुई थी। इसके बावजूद कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी साख को बचाए रखने में कामयाब नहीं रही। उत्तर प्रदेश में अपना जनाधार बढ़ाने के लिय पार्टी ने कई प्रयोग भी किए। राहुल गांधी को यूपी में पैर पसारने के लिये खुली छूट दी गई, इसके नतीजे उत्साहवर्धक नहीं आये तो प्रियंका वाड्रा को प्रदेश का प्रभारी भी बनाया गया, लेकिन बूथ स्तर पर कमजोर हुई पार्टी के सामने कार्यकर्ताओं में पुराना जोश भरना सपना ही रहा। उधर, कांग्रेसी नेता आपस में टांग खिंचाई करते रहे, जिसकी वजह से पार्टी में अंतरकलह भी बढ़ता गया। 2014 लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश में 2009 का अपना प्रदर्शन दोहराने को तरसती ही रही। नेहरू-गांधी परिवार का उत्तर प्रदेश से गहरा रिश्ता होने के बाद भी पार्टी खोया दमखम नहीं जुटा सकी। पिछले चुनाव में कांग्रेस रायबरेली की एकमात्र सीट पर ही जीत का स्वाद चख सकी थी। पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी तक हार गये।

कुछ अलग

हनुमान ने शनिदेव को कैसे किया शांत

एक समय हनुमान, हिमालय पर्वत पर तपस्या में लीन थे। तभी उनके पास सूर्य-पुत्र शनिदेव पहुंच गए। शनिदेव लोगों को कष्ट देने के लिए आज भी प्रसिद्ध हैं। शनिदेव इसी मंशा से हनुमान के पास गए थे। हनुमान ने शनिदेव से आने का कारण पूछा, तो शनिदेव ने कह दिया, 'मैं लोगों के शरीर में प्रवेश करके उन्हें कष्ट देता हूं और आपके पास भी इसी उद्देश्य से आया हूं।' हनुमान बोले, 'मेरे भीतर तो केवल राम रहते हैं; तुम कहां रहोगे?' इस पर शनिदेव ने हंसकर कहा, 'मैं ढाई वर्ष तक मस्तिष्क में, अगले ढाई वर्ष उदर के भीतर और अंतिम ढाई वर्ष उदर से नीचे रहकर व्यक्ति को निष्क्रिय कर देता हूं। आपके साथ भी यही करूंगा।' हनुमान तुरंत तैयार हो गए और बोले, 'तो फिर मेरे सिर पर सवार हो जाओ।' शनिदेव ने जैसे ही हनुमान के मस्तिष्क में प्रवेश किया, हनुमान के सिर में दर्द होने लगा। परंतु उन्हें शनिदेव से निपटने का तरीका आता था। उन्होंने एक बड़ी-सी शिला उठाई और अपने सिर पर रख ली। शनिदेव पीड़ा से चिल्ला उठे। लेकिन हनुमान ने उस पर ध्यान नहीं दिया। फिर एक और शिला उठाकर सिर पर रख ली। अब शनिदेव के लिए संकट खड़ा हो गया। वे आए थे हनुमान को कष्ट देने, लेकिन स्वयं कष्ट में फंस गए! अब शनिदेव, हनुमान से मोल-भाव करने लगे। 'यदि आप मुझे छोड़ दें, तो मैं आपके कष्ट की अवधि साढ़े सात वर्ष से घटाकर साढ़े सात दिन कर दूंगा!' इस पर हनुमान तपाक से बोले, 'तुम मेरे लिए अपना नियम मत बदलो। मेरा सिरदर्द जब तक ठीक नहीं होगा, मैं सिर पर शिलाएं रखता जाऊंगा।' हनुमान ने एक और शिला उठा ली, लेकिन इससे पहले कि उसे सिर पर रखते, शनिदेव ने बिलखते हुए कहा, 'प्रभु, मुझसे भूल हो गई। मुझे क्षमा कर दीजिए। मैं आपको कभी कष्ट नहीं दूंगा।' हनुमान ने कहा, 'मुझे नहीं दोगे, लेकिन दूसरे लोगों को तो कष्ट दोगे! मैं आज पूरा उपाय करके ही तुम्हें छोड़ूंगा।' यह कहकर हनुमान ने तीसरी शिला भी सिर पर रख ली। शनिदेव का तो जैसे दम ही निकल गया! उन्होंने विनती की, 'हे रामदूत! दया कीजिए! मैं आपको वचन देता हूं कि जो भी आपको स्मरण करेगा, उसे कभी मुझसे कष्ट नहीं होगा।' तब हनुमान ने प्रसन्न होकर शनिदेव को मुक्त कर दिया। इसीलिए कहते हैं, हनुमान का नाम लेने से शनिदेव के कोप से रक्षा हो जाती है। एक अन्य कथा भी प्रसिद्ध है...शनिदेव ने हनुमान का बहुत यश सुना था। शनिदेव को लगा कि यदि वह हनुमान को परास्त कर दें, तो उनका अपना यश बढ़ जाएगा। इस उद्देश्य से शनिदेव ने हनुमान को चुनौती दे डाली। 'हनुमान! मैं ग्रहों में सर्वशक्तिमान शनि हूं। विश्व 'मेरे नाम से कांपता है। यदि साहस है, तो मुझसे युद्ध करो!' हनुमान, शनिदेव से लड़ने को उत्सुक नहीं थे। उन्होंने विनम्रतापूर्वक शनिदेव से कहा, 'मैं वृद्ध हो चुका हूं तथा श्रीराम नाम के अतिरिक्त मेरी किसी कार्य में रुचि नहीं है। आप बहुत बलवान हैं, इसलिए आपको अपने समान किसी बलशाली से युद्ध करना चाहिए।' शनिदेव ने हनुमान की विनम्रता को उनकी कायरता समझने की भूल कर दी। इससे शनिदेव का दुस्साहस और बढ़ गया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मैं आ गया हूं, तो युद्ध किए बिना नहीं जाऊंगा। अन्यथा आप अपनी पराजय स्वीकार कर लीजिए।' तब हनुमान ने शनिदेव का अहंकार तोड़ने का निश्चय किया। उन्होंने शनिदेव को अपनी पूंछ में बांध लिया। शनिदेव छटपटाने लगे, लेकिन बहुत प्रयास करने के बावजूद हनुमान की पकड़ से मुक्त नहीं हो सके। सहसा हनुमान उछले और ऊबड़-खाबड़ पथरीले रास्तों पर बेतहाशा दौड़ने लगे। इस दौरान, हनुमान अपनी पूंछ को शिलाओं पर पटकते जाते थे।

देश दुनिया से

जंगल की शेरनी का सफर: कश्मीर की वादियों से घने जंगलो तक

भारत की बाघ राजकुमारी (दी टाइगर प्रिंसेस) के रूप में जानी जाने वाली लतिका की कहानी सिर्फ शाही विरासत के बारे में नहीं है, बल्कि उन महिलाओं की शक्ति का प्रमाण है जो बाधाओं को तोड़ती हैं और साहस और दृढ़ विश्वास के साथ अपनी नियति को आकार देती हैं। एक फोटोग्राफर के रूप में, लतिका ने जंगल के बीचों-बीच जाकर, उसकी सुंदरता और चुनौतियों का दस्तावेजीकरण करके रूढ़ियों को तोड़ा। अपने लेंस के माध्यम से, उन्होंने न केवल वन्यजीवों की असुरक्षा को बल्कि महिला भावना की ताकत और लचीलेपन को भी प्रदर्शित किया। लतिका मानती हैं की जब भी आप किसी ऐसी जगह जाते हैं जहां पर प्रकृति अपने आप में संपूर्ण होती है तब ऐसा लगता है की आप भगवान के बनाये एक मंदिर में हो।

भारत के हृदय में, जहां जंगलों और नदियों के रहस्यमय परिदृश्य मिलते हैं, वहां एक ऐसी कहानी मौजूद है जो इस भूमि की तरह ही मंत्रमुग्ध कर देने वाली है। ये कहानी है भारत की बाघ राजकुमारी लतिका नाथ की, जिसमें साहस, जुनून और प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम शामिल है। ऐसी दुनिया में जहां जंगली जानवर लगातार खतरे में हैं, लतिका आशा की किरण बनकर खड़ी है और जंगलों में रहने वाले जीवों की रक्षा के लिए अथक प्रयास कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस उपलक्ष्य में, लतिका नाथ के साथ हुए साक्षात्कार (इंटरव्यू) की एक झलक को प्रस्तुत किया है जिसकी यात्रा शक्ति, जुनून और वन्यजीव संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में सामने आती है। भारत की बाघ राजकुमारी (दी टाइगर प्रिंसेस) के रूप में जानी जाने वाली लतिका की कहानी सिर्फ शाही विरासत के बारे में नहीं है, बल्कि उन महिलाओं की शक्ति का प्रमाण है जो बाधाओं को तोड़ती हैं और साहस और दृढ़ विश्वास के साथ अपनी नियति को आकार देती हैं। एक फोटोग्राफर के रूप में, लतिका ने जंगल के बीचों-बीच जाकर, उसकी सुंदरता और चुनौतियों का दस्तावेजीकरण करके रूढ़ियों को तोड़ा। अपने लेंस के माध्यम से, उन्होंने न केवल वन्यजीवों की असुरक्षा को बल्कि महिला भावना की ताकत और लचीलेपन को भी प्रदर्शित किया। लतिका मानती हैं की जब भी आप किसी ऐसी जगह जाते हैं जहां पर प्रकृति अपने आप में संपूर्ण होती है तब ऐसा लगता है की आप भगवान के बनाये एक मंदिर में हो। और जैसे लोग खुद को फोकस्सड रखने के लिए मैडिटेशन करते हैं और जैसा उस समय वो लोग महसूस करते है, मुझे वैसा ही महसूस होता है जब में प्रकृति क नज़दीक होती हूं फिर चाहे वो हिमालय की छोटी हो या फिर घाना जंगल, या एक शेर के साथ बैठना या फिर किसी कछुए को समुद्र से आते देखना या फिर एक चिड़यि को अपना घोसला बनाते हुए देखना ये नजारा सच में मंत्र मुग्ध कर देने वाला होता है। कैमरा के लेंस से जब हम एक चीज पर फोकस करते हैं तब हम सारी दुनिया भूल जाते है और यही उनके लिए मैडिटेशन है। लतिका की यात्रा में एक गहरा मोड़ आया क्योंकि वह वन्यजीव संरक्षण के लिए एक सशक्त शक्ति के रूप में विकसित हुई। मुख्य रूप से पुरुषों के कब्जे वाले क्षेत्र में, उन्होंने निडर होकर भारत की लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के लिए अपने प्रयासों को समर्पित करते हुए, इस मुद्दे का समर्थन किया। लतिका ने साझा किया की बहुत से पुरुष कंजर्वेशनिस्ट्स ने भी उन्हें अपना निशाना बनाया और जिसकी वजह से लतिका को शोध तक छोड़नी पड़ी। परिवार और दोस्तों से सहायता मिलने के बावजूद यह यात्रा फूलों से भरी तो बिलकुल भी नहीं थी। आज से करीब 30 दशक पहले जब मुट्ठी भर औरतें विज्ञान जैसे सब्जेक्ट में अपना भविष्य बनाने के बारे में सोचती थी और उसमे भी अगर कोई महिला वन्य जीवन (वाइल्डलाइफ) जैसी फील्ड में जाना चाहती हो जो की बेहद जोखिम भरी होने के साथ साथ पुरुष प्रमुख थी उसमे आगे बढ़ना चाहती है तो यकीन मानिए समाज में कुछ पुरुष प्रधान सोच रखने वाले लोगो की कमी नहीं रही होगी जिन्होंने हर कदम पर मुश्किलें खड़ी की और हर कदम पर ये जताने की कोशिश की होगी की एक औरत कैसे काम करेगी इस फील्ड में और ये सिलसिला शुरुआत के कुछ सालो तक नहीं बल्कि बहुत लम्बे समय तक चलता रह। लेकिन वह मानती हैं की जब आप खुद पर भरोसा करते है की आपको इसी राह में आगे बढ़ना है तो कोई मुश्किल आपका रास्ता नहीं रोक सकती। हम अपने आप में सौभाग्यशाली है की हमारी इतनी आबादी होने के बावजूद हम इस पृथ्वी के सबसे ज्यादा जैव विविधता से भरपूर की में हैं और हमारे अंदर एक अंदरूनी भावना है की हम पृथ्वी और प्रकृति का इतना आदर करते है। भारत सही दिशा में कदम बढ़ा रहा है लेकिन अपनी बहुत काम करना बाकी है और समय की मांग यही है की सिटीजन साइंस, प्राइवेट सेक्टर, और गवर्नमेंट एक जुट होकर प्रकृति को बचाए। लतिका बताती हैं की अगर हम प्लेनेट अर्थ के इतिहास को खंगाले तो हम देखेंगे की परिवर्तन हमेशा से हुए है और प्रकृति अपने तरीके से इंसान को दिखा रही है की यूं तो इंसान खुद को बहुत शक्तिशाली तो समझता है लेकिन वो भी मात्र एक भाग है प्रकृति का क्योंकि अगर पृथ्वी पर जीवन ही खत्म हो जयेगा तो इंसान का वजूद भी खत्म हो जएगा। इसीलिए हमें अपने तरीके बदलने होंगे और हम सभी को मिलकर इसे सफल बनाना होगा। लतिका की कहानी भावनात्मक स्तर पर गूंजती है, न केवल एक संरक्षणवादी के रूप में बल्कि एक महिला के रूप में जो पुरुष-प्रधान क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। लतिका में, हम एक ऐसी महिला को पाते हैं जो मनुष्यों और वन्यजीवों के बीच की दीवारों को तोड़ती है

आप का नजरिया

केवल और केवल अनुराग

सियासत के अद्भुत प्रतीक और शिनाख्त के पद्चिन्हों में राजनीतिक सपूत चुनने की कवायद में आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि सामने आ रही है। पांचवीं बार हमीरपुर लोकसभा के अपने अभेद्य दुर्ग पर अनुराग ठाकुर को भाजपा, लोकसभा में मुकाम दिखा रही है। शिमला से सुरेश कश्यप पर भरोसा जताने के बावजूद मंडी का जौहर दिखाने में भाजपा की सियासी किफायत और कांगड़ा की दौड़ में हिम्मत दिखाने की कंजूसी अभी सूची से बाहर नहीं आई, लेकिन पार्टी का जलबा इस बार हमीरपुर संसदीय सीट के सामने मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के प्रभुत्व की मांद में जरूर नई कहानी लिखना चाहेगा। प्रदेश के विधानसभा चुनाव में एकतरफा जीत के दो शंखनाद हुए थे, तो मंडी में भाजपा का वर्चस्व लोकसभा चुनाव की तासीर में पूर्व सरकार की छवि की पहरेदारी में क्या नया हासिल करता है, यह देखना होगा। यहां पूर्व मुख्यमंत्री जयराम की छत्रछाया में कोई नया नाम, कोई नया दांव, अपनी परख के हथौड़े की तरह टन-टन कर रहा है, तो कांगड़ा में भाजपा की सूची उस शोहरत से मुकाबिल है जहां वर्तमान सांसद किशन कपूर ने सात लाख से अधिक वोट जुटा कर ऐतिहासिक काम किया था। लोकसभा चुनाव की पात्रता में विधानसभा चुनाव की दक्षता का ईनाम क्या होगा, इसका फैसला कांग्रेस को भी कांगड़ा में करना है। सुक्खू सरकार के गठन और सत्ता के संगठन में दस विधायकों की जुंबिश लगा कांगड़ा के जिस आधार ने भाजपा को निराधार किया था, उसके आश्रालय में संसदीय चुनाव की अनुगूंज चंबा तक आंखें खोल कर देख रही है। जिला से कुल दो मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, चंद कैबिनेट रैंक और कुछ नियुक्तियों की पैमाइश के बूते कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस का शीर्षासन इसलिए भी देखा जाएगा, क्योंकि सुधीर शर्मा जैसे चेहरे को दरकिनार करके पार्टी अपने वजूद की नई पैरवी कर रही है। यहां से सत्ता के पाले में जितने पद भरे हैं, उनमें से शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया का रुतबा अब हाथों में व्हिप लेकर अपनी मंजिलें बता रहा है। तमाम नियुक्तियों और तरह-तरह के पदभारों से सुसज्जित चेहरों के बीच केवल केवल सिंह पठानिया क्यों लोकसभा चुनाव से पूर्व अलग नजर आने लगे हैं, यह बदली कांगड़ा की सियासत में सरकार के खास नजर आने लगे हैं। केवल सिंह का गैर परिवारवाद तथा कभी कांगड़ा की ललकार रहे मेजर विजय सिंह मनकोटिया के व्यूह चक्र से निकल कर मुख्य सचेतक तक पहुंचना, वीरभद्र सिंह की आभा में चलती रही पार्टी की नई प्रतिभा है। कांग्रेस बदल रही है और बदल रहा है इसकी आभा का केंद्र। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस महज सत्ता नहीं सत्ता का नया पौधारोपण भी है। इस लिहाज से यह सरकार, सरकार के मुखिया तथा उपमुख्यमंत्री की सबसे बड़ी परीक्षा का द्वार भी है। सरकार इसी संसदीय सीट से पार्टी व दो सहयोगी निर्दलीयों समेत पांच विधायकों को बाहर का रास्ता दिखा कर अपना रास्ता साफ करती हुई दिखाई दी है, लेकिन अपने कांटों के बाहर भाजपा के साम्राज्य की दीवारों पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के हस्ताक्षर स्पष्ट हैं।

टोरी पार्टी के भीतर बढ़ती अशांति की खबरों पर सुनक ने दी प्रतिक्रिया, कहा– सकारात्मक बदलाव आ रहे

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कंजर्वेटिव पार्टी (टोरी पार्टी) के भीतर बढ़ती अशांति की खबरों के बीच आशावादी सुधार का दावा किया। उन्होंने छोटे व्यवसायों के लिए सुधारों के एक नए पैकेज की शुरुआत करते हुए जोर देकर कहा कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आने लगे हैं। इस दौरान ब्रिटिश भारतीय नेता ने दक्षिणी इंग्लैंड के बंदरगाह शहर साउथेम्प्टन में अपने परिवार द्वारा संचालित फार्मेसी का भी संदर्भ दिया और कहा कि उन्हें छोटे व्यवसाय की चुनौतियों का अनुभव है। अपने विद्रोहियों के लिए एक अप्रत्यक्ष संदेश में, उन्होंने जोर देकर कहा कि कठिन दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्था के लिए योजना के साथ काम करना महत्वपूर्ण था।

सुनक ने इंग्लैंड के मिडलैंड्स क्षेत्र में वारविकशायर में एक बिजनेस कनेक्ट कार्यक्रम के दौरान कहा, अर्थव्यवस्था सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 2024, वह वर्ष होगा जब ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में उछाल आएगा। मुद्रास्फीति आधे से कम हो गई है और तेजी से गिर रही है। विकास की राह खुल रहे हैं। ऋण में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां नहीं पहुंचे हैं, जहां हमें होना चाहिए लेकिन हम बिल्कुल सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, आइए सरकार की ओर से चलाई जा रही योजना पर टिके रहें और एक साथ बेहतर, उज्जवल भविष्य का निर्माण करें।

नए पैकेज के तहत, ब्रिटिश सरकार 1 अप्रैल से छोटे व्यवसायों में प्रशिक्षण के लिए पूरी निधि देगी। 21 वर्ष की आयु तक किसी के लिए प्रशिक्षण की पूरी लागत का भुगतान करके सरकार व्यवसायों की लागत कम करेगी और युवाओं को करियर शुरू करने के अधिक अवसर प्रदान करेगी। सरकार अपने इस कदम पर एक साल में अतिरिक्त 60 मिलियन पाउंड खर्च करेगी। लालफीताशाही में भी कटौती की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा मेरी मां की फार्मेसी में काम करने के अनुभव से मुझे पता है कि छोटे व्यवसाय कितने महत्वपूर्ण हैं। न केवल अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि नवाचार और आकांक्षा के लिए एक चालक के रूप में भी ये महत्वपूर्ण हैं।

ब्रिटेन की व्यापार व वाणिज्य मंत्री केमी बेडनॉक ने कहा, चाहे लालफीताशाही में कटौती हो, निवेश का ताला खोलना हो या कारोबारी लागत कम करना हो, आज की घोषणाओं से पता चलता है कि यह सरकार एसएमई को टर्बो चार्ज करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे पहले से कहीं अधिक तेजी से आगे बढ़ सकें।

न्यूज ब्रीफ

क्या स्पाइसजेट के सीएमडी को मिलेगी दिवालिया एयरलाइन गो फर्स्ट बोली बढ़ाने के बाद जगी उम्मीद

मुंबई । पिछले दिनों भारत की दिवालिया एयरलाइन गो फर्स्ट के रिवाइवल के लिए दो बोलियां मिली थीं। लेकिन, ये बिड लेंडर्स यानी गो फर्स्ट को कर्ज देने वाले बैंकों की उम्मीदों के मुताबिक नहीं थी। अब लेंडर्स के अनुरोध के बाद दो में से एक बिडर ने अपनी बोली की रकम बढ़ा दी है। बिडर ने कितनी बढ़ाई बोली की रकम किफायती उड़ान सेवा देने वाली स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह ने बिजी बी एयरवेज ने मिलकर गो फर्स्ट के लिए बोली लगाई है। इन्होंने पहले गो फर्स्ट के लिए करीब 16 अरब रुपये की बिड जमा की थी। लेकिन, बैंकों की गुजारिश के बाद दोनों कंपनियों ने अपनी बोली को 1 से डेढ़ अरब रुपये के बीच बढ़ा दिया है। कब दिवालिया हुई थी गो फर्स्ट गो फर्स्ट ने पिछले साल मई में दिवालिया होने की अर्जी लगाई थी। इसकी दिवालिया प्रक्रिया के तहत दो वित्तीय बोलियां मिली हैं। दूसरी बोली शारजाह स्थित स्काई वन एयरवेज थी। लेकिन, दोनों ही बिड कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स की उम्मीदों से काफी कम थीं। इसमें भारी कटौती भी शामिल थी। यह वजह है कि बैंकों ने दोनों बिडर्स से कहा कि वे अपनी बोलियों को बढ़ाएं। गो फर्स्ट ने अपनी बैंकरप्सी फाइलिंग में बताया कि उसके लेनदारों की लिस्ट में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक शामिल हैं। इन सबका गो फर्स्ट पर 65 अरब रुपये से अधिक बकाया है। लेनदार बैंक रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के जरिए स्काई वन के साथ बात कर रहे हैं कि वह भी अपनी बिड बढ़ाए। हालांकि, अभी तक उसकी ओर से कोई रिस्पॉन्स नहीं आया है। अगले हफ्ते होगी लेनदारों की मीटिंग अगले हफ्ते की शुरुआत में लेनदारों की मीटिंग होने वाली है। अगर स्काई वन से बिड बढ़ाने के बारे में कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, तो लेनदार स्पाइसजेट और बिजी बी की ज्वाइंट बिड पर ही चर्चा करेंगे। लेनदार बैंक इस महीने के आखिर तक बिडर्स को अपने फैसले के बारे में बता सकते हैं।

भारत की ऑटो इंडस्ट्री अगले 5 साल में विश्व में शीर्ष स्तर पर होगीः गडकरी

नई दिल्ली । केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि

अगले पांच साल में भारत की ऑटो इंडस्ट्री दुनिया के शीर्ष स्तर पर होगी। नितिन गडकरी ने कहा कि इस समय भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग का आकार 12.5 लाख करोड़ रुपये है। उद्योग ने अब तक 4.5 करोड़ रोजगार दिए हैं और यह केंद्र और राज्य सरकारों को अधिकतम जीएसटी का भुगतान करता है। उन्होंने कहा कि जब मैं मंत्री बना तो भारत की ऑटो इंडस्ट्री दुनिया में 7वें स्थान पर थी। मैंने नई तकनीक वाली कंपनियों को प्रोत्साहित किया। अब भारत की ऑटो इंडस्ट्री जापान को पछाड़कर तीसरे नंबर पर आ गई है। महाराष्ट्र में इस समय ट्रिपल इंजन की सरकार है। उन्होंने कहा कि हम अपने काम के दम पर लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि चुनाव लड़ने के लिए धन की जरूरत होती है और हर पार्टी को इसकी जरूरत होती है। वास्तव में इस योजना के पीछे मूल विचार यह था कि पार्टियों को बॉन्ड के माध्यम से पैसा मिलेगा और अगर आप इसे नंबर एक बनाना चाहते हैं तो इससे अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, इसमें गलत क्या था उन्होंने चुनावी बांड के मुद्दे से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। केंद्रीय मंत्री ने चुनावी बॉन्ड योजना पर रोक लगने की स्थिति में एक और खामी बताई। उन्होंने कहा कि अगर चुनावी बॉन्ड पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है, तब भी पैसा आना जारी रहेगा, केवल काले धन के रूप में।

म्यूचुअल फंडों ने बेचा 26प्रतिशत हिस्सा, आरबीआई की सख्ती के बाद कंपनी के शेयर 50 फीसदी टूटे

नई दिल्ली । पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ आरबीआई की कार्रवाई के बाद से म्यूचुअल फंडों ने इसकी मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में 26 फीसदी हिस्सा बेच दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी में म्यूचुअल फंडों के पास पेटीएम के 4.45 करोड़ शेयर थे। फरवरी अंत में ये 26 फीसदी घटकर 3.28 करोड़ रह गए। कुल हिस्सेदारी का मूल्य मौजूदा भाव पर 1,212 करोड़ रुपये है। पेटीएम के शेयर का भाव आरबीआई की सख्ती की वजह से फरवरी में गिरकर लगभग आधा रह गया। हालांकि, कंपनी का शेयर 5 फीसदी बढ़कर 389.40 रुपये के भाव पर बंद हुआ। जी एंटरटेनमेंट में भी घटाई हिस्सेदारी म्यूचुअल फंडों ने जी एंटरटेनमेंट में भी अपना निवेश घटाया है।

भारतीय स्टार्टअप इस साल जुटा सकते हैं एक लाख करोड़ रुपये, विदेशी कंपनियों का बढ़ रहा भरोसा

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र दुनिया में सबसे जीवंत है। भारतीय स्टार्टअप इस साल करीब एक लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटा सकते हैं। स्टार्टअप महाकुंभ में उद्यम पूंजी फर्म पीक एक्सवी के प्रबंध निदेशक राजन आनंदन ने कहा, करीब 20 अरब डॉलर की निजी पूंजी बिना निवेश के पड़ी है और वह भारत में निजी फर्मों एवं स्टार्टअप में निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। उम्मीद है कि भारतीय स्टार्टअप इस साल 8-12 अरब डॉलर (66,316 से 99,493 करोड़ रुपये) जुटा सकते हैं।

आनंदन ने कहा, 2021 से पहले स्टार्टअप में निवेश राशि 8-10 अरब डॉलर थी। 2021 और 2022 में यह संयुक्त रूप से बढ़कर 60 अरब डॉलर पहुंच गई। पिछले साल निवेश राशि सात अरब डॉलर थी, जिसे लोगों ने कम कहा। यह शून्य भी हो सकती थी, क्योंकि छह साल की फंडिंग दो साल में मिल गई थी। इस साल हम 8-12 अरब डॉलर के निवेश की राह पर हैं।

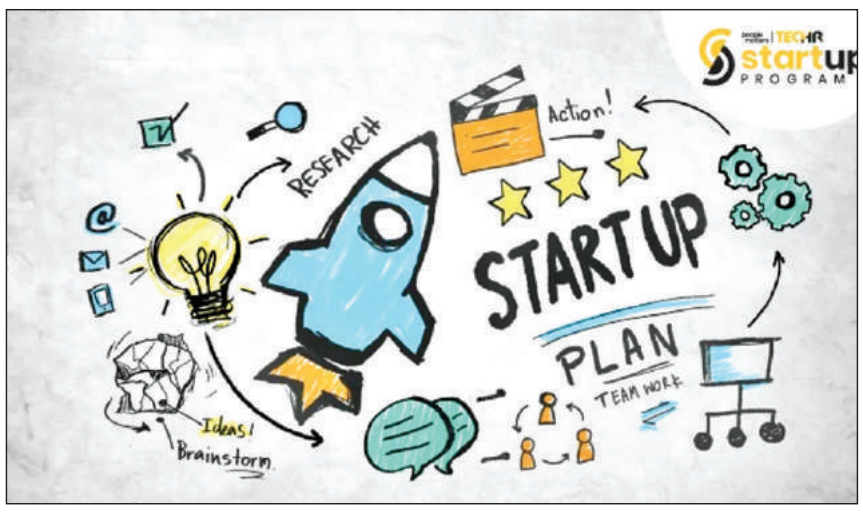

कॉरपोरेट गवर्नेंस व मूल्यांकन पर दें जोर : कांत

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा, स्टार्टअप इनोवेशन व विकास जारी रखने के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस और सही मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करें। कांत ने देश में स्टार्टअप की चिंता पर कहा, लंबे समय के टिकाऊ और समृद्ध बनने के लिए ऐसी कंपनियों को कड़े कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा, मैंने स्टार्टअप को बढ़ते हुए देखा है। उनमें से कई को ढहते हुए भी देखा है। इसलिए, कॉरपोरेट गवर्नेंस बहुत महत्वपूर्ण है। इसकी जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। देश के स्टार्टअप तंत्र में स्व-नियमन की जरूरत है।

सरकारी अनुबंध पाने को मिलेंगे अतिरिक्त अवसर

कांत ने इजराइल का उदाहरण देकर कहा, वहां नवाचार के कारण सरकार खुद स्टार्टअप से उत्पाद खरीदती है। ऐसा नवाचार हो तो भारत में भी स्टार्टअप के लिए सरकारी अनुबंध पाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के अतिरिक्त अवसर पैदा होंगे। अगर सरकार पहली खरीद करने में सक्षम हैं तो यह कई स्टार्टअप में बड़ी वृद्धि को चलाने के लिए सबसे बड़ा उत्प्रेरक होगा।

सात-आठ साल में 100 स्टार्टअप होंगे सूचीबद्ध

भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हर साल 10 अरब डॉलर या लगभग 80,000 करोड़ रुपये का वित्तपोषण पर्याप्त है। आज भारत में करीब 20 स्टार्टअप हैं, जो शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं। अगले 7-8 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 100 तक पहुंचने की उम्मीद है।

प्रौद्योगिकी स्टार्टअप नीतिचर्चा के अंतिम चरण में

सघन प्रौद्योगिकी स्टार्टअप के लिए नीति अंतर-मंत्रालयी चर्चा के अंतिम चरण में है। इसे जल्द ही लागू किया जाएगा। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा, हम एक बड़ा कोष बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

2025 में एसयूवी ईपिक पेश करेगी स्कोडा

नई दिल्ली । कार निर्माता स्कोडा इलेक्ट्रिक एसयूवी ईपिक अगले साल 2025 में लॉन्च करेगी। यूरोपीय बाजार में इसकी कीमतें लगभग 25,000 यूरो (लगभग 23 लाख रुपये) के करीब होंगी। यह एसयूवी लगभग 4.1 मीटर लंबी है और स्कोडा कुशाक से कुछ छोटी है। छोटा बनाती है। इस एसयूवी को लेकर कंपनी का कहना है कि इसमें स्मार्ट कार्यक्षमता और व्यावहारिकता एक साथ शामिल है। सामने की तरफ नया टेक-डेक फेस है। ग्रिल के किनारे नए टी-आकार के एलईडी डीआरएल हैं और नीचे मैट्रिक्स एलईडी तकनीक वाली हेडलाइट्स हैं। बम्पर में बड़े पैमाने पर वर्टिकल स्लैट हैं, जो इसे जीप एसयूवी की तरह लुक देते हैं। इसमें पीछे की ओर फ्लेयर्ड व्हील आर्च और टी-आकार की एलईडी टेललाइट्स जोड़े गए हैं। इस कॉन्सेप्ट का केबिन डुअल-टोन थीम के साथ आता है। मॉडल में टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील, 5.3-इंच वर्चुअल कॉकपिट और 13-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के अलावा वायरलेस चार्जिंग और सहित कई सुविधाएं हैं।

लक्ष्य के पार पहुंच सकता है शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह, कॉरपोरेट लाभ में वृद्धि का दिखेगा असर

नई दिल्ली,19 मार्च ।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 19.45 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य के पार पहुंच सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अग्रिम कर भुगतान से शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह को बढ़ावा मिला है। एक अप्रैल, 2023 से 15 मार्च, 2024 तक कुल 18.95 लाख करोड़ का कर संग्रह हुआ है। यह एक साल पहले की समान अवधि से 14.05 फीसदी अधिक है। सरकार को चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 9.10 लाख करोड़ का अग्रिम कर मिला है। कॉरपोरेट ने 6.72 लाख करोड़ दिया टैक्स

कॉरपोरेट ने अब तक 6.72 लाख करोड़ और व्यक्तिगत करदाताओं ने 2.37 लाख करोड़ रुपये का कर भुगतान किया है। इसकी अंतिम तारीख 15 मार्च थी। ऐसे में सरकार को उम्मीद है कि 31 मार्च को जो आंकड़े आएंगे, उनमें शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 लाख करोड़ के करीब पहुंच सकता है। जानकारों के मुताबिक, अग्रिम कर संग्रह में वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि कॉरपोरेट लाभ और व्यक्तिगत आय बढ़ रही है।

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.2 लाख करोड़ रुपये

रिफंड से पहले सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 15 मार्च तक 22.25 लाख करोड़ रुपये था। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 13.5 फीसदी अधिक है। सकल कॉरपोरेट कर संग्रह 10.97 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 9.26 फीसदी अधिक है। सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स सहित व्यक्तिगत आयकर 13.4 फीसदी बढ़कर 10.80 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सरकार ने 15 मार्च तक 3.33 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड रिफंड जारी किया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3.03 लाख करोड़ रुपये से 10 फीसदी अधिक है।

सोने और चांदी की कीमतों में उछाल, सोना 65,700, चांदी लगभग 75,600 रुपए

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

सोने व चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोना 65,700 रुपये और चांदी 75,600 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इनके भाव में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 1 रुपये की तेजी के साथ 65,609 रुपये के भाव पर खुलकर 57 रुपये की तेजी के साथ 65,665 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 79 रुपये की तेजी के साथ 75,575 रुपये के भाव पर खुलकर 90 रुपये की तेजी के साथ 75,586 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत हल्की गिरावट के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव में सुधार देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 2,164 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,164.30 डॉलर था। फिलहाल यह 0.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,164.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.25 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.26 डॉलर था। फिलहाल यह 0.07 डॉलर की तेजी के साथ 25.33 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अब हमारे पास जेनरेटिव एआई युग के लिए एक चिप है : एनवीडिया सीईओ

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

बिग टेक कंपनियों का लक्ष्य आजकल जेनेरिक एआई दौड़ का नेतृत्व करना है। ऐसे में एनवीडिया के संस्थापक और सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कहा कि उन्होंने जेनएआई युग के लिए एक प्रोसेसर बनाया है। अमेरिका में आयोजित जीटीसी सम्मेलन में कंपनी के नए ब्लैकवेल कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म को पेश करते हुए हुआंग ने कहा कि बढ़ी हुई कंप्यूटिंग शक्ति सॉफ्टवेयर से लेकर सेवाओं, रोबोटिक्स से लेकर चिकित्सा प्रौद्योगिकी के साथ काफी कुछ दे सकती है। हुआंग ने अपने मुख्य भाषण के दौरान 11,000 से अधिक उपस्थित लोगों को बताया, एक्सेलरेटेड कंप्यूटिंग अपने चरम बिंदु पर पहुंच गई है, जनरल पर्पस कंप्यूटिंग अब समाप्त हो गई है। दुनिया के एआई बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर जानकारी देते हुए हुआंग ने ट्रिलियन पैरामीटर लार्ज लैंगुएज मॉडल को रियल टाइम में जेनरेटर एआई में लाने के लिए एनवीडिया ब्लैकवेल प्लेटफॉर्म पेश किया। हुआंग ने एनवीडिया एनआईएम को भी पेश किया जो पैकेजिंग और सॉफ्टवेयर वितरित करने का एक नया तरीका है। यह डेवलपर्स को सभी प्रकार के कस्टम एआई को तैनात करने के लिए लाखों जीपीयू के साथ जोड़ता है। कंपनी ने उन्नत सिमुलेशन क्षमताएं प्रदान करने के लिए ओम्निवर्स क्लाउड एपीआई भी पेश किया। हुआंग ने कहा, हम इसे मल्टीमॉडैलिटी डेटा के साथ प्रशिक्षित करने जा रहे हैं, न केवल इंटरनेट पर टेक्स्ट, बल्कि हम इसे टेक्स्ट और इमेज ग्राफ और चार्ट पर प्रशिक्षित करने जा रहे हैं। हुआंग ने साफ तौर पर कहा कि हमें बड़े जीपीयू की आवश्यकता है। हुआंग ने कहा, भविष्य में डेटा केंद्रों को

एआई फैक्ट्री के रूप में देखा जाएगा। इसका लक्ष्य इस मामले में राजस्व उत्पन्न करना है। एनवीआईडीआईए पहले से ही जीन अनुक्रमण उपकरणों में इमेजिंग सिस्टम में है और अग्रणी सर्जिकल रोबोटिक्स कंपनियों के साथ काम कर रही है। इस पर हुआंग ने कहा कि एआई का सबसे बड़ा प्रभाव स्वास्थ्य सेवा में होगा।

टाटा संस ब्लॉक डील के तहत बेच सकता है हिस्सेदारी, इस खबर ने टीसीएस के शेयर पर डाला असर

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

टाटा की सहायक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के स्टॉक में गिरावट देखने को मिला है। बीते दिन कंपीन ने ऐलान किया था कि उनकी प्रमोटर कंपनी टाटा संस आईटी सर्विस की लगभग 2.3 करोड़ शेयर या 0.65 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी ब्लॉक डील के माध्यम से बेचेगी। इस ऐलान का असर कंपनी के शेयर पर देखने को मिला है। एनएसई पर टीसीएस के शेयर 3.30 फीसदी गिरकर 4,015.65 रुपये के निचले स्तर पर आ गए। बीएसई पर, स्टॉक 3.15 प्रतिशत गिरकर 4,014 रुपये प्रति पीस पर आ गया।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार टीसीएस के शेयर मूल्य में गिरावट मुख्य रूप से टाटा संस की हिस्सेदारी बिक्री के कारण है। टीसीएस के शेयर में

आई गिरावट के बाद बीएसई पर कंपनी का एम-कैप 45,497.45 करोड़ रुपये घटकर 14,54,109.37 करोड़ रुपये हो गया।

शेयर में क्यों आई गिरावट

टाटा संस ने ब्लॉक डील शुरू कर दी है। इस डील का लक्ष्य टीसीएस के 2.34 करोड़ शेयरों को 4,001 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचना है। शेयर का न्यूनतम मूल्य पिछले दिन के समापन मूल्य से 3.65 प्रतिशत की छूट दर्शाता है।

ब्लॉक डील की कीमत लगभग 9,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। अभी तक खरीदार और विक्रेता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इनकी पुष्टि शाम को सार्वजनिक की जाएगी जब स्टॉक एक्सचेंज डेटा जारी करेंगे।

पिछले साल दिसंबर 2023 तक प्रमोटरों और प्रमोटर ग्रुप के पास टीसीएस में 72.41 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसमें से 72.38 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा संस के पास है।

बीते दिन कारोबारी सत्र में टीसीएस के शेयर लगभग 2 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। प्रमोटर टाटा संस आईटी प्रमुख में अपनी बड़ी हिस्सेदारी बेच सकते हैं।

मार्च में स्पार्क कैपिटल की एक रिपोर्ट के अनुसार टाटा ग्रुप के शेयर सुर्खियों में रहे हैं। इसमें उल्लेख किया गया था कि टाटा संस भारतीय रिजर्व बैंक के पैमाने-आधारित नियमों को पूरा करने के लिए सितंबर 2025 तक सार्वजनिक हो सकता है।

आरबीआई का आदेश है कि गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को तीन साल के भीतर स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध होना आवश्यक है। टाटा संस को 15 ऊपरी स्तर की एनबीएफसी में नामित किया गया है, जिसका कुल बाजार मूल्यांकन 31.6 लाख करोड़ रुपये है, टाटा संस सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध 29 टाटा समूह संस्थाओं का मालिक है।

एमजी मोटर एक्सेलर ईवी नाम से पेश कर सकती है एक और इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली । भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने अब एमजी मोटर इंडिया देश में अपनी एक और इलेक्ट्रिक (कार) पेश करने जा रही है। इसी को देखते हुए कंपनी ने एक्सेलर ईवी नाम से एक ट्रेडमार्क करवाया है। इस नाम का उपयोग इस कार के लिए किया जाएगा। एमजी की योजना इस साल दो मॉडल पेश करने की है, जिनमें से एक ईवी जबकि दूसरा फेसलिफ्ट ग्लॉस्टर है। कंपनी इसी माह 20 मार्च को अपनी भविष्य की योजनाओं की भी घोषणा करेगी। एमजी ने पिछले साल 2023 ऑटो एक्सपो में अपनी वैश्विक लाइन-अप से कई मॉडल दिखाये थे। कंपनी ने इससे पहले ईएमजी6 हाइब्रिड सेडान, ईएचएस एसयूवी, ईआरएक्स5 एसयूवी और मार्वल आर जैसे मॉडल्स पेश किये थे। इनमें से कंपनी एक को भारत में एक्सेलर ईवी के रूप में एक बार पेश कर सकती है।

ओह गुरु, हो जा शुरू, कमेंट्री करने लौटा शेर और शायरी का बादशाह नवजोत सिंह सिद्धू, आईपीएल का मजा होगा दोगुना

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू आईपीएल 2024 में अपनी आवाज का जादू बिखेरते हुए नजर आएंगे। 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2024 के लिए सिद्धू का नाम कमेंट्री पेनलिस्ट में शामिल है।

बता दें कि आगामी आईपीएल का उद्घाटन मुकाबला गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल के प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया के जरिये नवजोत सिंह सिद्धू के कमेंट्री पैनल में जुड़ने की पुष्टि की।

एक बुद्धिमान व्यक्ति ने कहा, उम्मीद सबसे बड़ी तोप है। और यह बुद्धिमान महान नवजोत सिंह सिद्धू खुद, हमारे शानदार स्टारकास्ट से जुड़ेंगे। उनकी गजब कमेंट्री और शानदार एक लाइनर आप मिस न करें।

बता दें कि कमेंट्री से दूर रहने के समय सिद्धू विवादों में फंसे थे जब 2019 में उन्हें द कपिल शर्मा शो से बाहर किया गया था। वैसे, 60 साल के नवजोत सिंह सिद्धू ने 2001 में अपनी कमेंट्री के जरिये जलवा बिखेरा था।

उनके शेर और शायरी व वन-लाइनर लोगों को बहुत रास आए। क्रिकेट की बारीकी को मजेदार अंदाज में पेश करने की कला सिद्धू में रही, जिसके कारण उनकी फैन फॉलोइंग गजब की रही।

नवजोत सिंह सिद्धू अपने खेलने वाले दिनों में बेहद शांत स्वभाव के क्रिकेटर माने जाते थे, लेकिन कमेंट्री में आने के बाद उनका अलग अवतार लोगों ने देखा। सिद्धू की क्रिकेट की समझ और उसे पेश करने का अंदाज लोगों को एकदम अलग हटकर लगा। यही वजह रही कि नवजोत सिंह सिद्धू भारतीय शीर्ष कमेंटेटरों में से एक माने जाने लगे।

पता हो कि नवजोत सिंह सिद्धू का अंतरराष्ट्रीय करियर 15 साल का रहा। उन्होंने 1983 से 1998 तक भारतीय टीम को अपनी सेवाएं दी। इस दौरान सिद्धू ने 51 टेस्ट और 136 वनडे खेले। उन्होंने टेस्ट में 3203 और वनडे में 4413 रन बनाए। दाएं हाथ के बैटर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 15 शतक और 48 अर्धशतक भी जड़े।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय ओलंपिक संघ ने लिया बड़ा निर्णय, डब्ल्यूएफआई की तदर्थ समिति को किया भंग

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा निर्णय लेते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का दैनिक कार्य संभाल रही तदर्थ समिति को भंग करने का फैसला किया है। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने कुछ दिनों पहले खेल संहिता के नियमों का उल्लंघन करने का हवाला देकर डब्ल्यूएफआई की नई कार्यकारी समिति को निलंबित किया था जिसके बाद आईओए ने डब्लयूएफआई के संचालन के लिए तदर्थ समिति का गठन किया था। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के निर्देश पर डब्ल्यूएफआई को इस खेल का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण मिला है। आईओए का कहना है कि तदर्थ समिति ने डब्ल्यूएफआई के सहयोग से अगले महीने के ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के लिए चयन ट्रायल का सफल आयोजन किया था। तदर्थ समिति के नेतृत्व में पुरुष और महिला वर्ग के कुश्ती ट्रायल हाल ही में संपन्न हुए थे। पुरुषों में जहां बजरंग को हार का सामना करना पड़ा था, वहीं महिला वर्ग में ड्रामा के बाद विनेश फोगाट 50 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज करने में सफल रही थीं। ट्रायल के खत्म होने के बाद कुश्ती महासंघ की बागडोर डब्ल्यूएफआई को सौंपी गई है। आईओए ने 10 मार्च को जारी अपने आदेश में कहा, दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर तदर्थ समिति को भंग करने का फैसला डूब्ल्यूडब्ल्यू द्वारा डब्ल्यूएफआई पर लगे प्रतिबंध को हटाने के लिए लिया गया। आईओए ने दिया सुरक्षा समिति बनाने का निर्देश आईओए ने यौन उत्पीड़न और नियमों के पालन जैसे मुद्दों की चिंताओं को दूर करने के लिए डब्ल्यूएआई को एक सुरक्षा समिति बनाने का निर्देश दिया है। आईओए के फैसले से खुश हुए संजय सिंह डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह इस फैसले से काफी खुश हैं और उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ को धन्यवाद दिया। संजय का कहना है कि चुनाव में जीत दर्ज करने वाली समिति को राष्ट्रीय महासंघ के संचालन का जिम्मा देने के लिए आईओए बधाई का पात्र है। हम आईओए को हमें डब्ल्यूएफआई का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण देने पर धन्यवाद देते हैं। हम पहलवानों को सभी तरह की सुविधाएं देंगे। हम जल्द ही राष्ट्रीय शिविर आयोजित करेंगे और अगर पहलवान विदेश में ट्रेनिंग करना चाहते हैं तो इसकी सुविधा भी मुहैया कराएंगे।

अमेरिका में दोस्ताना मुकाबलों से पहले अर्जेंटीना को लगा बड़ा झटका, मेसी चोटिल होकर हुए बाहर

नई दिल्ली । लियोनेल मेसी आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में अल सल्वाडोर और कोस्टा रिका के खिलाफ अर्जेंटीना के दोस्ताना मैचों से बाहर हो गए हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने मेसी की हैमस्ट्रिंग चोट के संबंध में एक बयान जारी किया है जिसने उन्हें आगामी दो प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया है। आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी अल सल्वाडोर के खिलाफ फिलेडेल्फिया में और उसके बाद 26 मार्च को लॉस एंजिल्स में कोस्टा रिका के खिलाफ मुकाबले को मिस करेंगे। उनके क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना दोनों उनके साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। दोनों मैच जून-जुलाई में कोपा अमेरिका के लिए अर्जेंटीना की तैयारियों को लेकर वार्मअप मैच हैं। कोपा अमेरिका भी इस साल अमेरिका में ही खेला जाएगा। मेसी पिछले डीसी यूनाइटेड के खिलाफ मियामी के हालिया एमएलएस मैच से भी चूक गए थे। अर्जेंटीना महासंघ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अर्जेन्टीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी अमेरिका में दोस्ताना मैचों के लिए टीम में नहीं होंगे क्योंकि उनके दाहिने पैर की मांसपेशियों में मामूली चोट लगी है। अर्जेंटीना के कप्तान अभी भी एक पुरानी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं, जिसे उन्होंने पिछले हफ्ते नैशविले के खिलाफ कॉनकाकैफ चैंपियंस कप मैच के दौरान लगी थी। उस मैच में इंटर मियामी 3-1 से विजयी हुआ और मेसी ने एक गोल किया था। उन्हें नैशविले पर जीत में आधे समय के बाद सब्स्टिट्यूट किया गया था और वॉशिंगटन में डीसी यूनाइटेड पर मियामी की जीत से चूक गए। उनकी अनुपस्थिति में बार्सिलोना के पूर्व स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने दो गोल दागकर मियामी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी खुद पर ली थी। मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने वॉशिंगटन पर अपनी टीम की जीत के बाद संकेत दिए थे कि मेसी मार्च में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं खेल पाएंगे और टीम यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वह अगले महीने होने वाले कॉनकाकैफ चैम्पियंस कप क्वार्टर फाइनल के लिए फिट हो जाएं। मार्टिनो ने कहा था, यह साफ है कि उन्हें कॉनकाकैफ चैम्पियंस कप के क्वार्टर फाइनल में खेलना है और वह भी इसी का लक्ष्य रख रहे हैं।

वह शीर्ष जेवलिन थ्रोअर हैं..., पाक के नदीम का भाला टूटा तो नीरज ने नए को लेकर दी यह सलाह

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम भालाफेंक की दुनिया के स्टार एथलीट हैं। हालांकि, किसी किसी इवेंट में दोनों की दोस्ती भी देखने को मिल जाती है। मौका मिलने पर नीरज नदीम की मदद करने से कभी नहीं थकते हैं। चाहे वह टोक्यो ओलंपिक हो या फिर विश्व चैंपियनशिप नीरज को नदीम से हाथ मिलाते और गले मिलते देखा गया था। दोनों ही टूर्नामेंट के इतर अपनी खुशमिजाजी और सौहार्द के लिए जाने जाते हैं। दोनों मैदान में भयंकर प्रतियोगी हो सकते हैं, लेकिन एक-दूसरे के लिए अपने मन में सम्मान रखते हैं।

अरशद नदीम और नीरज चोपड़ा दोनों आगामी सीजन के लिए तैयारी कर रहे हैं। चोपड़ा इस समय तुर्किये में ट्रेनिंग कर रहे हैं, जबकि 27 वर्षीय नदीम की तैयारियों में रोड़ा अटक गया है। पाकिस्तानी खिलाड़ी ने हाल ही में कहा था कि वह कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर का भाला लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और पिछले सात से आठ साल से पुराने का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, नीरज यह सुनकर हैरान हैं।

पिछले साल बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नदीम को पीछे छोड़ स्वर्ण जीतने वाले नीरज ने हाल ही में साई मीडिया के साथ एक विशेष बातचीत में कहा, यह विश्वास करना कठिन है कि वह एक नया भाला हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी साख को देखते हुए, यह एक बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए। बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में नीरज के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले अरशद नदीम ने हाल ही में मीडिया से कहा था, मेरा भाला टूट गया है और मैंने राष्ट्रीय महासंघ और मेरे कोच से पेरिस ओलंपिक से पहले इसके बारे में कुछ करने के लिए कहा है।

नदीम ने कहा, जब मैंने 2015 में शुरुआत की थी, तभी मुझे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने के लिए मुझे यह भाला मिला था। ओलंपिक खेलों में पदक जीतने का लक्ष्य रखने वाले एक

अंतरराष्ट्रीय एथलीट के लिए आपको उचित उपकरण और प्रशिक्षण सुविधाओं को मुहैया कराने की आवश्यकता होती है। नीरज के पूरे प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय दौरों का खर्च भारतीय खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम द्वारा दिया जाता है। उन्हें लगता है कि नदीम पाकिस्तान का गौरव हैं और उनका समर्थन किया जाना चाहिए।

90.18 मीटर थ्रो के साथ अरशद नदीम ने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष स्थान हासिल किया था। साथ ही एक नया भाला फेंक रिकॉर्ड बनाया था। इसके साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के पाकिस्तान का 60 साल का इंतजार खत्म हुआ।

उन्होंने कहा, ऐसा नहीं हो सकता कि उनके (अरशद) पास भाला खरीदने का साधन नहीं है। वह एक चैंपियन हैं और कुछ ब्रांड एंडोर्समेंट तो कर रहे होंगे। मुझे लगता है कि उन्होंने अगर थोड़ा पैसा भी कमाया है तो उसे इस्तेमाल करें। हां, लेकिन उनकी सरकार अरशद की जरूरतों को देख सकती है और उनका समर्थन कर सकती है जैसे मेरी सरकार कर रही है।

नीरज ने कहा, इसके अलावा अरशद एक शीर्ष भाला फेंकने वाला खिलाड़ी है और मुझे विश्वास है कि भाला निर्माता उन्हें स्पॉन्सरकरने और उन्हें भाला देने से अधिक खुश होंगे, जो भी वह चाहते हैं। यह मेरी तरफ से सलाह है बस। अगर सब कुछ ठीक रहा तो आगामी पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक में एशिया के एथलीट्स उपलब्धि हासिल करते हुए दिख सकते हैं। नीरज के अलाव भारत की ओर से किशोर जेना अगुआई करते दिखेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में पांचवें स्थान पर रहे नदीम पेरिस में 90 मीटर से अधिक की थ्रो को दोहराने की कोशिश में होंगे और आमतौर पर यूरोपीय लोगों के वर्चस्व वाले इस खेल में गंभीर खतरा पैदा करेंगे। दिसंबर 2022 में नदीम का यूके में कोहनी का ऑपरेशन हुआ था। पिछले साल नदीम ने घुटने का ऑपरेशन कराया था और हांगझोऊ एशियाई खेलों में भाग नहीं लिया था, जिसमें नीरज ने स्वर्ण पदक जीता था। आउटडोर भाला फेंक का सत्र मई में डायमंड लीग के दोहा चरण से शुरू होगा।

कोहली की जबरा फैन ने रचा दिया इतिहास चर्चा में श्रेयांका

नई दिल्ली,19 मार्च ।

रॉयल चैलेजर्स बेंगलोर (आरसीबी) पर आखिर भाग्य मुस्कुराया और टीम चैंपियन बन गई। डब्ल्यूपीएल के फाइनल में आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टीम की एलिस पैरी जहां सर्वाधिक 331 रन बनाकर ऑरेंज कैप होल्डर बनीं, जबकि 21 साल की श्रेयांका पाटिल ने पर्पल कैप (8 मैच में 13 विकेट, औसत 12.08) के साथ एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बनकर अपने रुतबे को बढ़ाया। फाइनल में श्रेयांका ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर चार विकेट लिए जिसमें विपक्षी कप्तान और टूर्नामेंट की नंबर 2 टॉप स्कोरर मेग लेनिंग का विकेट शामिल था। सिलिकॉन वैली की श्रेयांका को इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किए तीन माह ही हुए हैं, लेकिन अपने दमदार प्रदर्शन से उन्होंने 'लंबी पारी' खेलने का संकेत दिया है। दाएं हाथ की ऑफ स्पिनर और बैटर ने दो वनडे इंटरनेशनल में चार और छह टी20आई में आठ विकेट हासिल किए हैं। महज 10 लाख रुपये में आरसीबी से जुड़ीं श्रेयांका ने पहले सेशन में ही छह विकेट और अच्छे स्ट्राइक रेट से 62 रन बनाकर चमक दिखा दी थी। अपने दूसरे डब्ल्यूपीएल में आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम योगदान देने वाली श्रेयांका की नेटवर्थ करीब 35 लाख रुपये आंकी गई है। विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग में भाग लेने वाली श्रेयांका भारत की पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। उन्होंने ऐसी पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा है। जिसे इंटरनेशनल क्रिकेट में एंट्री से पहले ही किसी विदेशी लीग में करार की पेशकश की गई। 2023 के विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग सीजन में श्रेयांका ने गुयाना अमेजन वारियर्स की ओर से खेलकर 5 मैच में 9 विकेट लिए थे और वे टूर्नामेंट की सबसे अधिक विकेट लेने वाली बॉलर थीं। 31 जुलाई 2002 को जन्मी श्रेयांका की वैसे बचपन से क्रिकेट में रुचि थी लेकिन आईपीएल देखने और विराट कोहली से मिलने के बाद उन्होंने इसमें करियर बनाने के बारे में गंभीरता से सोचा। श्रेयांका के पिता राजेश पाटिल बिजनेसमैन हैं।

चोट के कारण आईपीएल से बाहर हुआ रांची का क्रिस गेल, गुजरात टाइटंस ने मोटी रकम देकर खरीदा था

रांची,19 मार्च (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2024 का संस्करण 22 मार्च से शुरू हो रहा है। इस लेकर पहले चरण का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। सभी टीमें प्लेईंग 11 को लेकर अपनी रणनीति बनाने में जुटी हैं। वहीं झारखंड के ट्राइबल क्रिकेटर रॉबिन मिंज आईपीएल 2024 के पहले चरण से बाहर हो गए हैं। दरअसल रांची के रहने वाले और रॉबिन मिंज अपने शहर रांची में ही 3 मार्च को बाइक से गिरने की वजह से चोटिल हो गए थे।

इसकारण उनके पैर और कंधे में चोट लगी थी। हालांकि चोट के बाद रोबिन अपनी टीम गुजरात टाइटंस में शामिल हो गए थे, लेकिन प्रैक्टिस के दौरान उनकी चोट उभर कर सामने आने लगी। जांच के बाद अब रोबिन के आईपीएल के पहले चरण से बाहर होने की खबरें आने लगी, हालांकि बताया जा रहा है की रॉबिन आईपीएल 2024 के पूरे संस्करण में नहीं खेल पाएंगे।बता दें कि रॉबिन को गुजरात टाइटंस ने नीलामी के दौरान 3.60 करोड़ में खरीदा था।

हालांकि कुछ दिन पहले ही गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा का बयान खूब वायरल हो रहा था जिसमें उन्होंने रोबिन के आईपीएल से बाहर होने की खबरों की पुष्टि की थी। दरअसल छक्के लगाने में माहिर रॉबिन के आईपीएल से बाहर होने से उनके

झारखंड के फैंस बेहद मायूस हैं, क्योंकि इन सभी को उम्मीद थी कि आईपीएल में रॉबिन के बल्ले का जादू उन्हें देखने को मिलेगा।

रॉबिन विकेटकीपर होने के साथ-साथ बांए हाथ के बल्लेबाज हैं। इतना ही नहीं धोनी भी उनकी बल्लेबाजी की जमकर तारीफ कर चुके हैं। रॉबिन को रांची का क्रिस गेल कहा जाता है। क्योंकि मैदान पर छक्के लगाना उन्हें बेहद पसंद है। रोबिन के पिता रांची एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं।

गणपति के आगे नतमस्तक हुए दिग्गज बॉक्सर फ्लॉयड मेवेदर, मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई,19 मार्च (एजेंसियां) ।

दुनिया के बेहतरीन और दिग्गज मुक्केबाजों में शुमार फ्लॉयड मेवेदर जूनियर फिलहाल भारत के यात्रा पर हैं। उन्होंने मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। इतना ही नहीं उन्होंने वहां फल और शॉल भी भगवान को चढ़ाया। इसके बाद पंडितों ने उन्हें प्रसाद की एक टोकरी दी और साथ ही शॉल उनके गले में लपेट दिया। मेवेदर ने गणपति बप्पा के दरबार में सिर झुकाकर प्रणाम किया।

भारत आकर काफी उत्साहित हैं मेवेदर

मेवेदर भारत आकर काफी उत्साहित हैं और उन्होंने कहा था कि वह इस साल भारत में एक प्रदर्शन मुकाबला खेलना चाहते हैं। 47 साल के मेवेदर ने देश विदेश में मुक्केबाजी में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। प्रोफेशनल बॉक्सिंग में उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। उनका रिकॉर्ड फिलहाल 50-0 का है। इसमें से 27 मुकाबले नॉकआउट के रहे हैं। भारत में खेलने की इच्छा जता चुके हैं मेवेदर भारत में खेलने की अपनी इच्छा को लेकर मेवेदर ने कहा- बेशक यह

संभव है। हम एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी की तलाश कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह एक भारतीय मुक्केबाज से भिड़ने को तैयार हैं उन्होंने कहा- मेरी टीम है। वह अपना काम कर रही है। इसमें समय लगेगा, लेकिन हम सर्वश्रेष्ठ प्रतिद्वंद्वी चुनेंगे। हम नहीं जानते कि प्रतिद्वंद्वी भारत से होगा या किसी और देश से। कई खिताब जीत चुके हैं मेवेदर अमेरिका के रहने वाले मेवेदर के नाम 15 विश्व चैंपियनशिप खिताब और लाइनियल चैंपियनशिप खिताब हैं। उन्होंने 2017 में संन्यास लिया था और इसके बाद वह कई प्रदर्शन मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 1996 ओलंपिक में फेदरवेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने तीन बार अमेरिकी गोल्डन ग्लव्स खिताब जीते (लाइट फ्लाईवेट, फ्लाईवेट और फेदरवेट में)। मेवेदर अपनी गति, सहनशक्ति, रक्षा और अपनी शानदार योजना के लिए जाने जाते हैं। 2017 में उन्होंने प्रदर्शन मैच में रिंग में वापसी की थी ।

दुनिया की दूसरे नंबर की टेनिस खिलाड़ी सबालेंका के बॉयफ्रेंड की मौत, 42 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

मियामी,19 मार्च (एजेंसियां) ।

टेनिस जगत से एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुनिया की दूसरे नंबर की टेनिस खिलाड़ी बेलारूस के बॉयफ्रेंड कॉन्सर्टेंटिन कोल्तसोव की मौत हो गई है। कोल्तसोव बेलारूस टीम के पूर्व आइस हॉकी खिलाड़ी हैं। उनका करीब 18 साल का करियर रहा था। वह नेशनल हॉकी लीग में पीट्सबर्ग पेंग्विन्स के लिए तीन सीजन खेल चुके हैं। वह 2002 से 2006 तक इस टीम का हिस्सा रहे थे। इसके साथ ही 2002 और 2010 में विंटर ओलंपिक में बेलारूस टीम का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं।

2016 में अपने प्रोफेशनल करियर को खत्म करने के बाद उन्होंने कई टीमों के लिए कोचिंग भी की। हाल फिलहाल में वह कोन्टिनेंटल हॉकी लीग में सलावात यूलाएव उफा टीम के असिस्टेंट कोच भी रही थे। 2022 से 2024 तक उन्होंने इस पद को संभाला था। हालांकि,

अब तक यह पता नहीं चल सका है कि कोल्तसोव औपर सबालेंका के बीच रिलेशनशिप कैसे शुरू हुआ था, लेकिन दोनों 2021 से साथ हैं। दोनों ने जून 2021 में अपने रिलेशनशिप को पब्लिक कर दिया था। दोनों सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते रहते थे। कोल्तसोव सबालेंका से 17 साल बड़े थे।

सबालेंका फिलहाल मियामी ओपन का हिस्सा हैं और इस टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त हैं। कोल्तसोव हाल ही में सबालेंका से मियामी में मिले भी थे और मियामी ओपन के लिए उनका उत्साह बढ़ाया था। हालांकि, अब बेलारूस और रूस के मीडिया रिपोर्ट्स में कोल्तसोव की मौत की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोल्तसोव की मियामी में ही मौत हुई है, लेकिन इसका कारण अब तक सामने नहीं आ सका है। कोल्तसोव की कोचिंग में खेल चुकी सलावात यूलाएव टीम ने एक स्टेटमेंट जारी किया है और उन्होंने अपने पूर्व कोच को श्रद्धांजलि दी है। टीम का कहना है कि वह इस खबर से चौंक गए हैं। साथ ही इस मुश्किल घड़ी में उनके दोस्तों और परिवार वालों को सहानुभूति दी है।

क्लब ने लिखा- गहरे दुख के साथ हम आपको सूचित कर रहे हैं कि सलावात यूलाएव कोच कोल्तसोव का निधन हो गया है। वह एक मजबूत और हंसमुख व्यक्ति थे। उन्हें खिलाड़ियों, सहकर्मियों और फैंस द्वारा प्यार और सम्मान दिया जाता था। कोल्तसोव ने हमेशा के लिए खुद को हमारे क्लब के इतिहास में दर्ज कर लिया है। यूलाएव के हिस्से के रूप में कोल्तसोव ने रूसी चैंपियनशिप और गगारिन कप जीता और टीम के कोचिंग स्टाफ के रूप में बहुत अच्छा काम किया।

पीएसएल में ड्रेसिंग रूम में बैठकर सिगरेट पीते हुए नजर आए इमाद वसीम

लाहौर । पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में इस्लामाबाद युनाइटेड की ओर से खेल रहे इमाद वसीम ने मुल्तान सुल्तान्स के खिलाफ अच्छे गेंदबाजी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई पर इस दौरान वह विवादों में भी फंस गये। इस मैच में अंतिम गेंद पर चौका लगाकर इस्लामाबाद ने मुल्तान को 2 विकेट से हरा दिया। इमाद ने इस मैच में 5 विकेट लेने के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी की पर अपने ओवर पूरे करने के बाद वह ड्रेसिंग रूम में सिगरेट पीते नजर आये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इस प्रकार सिगरेट पीने वाले इमाद वसीम एकमात्र खिलाड़ी नहीं हैं। इससे पहले भी कई खिलाड़ियों को ऐसा करते हुए देखा गया है। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स भी इसी प्राकर सिगरेट पीते दिखे थे। स्टोक्स को 2019 एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में सिगरेट पीते देखा गया था। इसमें तब मेजबान इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मैच बराबरी पर रहा था। पाई। ऐसे में हुए सुपन ओवर में इंग्लैंड को 241 रन तक पहुंचाने में स्टोक्स ने अहम भूमिका निभाई थी। तब सुपर ओवर से पहले जब वह ड्रेसिंग रूम में लौटे तो माहौल काफी ज्यादा तनावपूर्ण था। हर कोई दबाव में था। उस समय स्टोक्स सिगरेट के कश लगाते देखा गया था। उन्होंने मॉर्गन मेन: द इंसाइड स्टोरी ऑफ इंग्लैंड राइज फ्रॉम क्रिकेट वर्ल्ड कप ह्यूमिलिएशन टू ग्लोरी नाम की किताब में इस बात का खुलासा किया है। तब स्टोक्स को सुपर ओवर से पहले ड्रेसिंग रूम के पीछे जाकर शावर एरिया में एक सिगरेट पी थी।

2019 के लोकसभा चुनाव का फ्लैशबैक

वर्तमान आंकने के लिए अतीत में झांकना जरूरी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। देश में लोकसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। निर्वाचन आयोग ने शनिवार (16 मार्च) को देश में लोकसभा चुनावों की घोषणा कर दी। इसके लिए 19 अप्रैल से सात चरणों में मतदान होगा। नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। यह दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया होगी। 16 मार्च को चुनाव की घोषणा से लेकर 4 जून को परिणाम घोषित होने तक की पूरी चुनाव प्रक्रिया 80 दिन की होगी।चुनाव की घोषणा के साथ ही सियासी हलचलें भी तेज हो चुकी हैं। केंद्र की सत्ताधारी भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण भारत में चुनावी कार्यक्रम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर रविवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन के दलों का मुंबई में जमावड़ा लगा।

चुनावों का शिड्यूल एक बार फिर देखते चलें। पहला चरण: 19 अप्रैल को 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीट पर मतदान होगा। दूसरा चरण: 26 अप्रैल को 13 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 89 सीट पर मतदान होगा। तीसरा चरण: 7 मई को 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 94 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा। चौथा चरण: 13 मई को 10 राज्यों के 96 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा। पांचवां चरण: 20 मई को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। छठा चरण: 25 मई को सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 57 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। सातवां चरण: 1 जून को आठ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की 57 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। नतीजे: 4 जून को मतों की गिनती होगी।

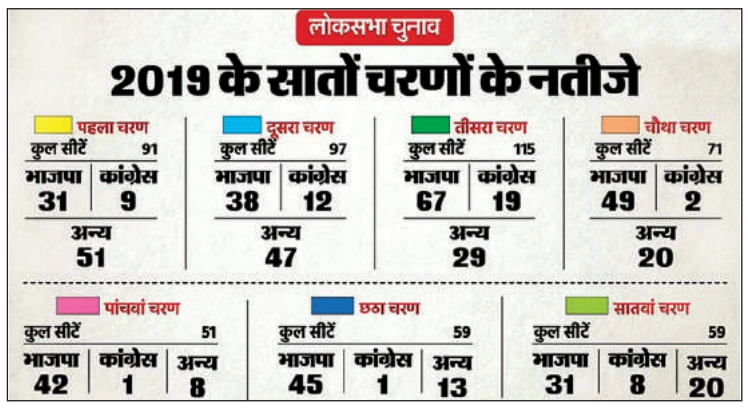

वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कुल 91 सीटों के लिए मतदान कराए गए थे। इनमें से 31 सीटें भाजपा के खाते में गई थीं। वहीं, कांग्रेस के महज 9 उम्मीदवार जीतने में सफल रहे थे। इसके अलावा 51 सीटों पर अन्य दलों ने कब्जा जमाया था। 2019 में दूसरे चरण में 97 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान संपन्न हुए थे। इनमें से 38 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीते थे। वहीं कांग्रेस के खाते में 12 सीटें गई थीं। इसके अलावा 47 सीटों पर अन्य दलों के उम्मीदवारों को जीत हासिल हुई थी। 2019 में तीसरे चरण में 115 सीटों पर मतदान हुए थे। इनमें से भाजपा ने सबसे ज्यादा 67 सीटें कब्जाई थीं। दूसरी ओर कांग्रेस के महज 19 उम्मीदवार ही जीत सके थे। 29 सीटों पर अन्य उम्मीदवारों को जीत मिली थी। बीते लोकसभा चुनाव के दौरान चौथे चरण के मतदान 71 सीटों पर कराए गए थे। इनमें से भाजपा के सबसे ज्यादा 49 प्रत्याशी विजयी हुए थे। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के मात्र 2 प्रत्याशी ही जित दर्ज कर सके थे। वहीं बाकी 20 सीटें अन्य दलों के खाते में गई थीं। 2019 लोकसभा चुनाव में पांचवें चरण के मतदान में 51 सीटें कवर की गई थीं।

इनमें से 42 सीटें भाजपा ने कब्जाई थी। कांग्रेस पांचवें चरण वाली सीटों पर महज खाता ही खोल पाई थी। शेष 8 सीटें अन्य उम्मीदवारों ने जीती थीं। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान छठे चरण में 59 लोकसभा क्षेत्रों पर मतदान कराए गए थे। इनमें से 45 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीतकर संसद पहुंचे थे। कांग्रेस केवल एक सीट पर ही जीत दर्ज कर सकी थी। बाकी 13 विजयी उम्मीदवार अन्य दलों के थे। 2019 में सातवें चरण में भी 59 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया हुई थी। सातवें चरण की 59 सीटों में से 31 पर भाजपा को सफलता मिली थी। कांग्रेस के महज आठ उम्मीदवार ही चुने गए थे।

अखिलेश यादव की बेटी अदिति की राजनीति में एंट्री की तैयारी

परिवारवाद में होने वाली एक और एंट्री

मैनपुरी, 19 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव को भी राजनीति में प्रवेश कराने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। भारतीय राजनीति में परिवारवाद का एक और अध्याय शुरू होने वाला है। राजनीति में परिवारवाद के पुरोधा परिवारों में लालू परिवार से बड़ा नाम मुलायम परिवार का है।

लोकसभा चुनाव 2024 में मुलायम सिंह यादव के परिवार से एक और सदस्य की राजनीति में एंट्री के लिए नींव मजबूत की जा रही है।

अखिलेश और डिंपल यादव की बेटी 22 वर्षीय अदिति यादव इन दिनों अपनी मां डिंपल यादव के साथ चुनाव प्रचार में खूब नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं वे अपनी मां को इतनी गंभीरता से सुनती हैं जिससे माना जा रहा है कि वे राजनीति की शिक्षा ले रही हैं।

यूं तो मुलायम परिवार की तीन पीढ़ियां सियासत की ऊंचाइयां छू चुकी हैं, लेकिन अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और सांसद डिंपल यादव की बेटी अदिति यादव भी राजनीति का ककहरा सीख रही हैं। सैफई परिवार से मुलायम सिंह यादव ने सियासत में कदम रखा था। इसके बाद भाई शिवपाल सिंह यादव और प्रो.रामगोपाल यादव भी राजनीति में आए। फिर नंबर आया दूसरी पीढ़ी यानी बेटे अखिलेश यादव और भतीजे धर्मेंद्र यादव का। इसके बाद बहू डिंपल यादव भी राजनीति में उतर आईं। तीसरी पीढ़ी के रूप में मुलायम सिंह के पोते तेजप्रताप यादव ने मैनपुरी से 2014 के लोकसभा उप चुनाव में जीत हासिल कर संसद की सीढ़ी चढ़ी। अब सैफई परिवार का एक नया सदस्य सियासत का ककहरा सीख रहा है।

कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचीं अदिति यादव चाहतीं तो मंच पर मां डिंपल यादव के साथ भी बैठ सकती थीं। लेकिन उन्होंने अपनी जगह नीचे कार्यकर्ताओं के बीच बनाई। कुछ महिला कार्यकर्ताओं के बीच वे सादगी से बैठीं नजर आईं। या यूं कहें कि कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर वे उनसे जुड़ने की कोशिश करती नजर आईं। कारण चाहे जो भी हो लेकिन लोगों के बीच अदिति यादव के राजनीति में आने की चर्चाओं ने जोर जरूर पकड़ लिया है।

जब बसपा ने हथिया लिए कांग्रेस के भी दलित वोट

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)। दुविधाग्रस्त कांग्रेस के मुस्लिम वोट का ज्यादातर हिस्सा मुलायम झपट ले गए। बसपा के उभार ने कांग्रेस के दलित वोटों में सेंधमारी कर दी। अगड़ी और गैर यादव पिछड़ी जातियों का ज्यादातर वोट राम मंदिर के कारण भाजपा के साथ लामबंद हो गया।बसपा नेता मायावती चार बार प्रदेश की मुख्यमंत्री भी बनीं। तीन बार भाजपा के सहयोग से और एक बार अपने बलबूते। बदले समीकरण में मुलायम तीन बार मुख्यमंत्री बने। एक बार उनके पुत्र अखिलेश भी सीएम बने। बीच में कुछ वर्षों के लिए भाजपा की लोकप्रियता में कुछ गिरावट दिखाई दी, तो लोगों को लगा कि राम मंदिर का असर कम हो रहा है। पर, शायद इसकी वजह भाजपा खुद थी। इसके पीछे शायद कारण था भाजपा के तत्कालीन नेतृत्व का मंदिर मुद्दे को कभी घोषणापत्र में शामिल करना और कभी बाहर रखना। आडवाणी के सोमनाथ से अयोध्या रथयात्रा के सारथी रहे नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद यही साबित हो रहा है।मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद वाराणसी, काठमांडू और केदारनाथ की यात्राओं से राजनीति को हिंदुत्व पर केंद्रित करना शुरू कर दिया। खासतौर पर 2019 में सर्वोच्च न्यायालय से राम मंदिर के पक्ष में फैसला आने के बाद उन्होंने जिस तरह देश की राजनीति और विदेशों के लिए देश की कूटनीति को राम के सरोकारों से

भारतीयता एवं हिंदुत्व के रंगों से सराबोर किया, उसके निहितार्थ बहुत व्यापक हैं।यही वजह रही कि गैर कांग्रेसवाद के शिल्पकार आचार्य नरेंद्र देव, डॉ. राममनोहर लोहिया, चौधरी चरण सिंह के गृह राज्य में इनके राजनीतिक विरासत पर दावा करने वाले मुलायम सिंह यादव जैसे नेता की समाजवादी पार्टी को कांग्रेस के साथ खड़ा होने को मजबूर कर दिया है। समाजवाद के नाम पर जो डॉ. लोहिया 70 के दशक में नेहरू और कांग्रेस को रोकने के लिए तत्कालीन जनसंघ से मिलकर चुनाव लड़ रहे थे, उन्हीं के चिंतन से निकलने का दावा करने वाली समाजवादी पार्टी वोटों की गणित से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सत्तारूढ़ होने से रोकने के लिए कांग्रेस के साथ खड़ी है।कांग्रेस भी यह भूलकर कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ही के विदेशी मूल का मुद्दा उठाने के कारण सोनिया गांधी प्रधानमंत्री बनते-बनते रह गई थीं, समाजवादी पार्टी से गलबहियां किए घूम रही है। वर्ष 1980 में गठन के बाद हुए लोकसभा के लगातार दो चुनाव में उत्तर प्रदेश में एक भी सीट न पाने वाली भाजपा 2014 और 2019 में लोकसभा के लगातार दो चुनावों में क्रमशः 71 और 62 सीटें हासिल कर केंद्र में सरकार बना चुकी है। सहयोगियों की सीटें जोड़ दें तो यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा।

अकेले रह जाएंगे पशुपति पारस, एनडीए के टिकट का विकल्प बाकी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने सोमवार को बिहार की 40 लोकसभा सीटों के घटक दलों में बंटवारे की घोषणा की और मंगलवार को एक केंद्रीय मंत्री का इस्तीफा हो गया। शायद इससे ज्यादा बवाल भाजपा के अंदर में नहीं है। अंदर-अंदर यही माना जा रहा है। बाहर समझाने की कोशिश हो रही है, ताकि घर फूटने पर कोई लूटने नहीं चला आए। दरअसल, बिहार की 40 सीटों के बंटवारे के साथ एनडीए के सबसे बड़े दल भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा खेला कर दिया। खेला सीट बंटवारे में सीटों के चयन का है। इस बंटवारे में तीन सांसदों का टिकट कैंसिल करते हुए तीन को वेटिंग में छोड़ दिया गया। वह वेटिंग शायद पशुपति कुमार पारस नहीं समझ सके। बहुत चौंकने वाली बात नहीं होगी कि बाकी दो वेटिंग इस बात को समझ जाएं।

केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले पशुपति कुमार पारस ने पिछले हफ्ते बिहार में प्रेस से बात की तो अपने लिए हाजीपुर, प्रिंस राज के लिए समस्तीपुर और चंदन सिंह के लिए नवादा की सीट कन्फर्म बताई। मतलब यह साफ कहा कि वह तीनों अपनी सीटों से ही लड़ेंगे। उनकी ही बात अगर एक हद तक आगे सही हो जाए तो अजूबा नहीं। वह आज शाम बिहार आकर लालू यादव और तेजस्वी यादव से मिलने की योजना में हैं। लेकिन, भाजपा भी उन्हें आसानी से जाने नहीं देना चाह रही है। इसके लिए भाजपा ने विकल्प खोल रखे हैं। इसे समझने के लिए की वह खबर याद कर सकते हैं, जिसमें पशुपति कुमार पारस को उनके गृह जिला खगड़िया से मौका मिलने की बात कही गई थी। बाकी, सोमवार को जब सीटों की घोषणा की गई तो यह सब एनडीए ने देखकर ही घोषित किया। ऐसे में अब सबकुछ पारस पर निर्भर है। वह हाजीपुर की जिद छोड़ खगड़िया से हाथ आजमाएं तो मौका मिल सकता है। भाजपा मान रही है कि अब सिर्फ यही एक रास्ता है कि वह पीएम मोदी के गुड बुक में कायम रह सकते हैं। यही उन्हें समझाया जा रहा है। फैसला आज से कल तक हो जाएगा।

भाजपा ने शिवहर सीट से रमा देवी को बेटिकट किया। यह सीट मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड को देने की घोषणा होते-होते बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह की पत्नी लवली आनंद ने पार्टी ज्वाइन कर ली। मतलब, राजपूतों को मनाने का रास्ता पक्का कर लिया गया। गया सीट जदयू से लेकर हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा-सेक्युलर को देने से भूतपूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को प्रसन्न कर लिया गया। इसी तरह, उपेंद्र कुशवाहा की पसंदीदा सीट काराकाट जदयू से लेकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा को दी गई। अब पूर्व केंद्रीय मंत्री कुशवाहा भी इससे खुश हैं। यह है टिकट कैंसिल करने के फायदे की बात।भाजपा ने हाजीपुर सीट चिराग पासवान को भले दी, लेकिन लोक जनशक्ति पार्टी की सीट छह से पांच होने के बावजूद खगड़िया सीट उससे नहीं छीनी। यह सीट एक तरह से पशुपति पारस को ध्यान में रखकर छोड़ी गई है। नवादा सीट लोजपा से ली गई, वहां से बाहुबली सूरजभान सिंह के भाई चंदन सिंह सांसद हैं। चंदन सिंह अगड़ी जाति से हैं, इसलिए वह चिराग पासवान की छोड़ी जमुई सीट पर नहीं जा सकते। उन्हें सोचना पड़ेगा। वैसे, उनके लिए भी शायद चिराग पासवान के साथ जाने का फैसला लेना बहुत मुश्किल नहीं। चिराग के पास वैशाली सीट भी है, हालांकि वहां की सांसद वीणा देवी की दावेदारी तो है ही। उधर, दिवंगत रामविलास पासवान के भतीजे प्रिंस राज को सोचना नहीं पड़ेगा। उनकी समस्तीपुर सीट को चिराग पासवान के पास छोड़ा गया है।राम विलास पासवान के निधन के बाद लोक जनशक्ति पार्टी जब टुकड़ों में बंटी थी तो चिराग पासवान अकेले पड़ गए थे और उनके चाचा पशुपति पारस चार सांसदों प्रिंस राज, चंदन सिंह, वीणा देवी और चौधरी महबूब अली कैसर को लेकर अलग हो गए थे।

उन्हें भाजपा ने केंद्रीय मंत्री बनाया और चिराग को किनारे छोड़ दिया। चिराग की वापसी नहीं हो पा रही थी। 2020 के चुनाव में एनडीए के घटक जदयू को नुकसान पहुंचाने के कारण चिराग पासवान सीएम नीतीश कुमार के निशाने पर थे। जब चिराग की वापसी के संकेत मिले तो वीणा देवी और फिर कैसर ने चिराग के प्रति आस्था जता दी। ऐसे में बाकी दो की आस्था और विश्वास का पता आज से कल तक चल जाएगा। पता चल जाएगा कि पारस अकेले गए या यह सब देख वापसी का फैसला लेने को मजबूर हुए।

कुछ सीटों पर सपा बदलेगी प्रत्याशी

पीलीभीत से वरुण गांधी की चर्चा

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन बुधवार से शुरू होंगे, पर अभी तक सपा ने रामपुर, मुरादाबाद और पीलीभीत के टिकट फाइनल नहीं किए हैं। बताया जा रहा है कि रामपुर और मुरादाबाद का टिकट जेल में बंद पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां की सहमति के बाद घोषित किए जाएंगे।2019 में मुरादाबाद से एसटी हसन और रामपुर से आजम खां जीते। पर, कुछ समय बाद आजम खां को एक मामले में कोर्ट ने तीन साल की सजा सुना दी। इससे आजम की सदस्यता चली गई। वर्ष 2022 में हुए उपचुनाव में भाजपा ने यह सीट सपा से छीन ली। वर्तमान में रामपुर से भाजपा के घनश्याम लोधी सांसद हैं।पहले चरण के चुनाव में आठ सीटें सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत शामिल हैं। इनमें से एकमात्र सहारनपुर सीट इंडी गठबंधन के तहत कांग्रेस के खाते में है। सपा अभी तक कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर व नगीना में अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है।मुरादाबाद से एसटी हसन के अलावा दो-तीन विधायक भी टिकट मांग रहे हैं। पिछली बार भी एसटी हसन को टिकट आजम खां के कहने पर ही दिया गया था। रामपुर और मुरादाबाद में हमेशा की तरह इस बार भी आजम खां की राय को ही अहमियत मिलेगी। शीर्ष नेतृत्व उनसे संपर्क के बाद दोनों सीटों पर प्रत्याशी घोषित करेगा।माना जा रहा है कि इस बार भाजपा पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी या सुल्तानपुर से सांसद उनकी मां मेनका गांधी में से किसी एक को ही टिकट दे सकती है।

हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन भाजपा में शामिल

रांची, 19 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। भाजपा में शामिल होते हुए सीता सोरेन ने कहा कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार छोड़कर भाजपा परिवार में जुड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में विकास हो रहा है। इसे देखते हुए ही उन्होंने भाजपा से जुड़ने का निर्णय किया। सीता सोरेन ने कहा कि झारखंड के लिए उनके पति ने जो सपना देखा था, वे उसे पूरा करने का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके पति उन्हें राजनीति में आगे बढ़ाना चाहते थे।भाजपा ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के घर बड़ी सेंध लगाई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा की पूर्व विधायक और हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने मंगलवार को अपनी पार्टी से इस्तीफा देने के बाद भाजपा का दामन थाम लिया है। उनके भाजपा खेमे में आने से पार्टी को मजबूती मिल सकती है। विशेषकर हेमंत सोरेन आदिवासियों के जिस कथित उत्पीड़न के सहारे भाजपा को मात देने की कोशिश कर रहे हैं, सीता सोरेन के खेमा बदलने के बाद जेएमएम का दांव हल्का पड़ सकता है। पिछले लोकसभा

चुनाव के दौरान भाजपा ने झारखंड की 14 में से 12 सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन पार्टी इस बार झारखंड में भी क्लीन स्वीप करने के मूड में है।भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि सीता सोरेन के आने के बाद पार्टी की राजनीतिक शक्ति बढ़ेगी। आदिवासी समुदाय के विकास के लिए सीता सोरेन की ताकत का इस्तेमाल किया जायेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आदिवासियों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। इसका असर इन वर्गों के जीवन में आ रहे बदलाव में दिखाई दे रहा है।सीता सोरेन ने अपने इस्तीफे में अपने परिवार की उपेक्षा का आरोप लगाया है। उन्होंने अपने पति दुर्गा सोरेन की मौत के बाद अपने परिवार की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए ससुर शिबू सोरेन के लिए आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा में रहते हुए भी उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर खनन मामलों में घोटाले होने के आरोप लगाए थे।सीता सोरेन के पति दुर्गा सोरेन झारखंड के बड़े नेताओं में गिने जाते थे। उनकी अगुवाई में ही झारखंड अलग राज्य बना था। लेकिन उनकी दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के बाद जेएमएम की कमान हेमंत सोरेन के हाथों में आ गई। आरोप है कि इसके बाद हेमंत सोरेन ने दुर्गा सोरेन के परिवार की उपेक्षा की और उन्हें राजनीति में आगे बढाने के लिए कोई काम नहीं किया। इससे नाराज सीता सोरेन समय-समय पर हेमंत सोरेन के खिलाफ बिगुल फूंकती रहीं और आज अंततः उन्होंने पार्टी का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हो गईं।सीता सोरेन झामुमो मुक्ति मोर्चा के प्रमुख रहे शिबू सोरेन की बड़ी बहू और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी हैं। वह दुमका की जामा विधानसभा सीट से तीन बार की विधायक हैं। लगातार विधायक होने के बावजूद हेमंत सोरेन ने अपनी भाभी को मंत्रिमंडल में कोई जगह नहीं दी। भाजपा में शामिल होने के पहले उन्होंने बाकायदा झामुमो से इस्तीफा दिया। साल 2009 में शिबू सोरेन के बड़े बेटे और झामुमो के तत्कालीन महासचिव दुर्गा सोरेन की बोकारो में संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई थी।

शीर्ष कोर्ट से शरद पवार गुट को बड़ी राहत

राकांपा में जुड़ेगा शरदचंद्र पवार का नाम

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार गुट को लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के नाम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने शरद पवार गुट को पार्टी चिह्न तुरहा बजाते व्यक्ति का उपयोग करने की भी अनुमति दी। इसके अलावा कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार और चुनाव चिह्न तुरहा बजाते व्यक्ति को मान्यता देने का निर्देश दिया।

शीर्ष कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए किसी और को चुनाव चिह्न तुरहा बजाता व्यक्ति आवंटित न करे। कोर्ट ने अजित पवार गुट से भी यह सार्वजनिक नोटिस जारी करने को कहा कि राकांपा का चुनाव चिह्न घड़ी विचाराधीन है और इसका इस्तेमाल न्यायिक निर्णय के अधीन है।

शरद पवार के धड़े की ओर से सुप्रीम कोर्ट ने याचिका लगाई थी। असमें अजित पवार गुट को निर्वाचन आयोग की ओर से दिया गया घड़ी चुनाव चिह्न का उपयोग करने से रोकने की मांग की गई थी। याचिका में रोक की मांग का आधार यह बताया कि इससे दोनों धड़ों को समान अवसर नहीं मिल रहे।

दरअसल, शरद पवार की ओर से बनाई गई राकांपा के विभाजन से पहले इसका चुनाव चिह्न घड़ी था। अब यह चिह्न अजित पवार की अगुवाई वाली पार्टी के पास है।

कोर्ट ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार नीत पार्टी के धड़े से अंग्रेजी, हिंदी और मराठी में अखबारों में नोटिस जारी करने को कहा कि घड़ी चुनाव चिह्न कोर्ट में विचाराधीन है और इसका उपयोग फैसले के आधार पर होगा। पीठ ने अजित पवार नीत धड़े से चुनाव से संबंधित सभी विज्ञापनों, बैनर और पोस्टर में भी इसी तरह की घोषणा करने को कहा।

कोर्ट ने अजित पवार की पार्टी को वास्तविक राकांपा मानने के निर्वाचन आयोग के छह फरवरी के आदेश के खिलाफ शरद पवार गुट की याचिका पर अजित पवार खेमे से चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा। शीर्ष कोर्ट ने 19 फरवरी को निर्देश दिया था कि राकांपा के शरद पवार नीत धड़े को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार नाम आवंटित करने का निर्वाचन आयोग का आदेश अगले आदेशों तक जारी रहेगा।

लोकसभा चुनावों के लिए कश्मीर मांग रहा अधिकतम सुरक्षाबल

जम्मू, 19 मार्च (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खत्म होने का दावा करने वाले सुरक्षाधिकारियों ने प्रदेश में लोकसभा चुनावों के लिए जितने अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की मांग की है वह चुनाव आयोग तथा केंद्रीय गृहमंत्रालय के लिए चौंकाने वाला है।

हालांकि इस साल मात्र दो आतंकी घटनाएं हुई हैं जिनमें से एक में चार नागरिक मारे गए थे और एक आतंकी को मार गिराया गया था। पिछले साल कश्मीर ने 134 मौतें देखी थीं जिनमें से 87 आतंकी ही थे।बावजूद इसके कश्मीर को आतंकवाद से पूरह तरह से मुक्त के होने का दावा अभी तक नहीं किया गया है। यह बात अलग है कि कश्मीर के जिन कुछ जिलों को आतंकवाद मुक्त घोषित किया गया था वहां भी बाद में आतंकी घटनाओं पर सुरक्षाधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है।

प्रदेश में चुनाव आयोग ने सुरक्षाबलों की 635 कंपनियों को तैनात करने की बात की है। लाखों अर्द्ध सैनिक बल और सेना के जवान पहले से ही प्रदेश में आतंकवाद के खात्मे के कगार पर दावों के बावजूद तैनात हैं। पर प्रदेश प्रशासन और पुलिस महानिदेशक इस संख्या को कम मान रहे हैं। प्रशासन पश्चिमी बंगाल जितने सैनिक लोकसभा चुनावों के लिए चाहता है। इसके पीछे वह कई कारण गिनाता था। पहला कारण, वह इसे दबे स्वर में स्वीकार करता था कि आतंकवाद अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है और पाकिस्तान अपने हालत से अपनी जनता का ध्यान बंटाने के लिए आतंकियों पर कुछ बड़ा करने का दबाव बना सकता है।

चुनावी बिगुल बजते ही मैदान में उतरने लगे राजनीतिक दल

जम्मू, 19 मार्च (ब्यूरो)। प्रदेश के सभी राजनीतिक दल विधानसभा चुनावों की घोषणा न होने से निराश तो जरूर हुए हैं पर वे अब लोकसभा चुनावों में अपना दमखम दिखाने को उतावले हैं। यही कारण था कि लोकसभा चुनावों का बिगुल बजते ही प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां तेजी पकड़ चुकी हैं और प्रदेश सियासी रंग में रंग गया है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अपनी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी, सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में जुट गई हैं। अपने कार्यकर्ताओं और जिला कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें आयोजित की जा रही हैं। हालांकि नेकां, पीडीपी, भाजपा और अपनी पार्टी सहित किसी ने अभी तक कश्मीर की तीन सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके नेताओं ने जिलों और कस्बों में अभियान शुरू कर दिया है।

कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने कहा कि उनका नेतृत्व आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार शुरू करेगा, हालांकि जिला स्तर के प्रमुख पहले से ही कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। कश्मीर की तीन सीटों के लिए चुनाव 7 मई से होने हैं। तीसरे चरण में अनंतनाग-राजौरी में मतदान होगा, जबकि 13 मई को चरण 4 में श्रीनगर-पुलवामा संसदीय सीटों पर मतदान होगा। चरण 5 में बारामुल्ला और 20 मई को कुपवाड़ा सीट मतदान होगा। जम्मू संभाग की उधमपुर सीट पर पहले चरण में 9 अप्रैल को मतदान होगा और दूसरे चरण में जम्मू-सांबा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा।

हारे को सहारा देने वाले बाबा खाटू श्याम

बाबा खाटू श्याम हिंदू धर्म में एक प्रसिद्ध और पूज्य देवता हैं। खाटू श्याम के मंदिर राजस्थान के खाटू गाँव में स्थित हैं, जहाँ भक्त उनकी पूजा और अर्चना करते हैं। खाटू श्याम को अधिकतर कृष्ण भक्त भारत में पूजते हैं, और उन्हें उनके निष्काम भक्ति और कृपा के लिए प्रस्तुत किया जाता है। खाटू श्याम के मंदिर में उन्हें मधुराष्टकम, आरती, और भजनों की आराधना की जाती है, और भक्तों को श्रद्धा और आनंद का अनुभव होता है। बाबा खाटू श्याम, जिन्हें श्याम बाबा और कालीचरण के नाम से भी जाना जाता है, भगवान कृष्ण का एक अवतार हैं। वे राजस्थान के सीकर जिले के खाटू में स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में विराजमान हैं।

बाबा खाटू श्याम का जन्म द्वापर युग में हुआ था। वे पांडव राजकुमार भीम और द्रौपदी के पुत्र घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक थे। महाभारत युद्ध में कौरवों और पांडवों दोनों पक्षों ने बर्बरीक को अपनी ओर से युद्ध में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। बर्बरीक ने दोनों पक्षों को मना कर दिया और कहा कि वह उस पक्ष का साथ देगा जो युद्ध में हार रहा होगा। कौरवों और पांडवों के बीच युद्ध शुरू हुआ और कौरव हारने लगे। बर्बरीक ने कौरवों की ओर से युद्ध में शामिल होने का फैसला किया। पांडवों को बर्बरीक की शक्ति का पता था और वे जानते थे कि यदि बर्बरीक युद्ध में शामिल होता है तो वे युद्ध हार जाएंगे। अर्जुन, भीम और दुर्योधन ने बर्बरीक को युद्ध से दूर रहने के लिए कहा। बर्बरीक ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया। श्रीकृष्ण ने बर्बरीक को युद्ध से दूर रहने के लिए मनाने का प्रयास किया, लेकिन बर्बरीक ने अपनी बात पर अड़ी रही। श्रीकृष्ण ने बर्बरीक से कहा कि अगर वह युद्ध में शामिल होता है तो उसे मृत्यु का सामना करना पड़ेगा। बर्बरीक ने श्रीकृष्ण से कहा कि वह मृत्यु से नहीं डरता और वह युद्ध में शामिल होने के लिए दृढ़ है। श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र से बर्बरीक का शीश काट दिया। बर्बरीक की मृत्यु के बाद श्रीकृष्ण ने बर्बरीक को वरदान दिया कि वह कलियुग में श्याम बाबा के नाम से जाना जाएगा और लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण करेगा। बाबा खाटू श्याम आज भी लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। उनके दर्शन के लिए लाखों भक्त हर साल खाटू श्याम मंदिर जाते हैं।

बाबा खाटू श्याम की पूजा बहुत ही सरल है। उन्हें फूल, फल, मिठाई और चंदन अर्पित किया जाता है। बाबा खाटू श्याम की पूजा बहुत ही महत्वपूर्ण है और उन्हें भक्ति और आदर से की जाती है। खाटू श्याम की पूजा में विशेष ध्यान देवता के मंदिर में जाकर किया जाता है. पूजा के समय, भक्त उनके मंदिर में पहुंचते हैं और उनकी मूर्ति के सामने विधिवत पूजा करते हैं. खाटू श्याम की पूजा में भक्त उन्हें अलंकृत करते हैं, उनके चारणों को प्रणाम करते हैं और मंगलारति और भजनों के माध्यम से उनकी महिमा गाते हैं. धूप, दीप, फल, फूल आदि से भोग अर्पित किया जाता है. पूजा के बाद, प्रसाद वितरित किया जाता है और भक्तों को आशीर्वाद प्राप्त होता है। खाटू श्याम की पूजा को समर्पित करने से भक्तों को आनंद, शांति, और आत्मा का प्रकाश मिलता है। यह पूजा भक्तों को उनके अभिप्रायों को पूर्ण करने में सहायक होती है और उन्हें धार्मिक उन्नति की प्राप्ति में मदद करती है।

बाबा खाटू श्याम के चमत्कार:

बाबा खाटू श्याम अपने चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध हैं। वे अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

बाबा खाटू श्याम के भजन:

बाबा खाटू श्याम के कई भजन हैं जो बहुत ही लोकप्रिय हैं। इन भजनों को सुनकर भक्तों का मन प्रसन्न हो जाता है। बाबा खाटू श्याम के भजन भक्तों को उनके निष्काम भक्ति और प्रेम में लीन करते हैं। ये भजन उनके भक्तों के द्वारा उनकी पूजा-अर्चना में प्रयोग किए जाते हैं और उन्हें खुशी और आनंद का अनुभव कराते हैं। यहाँ कुछ प्रसिद्ध बाबा खाटू श्याम के भजन हैं:

श्याम तेरे भरोसे नैन भरे
मेरे श्याम बाबा का दरबार
रंग दे मोहना
श्याम तेरे भरोसे नैन हमारे
आजा रे मेरे श्याम सावरे
बाबा तेरे चरणों में
बाबा तेरे प्यार में
श्याम सुंदर काँवरिया
श्याम तेरी बंसी का
श्यामा तेरे चरणों में

ये भजन भक्तों को भावनात्मक रूप से प्रेरित करते हैं और उन्हें खाटू श्याम की भक्ति में लीन करते हैं। बाबा खाटू श्याम की आरती भी बहुत ही लोकप्रिय है। आरती करके भक्त बाबा श्याम की स्तुति करते हैं। उनके दर्शन करने के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु खाटू श्याम मंदिर आते हैं। दर्शन करने के लिए सुबह जल्दी उठकर मंदिर जाना चाहिए।

रवि योग में आज मनाई जाएगी आमलकी एकादशी

20 मार्च को फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी है। इसे आमलकी यानी आंवला एकादशी कहते हैं। फाल्गुन महीने में आने के कारण ये हिंदी कैलेंडर की आखिरी एकादशी होती है। इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा के साथ ही आंवले का दान करने का भी विधान है। जिससे कई यज्ञों का फल मिलता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि 20 मार्च को आंवला एकादशी है। यानी इस दिन भगवान विष्णु के साथ आंवले के पेड़ को भी खासतौर पूजा जाएगा। तभी ये एकादशी व्रत पूरा माना जाता है, क्योंकि आंवले के पेड़ को हिंदू धर्म में बेहद पवित्र और पूजनीय माना जाता है। इस दिन आंवला खाने से बीमारियां खत्म होती हैं। एकादशी पर किए गए व्रत-उपवास और पूजन से घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होती हैं और सफलता मिलती है। ये व्रत भगवान विष्णु के लिए किया जाता है। आमलकी एकादशी पर विष्णु जी के साथ आंवले की और माता अन्नपूर्णा की पूजा करने की परंपरा है। इस बार ये व्रत बुधवार को आने से इस दिन गणेश जी और बुधवार ग्रह की पूजा का शुभ योग है।

बुधवार और आमलकी एकादशी के योग में विष्णु जी, आंवले का पेड़, अन्नपूर्णा माता के साथ ही गणेश जी और बुध ग्रह की पूजा भी जरूर करें। एकादशी की शाम तुलसी के पास दीपक अनिवार्य रूप से जलाना चाहिए। भगवान विष्णु की पूजा के साथ ही विष्णु जी के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करते रहें। श्रीकृष्ण का अभिषेक करें और कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें। श्रीकृष्ण के साथ गौ माता की भी पूजा जरूर करें। किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए दान-पुण्य करें। किसी मंदिर में पूजन सामग्री का सामान जैसे कुमकुम, चंदन, मिठाई, तेल-घी, हार-फूल, भगवान के वस्त्र आदि का दान करें। आमलकी एकादशी पर खाने में आंवले का सेवन जरूर करें। आंवले का रस भी पी सकते हैं। आंवले का दान भी करें। माता अन्नपूर्णा अन्न की देवी है। इस तिथि पर देवी की पूजा करें और जरूरतमंद लोगों अन्न का दान करें।

शुभ योग

आमलकी एकादशी पर काफी शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन रवि योग के साथ अतिगण्ड और पुष्य नक्षत्र बन रहा है। सुबह 06:25 मिनट से रवि योग शुरू होगा, जो रात 10:38 मिनट पर समाप्त होगा। इसके साथ ही अतिगण्ड योग सुबह से शाम 05:01 मिनट तक है। इसके अलावा पुष्य नक्षत्र रात 10:38 मिनट तक है।

रंगभरी और आमलकी एकादशी

होली से चार दिन पहले आने से इसे रंगभरी एकादशी भी कहा जाता है। इस दिन से बनारस में बाबा विश्वनाथ को होली खेलकर इस पर्व की शुरुआत की जाती है। ब्रह्मांड पुराण के मुताबिक इस दिन आंवले के पेड़ और भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है। इस दिन शुभ ग्रह योगों के प्रभाव से व्रत और पूजा का पुण्य और बढ़ जाएगा।

मिलता है यज्ञों का पुण्य

पद्म और विष्णु धर्मोत्तर पुराण का कहना है कि आंवले का वृक्ष भगवान विष्णु को बहुत प्रिय होता है। इस पेड़ में भगवान विष्णु के साथ ही देवी लक्ष्मी का भी निवास होता है। इस वजह से आमलकी एकादशी के दिन आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। मान्यता है कि इस दिन आंवले के पेड़ को पूजन और आंवले का दान करने से समस्त यज्ञों और 1 हजार गायों के दान के बराबर फल मिलता है। आमलकी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को मोक्ष मिल जाता है।

तिल, गंगाजल और आंवले से नहाने की परंपरा

इस एकादशी पर सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल की सात बूंद, एक चुटकी तिल और एक आंवला डालकर उस जल से नहाना चाहिए। इसे पवित्र या तीर्थ स्नान कहा जाता है। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। इसके बाद दिनभर व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करना चाहिए। इससे एकादशी व्रत का पूरा पुण्य फल मिलता है।

सूर्यास्त के बाद जलाएं दीपक

विष्णु जी की पूजा में तुलसी का इस्तेमाल खासतौर पर किया जाता है। मान्यता है कि तुलसी के पत्तों के बिना विष्णु जी भोग स्वीकार नहीं करते हैं, इसलिए भोग के साथ ही तुलसी जरूर रखी जाती है। एकादशी विष्णु जी की तिथि है, लेकिन इस दिन विष्णु प्रिया तुलसी की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाएं। ध्यान रखें शाम को तुलसी को स्पर्श न करें। दीपक जलाकर दूर से ही परिक्रमा करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

पूजा विधि

सुबह उठकर भगवान विष्णु का ध्यान कर व्रत का संकल्प करें। संकल्प लेने के बाद स्नान से निवृत्त होकर भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। दीपक जलाकर विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें। पूजा के बाद आंवले के पेड़ के नीचे नवरत्न युक्त कलश स्थापित करें। आंवले के वृक्ष का धूप, दीप, चंदन, रोली, फूल और अक्षत से पूजन कर किसी गरीब या ब्राह्मण को भोजन कराना चाहिए। अगले दिन स्नान कर स्नान कर पूजन के बाद कलश, वस्त्र और आंवला का दान करना चाहिए। इसके बाद भोजन ग्रहण कर व्रत खोलना चाहिए।

सनातन धर्म में भूखों को खाना खिलाना एक पुण्य कार्य माना जाता है। यह न केवल एक धार्मिक कर्तव्य है, बल्कि मानवता के प्रति भी हमारा दायित्व है। सनातन धर्म एक प्राचीन धर्म है जो भारतीय सभ्यता और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे 'अद्वैत वेदांत' का भी कहा जाता है, जिसमें ब्रह्मांड और व्यक्ति के बीच एकता का सिद्धांत है। सनातन धर्म में कई शाखाएँ, दर्शन और धाराएँ हैं जैसे कि हिंदू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, और सिख धर्म। इसके मूल तत्वों में ध्यान, ध्यान, कर्म और भक्ति का महत्व होता है। यह धर्म जीवन के उद्देश्य को मानता है, जिसमें मोक्ष और आत्मज्ञान की प्राप्ति शामिल है। सनातन धर्म के अनुयायी धर्म, अहिंसा, सहानुभूति, और समरसता के प्रति समर्पित रहते हैं।

धार्मिक महत्व: पुराणों में इस बारे में पढ़ने को मिलता है। भूखों को भोजन खिलाने का महत्व सनातन धर्म के कई ग्रंथों में बताया गया है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि जो व्यक्ति भूखे को भोजन करवाता है, उसे स्वर्ग में स्थान प्राप्त होता है। भूखों को भोजन करवाना एक धार्मिक कर्तव्य माना जाता है। हिंदू धर्म में, सभी प्राणियों को भगवान का रूप माना जाता है। भूखे को भोजन खिलाना भगवान की सेवा करने का एक तरीका है। भोजन दान को सबसे उत्तम दानों में से एक माना जाता है। कहा जाता है कि भोजन दान करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और उसे मोक्ष प्राप्त होता है।

मानवीय महत्व: सनातन धर्म में भूखों को भोजन खिलाना सबसे बड़ी मानवीय सेवा बतायी गयी है। दुनिया में आज भी लाखों लोग भूखे रहते हैं। भूखों को भोजन खिलाकर हम उनके जीवन में बदलाव ला सकते हैं। यह समाज में समानता लाने का एक तरीका है। भूखों को भोजन खिलाकर हम समाज में गरीबी और भेदभाव को कम कर सकते हैं। सहानुभूति और करुणा का भाव पैदा करता है। जब हम भूखों को भोजन खिलाते हैं, तो हम उनके दुखों को समझते हैं और उनके प्रति सहानुभूति महसूस करते हैं।

अन्नदान सनातन धर्म में एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान है। अन्नदान में, लोगों को भोजन दान किया जाता है। देवी अन्नपूर्णा को भोजन की देवी माना जाता है। देवी अन्नपूर्णा की पूजा करने से भूखों को भोजन मिलता है। सनातन धर्म में लंगर का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी को मुफ्त भोजन दिया जाता है। इसके अलावा, भूखों को भोजन खिलाने के लिए हम कई तरह के कार्य कर सकते हैं। हम अपने घर में भूखे लोगों को भोजन खिला सकते हैं, या फिर किसी अन्नदान कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। हम भूखों को भोजन खिलाने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ भी काम कर सकते हैं। भूखों को भोजन खिलाना एक छोटा सा कार्य है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा होता है। यह एक व्यक्ति के जीवन में बदलाव ला सकता है। हमें सभी को इस कार्य में अपना योगदान देना चाहिए और भूखों को भोजन खिलाकर एक बेहतर समाज का निर्माण करना चाहिए। सनातन धर्म में भूखों को खाना खिलाने का बहुत महत्व है। यह एक पुण्य कार्य है, जिसके धार्मिक और मानवीय दोनों महत्व हैं। हमें सभी को इस कार्य में अपना योगदान देना चाहिए।

गीता में कृष्ण ने बताए हैं खुश रहने के रहस्य

जान लिया तो नीरस जीवन बन जाएगा खुशहाल

तमाम उम्र खुशी की तलाश में गुजरी, तमाम उम्र तरसते रहे खुशी के लिए । अबुल मुजाहिद के इस शेर से कई लोग वाकिफ होंगे। लेकिन आखिर खुशी का अभाव जीवन में कैसे हो गया, क्यों आजकल लोग मुस्कुराना और खुश रहना जैसे भूल चुके हैं। खुश रहने के महत्व को देखते हुए और इसे बढ़ावा देने के लिए हर साल 20 मार्च के दिन को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस या अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

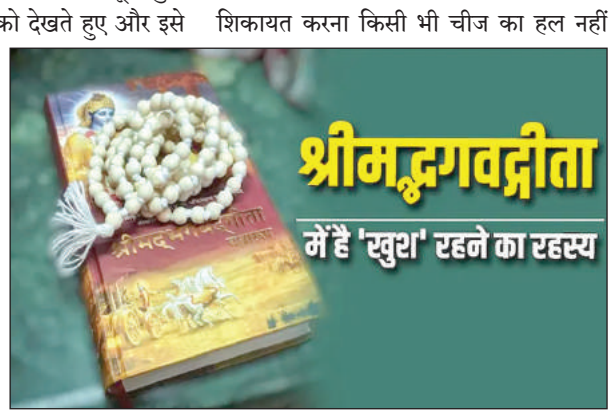

खुश रहना मानव का मूलभूत अधिकार है और हर किसी को इसके महत्व को समझना होगा। चिंता, तनाव, अवसाद आदि कारणों से लोग मानसिक रूप से परेशान रहते हैं और खुशी उनके जीवन से कोसों दूर चली जाती है। लेकिन धर्म ग्रंथों और शास्त्रों में खुश रहने के कई उपायों के बारे में बताया गया है।

इन्हीं में एक है हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर कर्म और धर्म से जुड़े कई उपदेश दिए थे। इसे गीता उपदेश कहा जाता है। गीता में ऐसी कई बातों का उल्लेख मिलता है, जिसे अमल करने वालों के जीवन से परेशानियां दूर रहती है और वे सदा खुश रहते हैं। आइये जानते हैं इसके बारे में-

खुश रहना है तो आज ही छोड़ दें ये काम

तुलना करना बंद करें : कृष्ण कहते हैं कि आप जीवन में तब तक खुश नहीं रह सकते जब तक आप अपनी तुलना किसी और से करते रहेंगे। इसलिए शास्त्रों में कहा गया है कि, ईश्वर ने आपको जितना दिया है उतने में ही खुश रहना सीखिएं। जो लोग इससे संतुष्ट हो जाते हैं और दूसरों से तुलना नहीं करते वो सदैव खुश रहते हैं।

शिकायत करना करें बंद : दूसरों से किसी की शिकायतें करना कई लोगों का स्वभाव होता है। लेकिन शिकायतें करने से किसी भी चीज को पाया नहीं जा सकता है। यानी शिकायत करना किसी भी चीज का हल नहीं है। ऐसे स्वभाव वाले लोग अपने काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं और यही उनके जीवन को नीरस बना देता है। खुश रहना है तो आपको आज से ही इस आदत का त्याग करना होगा।

न करें आलोचना : खुश रहने के लिए बेहद जरूरी है कि दूसरों की आचोलना करना बंद कर दीजिए। आलोचना करने वाले धीरे-धीरे अपनी खुशियों को नष्ट कर देते हैं। इसलिए सभी के साथ प्रेम पूर्वक और खुशमिजाज बनकर रहें।

चिंता करना : चिंता करना हर व्यक्ति का स्वभाव होता है, जोकि स्वाभाविक भी है। लेकिन अतीत में हुई घटनाओं को लेकर चिंता करना या भविष्य को लेकर हद से ज्यादा चिंतित रहना आपके लिए केवल समय की बर्बादी से अधिक कुछ भी नहीं। ऐसा करने से आप वर्तमान जीवन के खुशियों को भी खो देते हैं। इसलिए अतीत की चिंता छोड़ वर्तमान में खुश रहना सीखें।

शिल्पा शेट्टी की नई ड्रेस देख चकराया लोगों का दिमाग

एक्ट्रेस को बताया उर्फी की बहन...

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज में भी अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा रही है। अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा शिल्पा शेट्टी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं। शिल्पा शेट्टी के नए-नए लुक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होते रहते हैं। शिल्पा शेट्टी के यूनिक लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल होते हैं। अब इन सब के बीच एक शिल्पा शेट्टी का एक ऐसा लुक सामने आया है, जिसे देखने के बाद शिल्पा शेट्टी की तुलना उर्फी जावेद से की जा रही है। तो चलिए जानते हैं शिल्पा शेट्टी के नए लुक में क्या खास है।

नए लुक में नजर आईं शिल्पा शेट्टी

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी अभी हाल ही में अवॉर्ड शो में पहुंची थीं। इस इवेंट में पहुंचे के बाद शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर छा गई। इस अवॉर्ड शो से शिल्पा शेट्टी की एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में शिल्पा शेट्टी एकदम नए लुक में नजर आ रही हैं। शिल्पा शेट्टी ने एकदम अजीबोगरीब ड्रेस पहने दिखाई दीं। शिल्पा शेट्टी की इस ड्रेस को देखने के बाद लोग उन्हें देखते ही रह गए। शिल्पा शेट्टी की इस अजीबोगरीब ड्रेस में प्लास्टिक या रबड़ लगी हुई थी। जिसे देखने के बाद हर कोई हैरान हो गया। शिल्पा शेट्टी का ये नया लुक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। शिल्पा शेट्टी इस वीडियो पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं। पहले बिना देर किए शिल्पा शेट्टी का ये नया वीडियो देखते हैं, जो काफी चर्चा में हैं।

नागिन एक्ट्रेस आहना शर्मा ने करवाया बोल्ड फोटोशूट

एकता कपूर का पॉपुलर टीवी शो नागिन 5 से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस आहना शर्मा अपने बोल्ड लुक से फैंस के दिलों पर कहर बरपाती रहती हैं। आहना शर्मा बोल्डनेस के मामले में टीवी से लेकर बॉलीवुड हसीनाओं तक को टक्कर देती हैं। आहना शर्मा बेहद खूबसूरत और बोल्ड हैं। इस बीच आहना शर्मा की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें उन्होंने अपना टोंड फिगर दिखाया है।टीवी एक्ट्रेस आहना शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं।सामने आई इस तस्वीर में आहना शर्मा नागिन की तरह बलखा रही हैं। एक्ट्रेस का ये अंदाज देख फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ गई हैं। आहना शर्मा पर लोग फिदा हो गए हैं।इन तस्वीरों को देखकर ये साफ हो गया है कि आहना शर्मा ने क्वालिटी टाइम स्पेंड किया हैं। आहना शर्मा इन तस्वीरों में मौज-मस्ती करती नजर आ रही हैं।सामने आई इन तस्वीरों में आहना शर्मा कैमरे के सामने अलग-अलग पोज दे रही हैं। टीवी की नागिन आहना शर्मा का हर एक पोज इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।टीवी की नागिन आहना शर्मा की अदाएं इतनी ज्यादा कातिलाना है कि हर कोई घायल हो गया है। आहना शर्मा की फोटोज पर लोग जमकर रिएक्ट करते हुए उनकी तारीफ कर रहे हैं।

उर्फी जावेद से बोल्डनेस में एक कदम आगे निकलीं श्वेता शर्मा

एक्ट्रेस का दीदार कर उतावले हुए फैंस

भोजपुरी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी रहती हैं। इसी बीच श्वेता शर्मा का नया लुक सामने आया है। श्वेता शर्मा ने क्रॉप टॉप पहन अपनी बोल्ड फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज को श्वेता शर्मा के फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। श्वेता शर्मा की नई फोटोज आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। तो चलिए एक नजर डालते हैं श्वेता शर्मा की लेटेस्ट फोटोज पर जो सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं।श्वेता शर्मा इस तस्वीर में शॉर्ट ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं। श्वेता शर्मा का ये नया बोल्ड लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। श्वेता शर्मा इस वायरल हो रही तस्वीर में बेहद हसीन लग रही हैं। श्वेता शर्मा की इस तस्वीर को उनके फैंस जमकर शेयर कर रहे हैं।श्वेता शर्मा इस तस्वीर में कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दीं। श्वेता शर्मा का कर्वी फिगर लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है। श्वेता शर्मा इस तस्वीर में अपने टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। श्वेता शर्मा के टोन्ड लेग्स को देखने के बाद लोग देखते रह गए।श्वेता शर्मा इस तस्वीर में अपनी किलर अदाएं दिखाती हुई नजर आ रही हैं। श्वेता शर्मा की अदा पर फैंस फिदा हो गए। श्वेता शर्मा इस तस्वीर में किलर स्माइल पास करती हुई नजर आ रही हैं। श्वेता शर्मा की स्माइल ने लोगों को दीवाना बना दिया।श्वेता शर्मा इस तस्वीर में डीपनेक ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं। श्वेता शर्मा की डीपनेक ड्रेस लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है।

वरुण धवन-सामंथा रुथ प्रभु की वेब सीरीज का टाइटल होगा सिटाडेल हनी बनी

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की वेब सीरीज 'सिटाडेल' जब से अनाउंस हुई तब से चर्चा में बनी हुई है। प्राइम वीडियो की इस वेब सीरीज को लेकर फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। प्राइम वीडियो ने बीते कुछ दिनों से लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट करके बताया कि 19 मार्च को बड़े अनाउंसमेंट होने वाले हैं। अब 19 मार्च को प्राइम वीडियो ने की अनाउंसमेंट किए हैं, जिसमें वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु की वेब सीरीज का टाइटल अनाउंस किया है। वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु की वेब सीरीज का टाइटल 'सिटाडेल हनी बनी' होगा। हालांकि, अभी इस वेब सीरीज की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। आइए जानते हैं कि वेब सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' में वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के अलावा कौन नजर आएगा।

सिटाडेल हनी बनी से वरुण-सामंथा का फर्स्ट लुक आउट

प्राइम वीडियो ने 19 मार्च यानी मंगलवार को अपने इवेंट के दौरान तमाम वेब सीरीज और फिल्मों का अनाउंसमेंट किया है। इस इवेंट में वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु की मोस्ट-अवेटेड वेब सीरीज के टाइटल का भी अनाउंसमेंट हो गया है। इन स्टार्स की वेब सीरीज का टाइटल 'सिटाडेल हनी बनी' होगा। राज और डीके के डायरेक्शन में बनने वाली वेब सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' से वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के फर्स्ट लुक पोस्टर भी सामने आए हैं, जिन्होंने लोगों का ध्यान खींचा है। वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु हाथों में बंदूक और गन लिए नजर आ रहे हैं। दोनों स्टार्स काफी खतरनाक अंदाज में दिखाई दे रहे हैं।

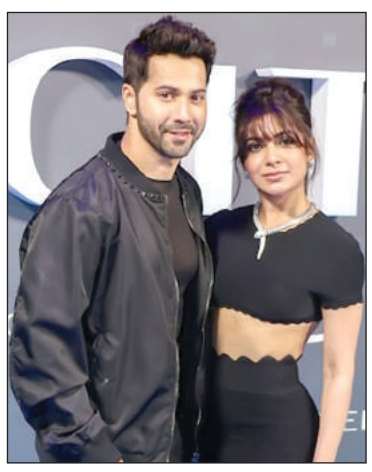

मल्होत्रा की इन 10 फिल्मों ने की बंपर कमाई

'योद्धा' की टॉप ओपनिंग वीकेंड मूवीज में हुई एंट्री

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'योद्धा' को सिनेमाघरों में पहला वीकेंड पूरा हो चुका है। फिल्म 'योद्धा' ने पहले दिन में अच्छी कमाई कर ली है। फिल्म 'योद्धा' को अच्छा मिला है और ये सिद्धार्थ मल्होत्रा की टॉप 10 ओपनिंग वीकेंड मूवीज की लिस्ट में शामिल हो गई। आइए जानते हैं कि फिल्म 'योद्धा' को सिद्धार्थ मल्होत्रा की टॉप 10 ओपनिंग वीकेंड मूवीज की लिस्ट कौन सा नंबर मिला है। यहां पर आप सिद्धार्थ मल्होत्रा की टॉप 10 ओपनिंग मूवीज की लिस्ट देख सकते हैं।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'ब्रदर्स' साल 2015 में आई थी। फिल्म 'ब्रदर्स' ने ओपनिंग वीकेंड पर 52।08 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'एक विलेन' ने फर्स्ट वीकेंड पर 50।70 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म 'एक विलेन' साल 2014 में रिलीज थी।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' साल 2012 में रिलीज हुई थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की इस फिल्म ने पहले वीकेंड पर 30।00 करोड़ रुपये कमाए थे।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'थैंक गॉड' फर्स्ट वीकेंड पर 28।78 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म 'थैंक गॉड' साल 2022 में हुई थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'कपूर एंड संस' ने साल 2016 में रिलीज हुई थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म

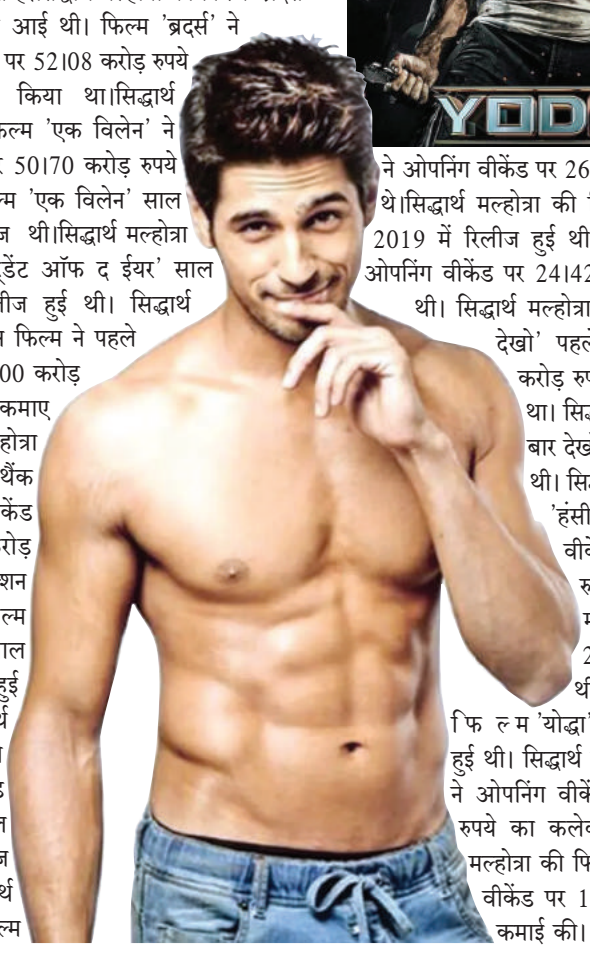

ने ओपनिंग वीकेंड पर 26।35 करोड़ रुपये कमाए थे।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'मरजावां' साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म 'मरजावां' ने ओपनिंग वीकेंड पर 24।42 करोड़ रुपये की की थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'बार-बार देखो' पहले वीकेंड पर 21।16 करोड़ रुपये की कलेक्शन किया था। सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'बार-बार देखो' साल 2016 में आई थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'हंसी तो फंसी' ओपनिंग वीकेंड पर 18।40 करोड़ रुपये कमाए थे। सिद्धार्थ मल्होत्रा की ये फिल्म 2014 रिलीज हुई थी।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'योद्धा' 15 मार्च को रिलीज हुई थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की इस फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर 17।51 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'इत्तेफाक' ने फर्स्ट वीकेंड पर 16।05 करोड़ रुपये की कमाई की।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपका प्यार, आपका जीवनसाथी आपको कोई ख़ूबसूरत तोहफ़ा दे सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। किसी धार्मिक स्थान पर जाएँ या किसी संत से मिलें, इससे आपके मन को शांति और सुकून मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद गृहणियां आज के दिन फुर्सत में शापिंग का प्लान बन सकती है । आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं। फिजूलखर्ची से आप को जरुर बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा। आज आपका कोई सहकर्मी आपको सलाह दे सकता है, हालांकि आपको यह सलाह पसंद नहीं आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच-समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। दिन के अंत में आज आप अपने घर के लोगों को वक्त देना चाहेंगे लेकिन इस दौरान घर के किसी करीबी के साथ आपकी कहासुनी हो सकती है और आपका मूड़ खराब हो सकता है. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी।अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो आपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज आप ख़ुद को अपने प्रिय के प्यार से सराबोर महसूस करेंगे। इस लिहाज़ से आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है। लेकिन अपना आपा न खोएँ, इससे सिर्फ़ आग और भड़केगी। अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। आज धार्मिक कामों में आप अपना ख़ाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। दोस्तों के साथ फ़ोन पर गपशप से बढ़िया और क्या हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा ख़र्च करना पड़ सकता है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं। आज घर पर रहेंगे लेकिन घर की उलझनें आपको परेशान कर सकती हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। घर में और आस-पास छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे।मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आज की शाम दोस्ती के नाम – कहीं बाहर आप अपने दोस्तों के साथ वक़्त का भरपूर लुत्फ़ उठा सकते हैं, लेकिन सेहत के लिहाज़ से ज़रा संभलकर रहें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। पारंपरिक रस्में या कोई पावन आयोजन घर पर किया जाना चाहिए। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 20 मार्च 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2080
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 02:25 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 10:39 तक
योग : अतिगंड सायं 05:00 तक
करण : वणिज दोपहर 01:22 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : आमलकी एकादशी व्रत, गण्डमूल रात्रि 10:39 से , भद्रा दोपहर 01:20 से रात्रि 02:23 तक , बिड़कुला ढाल थापना भद्रा के पहले

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

सिंधिया के दखल के बाद पुलिस ने घोषित किया 20 हजार का इनाम

कोटा,19 मार्च (एजेंसियां)।

कोटा शहर में नाबालिग छात्रा के अपहरण के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के 20 घंटे बाद भी नाबालिग का सुराग न लगने से परिजनों के साथ-साथ पुलिस भी खासी परेशान है। कोटा पुलिस प्रशासन ने आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज करने के साथ ही 20 हजार का इनाम घोषित कर दिया है। इसके साथ ही मामले में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के दखल के बाद पुलिस की सिरदर्दी बढ़ गई है। कोटा शहर के विज्ञान नगर थाने में मामले को लेकर खासी मशक्कत हो रही है।

वहीं दूसरी ओर छात्रा की कोई जानकारी नहीं मिलने से परिजन चिंतित और परेशान हैं। परिजनों के साथ कोटा शहर वासियों ने विज्ञाननगर थाने पर प्रदर्शन कर नाराजगी जताई। साथ ही पुलिस प्रश्न को चेतावनी भी दी की जल्द ही अपहृत छात्रा की सुरक्षित बरामदगी नहीं हुई तो प्रदर्शन उग्र होगा। परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिस मामले में सक्रिय नहीं है। अपने ढुलमुल तरीके से छानबीन कर रही है, पूछने पर मामले में जांच चल रही है, कह कर अपना पल्ला झाड़

रही है।

सामाजिक संगठन सक्रिय

इधर, कोटा शहर भर के सामाजिक संगठन सक्रिय हो चुके हैं। अपहृत छात्रा के परिजनों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। किसी भी तरह की अनहोनी की आशंका के चलते छात्रा के परिजनों को लगातार सांत्वना दी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने दी सांत्वना

मामले में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी परिजनों से फोन के जरिए बात करके मामले की जानकारी ली साथ ही कहा की बेटी सिर्फ आपकी ही नहीं है, हमारी भी है। हमारी बेटी को सही सलामत वापस लाना ही हमारी प्राथमिकता है।

कोचिंग संस्थान और हॉस्टल संचालक ने झाड़ा पल्ला

दूसरी ओर पूरे मामले में एक बड़ा ट्विस्ट ये आ रहा है कि कोटा में जिस कोचिंग संस्थान में छात्रा का एडमिशन बताया जा रहा है उस कोचिंग संस्थान ने अपने यहां छात्रा का एडमिशन होने से मना कर दिया है। वहीं हॉस्टल संचालक ने भी स्पष्ट कहा है कि यह लड़की उनके हॉस्टल में नहीं रहती। यदि रहती है तो किसी तरह का दस्तावेज दिखाया जाए। इन बातों से ऐसा लग रहा है कि कोचिंग छात्रा ने कोटा में एडमिशन भी लिया है या बिना एडमिशन के वह माता-पिता को गुमराह करके रह रही थी। पूरे मामले का खुलासा अपहरणकर्ताओं के पकड़े जाने और कोचिंग छात्रा के रेस्क्यू होने के बाद ही हो सकेगा।

हनुमानगढ़ में देसी कट्टे सहित दो युवक गिरफ्तार

पुलिस ने आर्म्स एक्ट में दर्ज किया मामला

हनुमानगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)।

हनुमानगढ़ जिले में दो देसी कट्टे (पिस्तौल) सहित दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रावतसर और जंक्शन थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो युवकों को आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। जंक्शन थाना पुलिस ने 315 बोर पिस्तौल बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार जंक्शन पुलिस थाना के एएसआई मांगेराम मोठसरा के नेतृत्व में पुलिस टीम सोमवार देर शाम को थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने जसपाल सिंह उर्फ खट्टी (27) पुत्र रामनारायण निवासी वार्ड 55, बिजली कॉलोनी, सुरेशिया, जंक्शन के कब्जे से 315 बोर का देसी पिस्तौल बरामद किया है। मौके से जसपाल सिंह उर्फ खट्टी को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया।

बाइक सवार अवैध देसी कट्टा सहित गिरफ्तार

रावतसर थाना पुलिस ने बाइक सवार युवक को अवैध देसी कट्टा (पिस्तौल) सहित गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। रावतसर पुलिस थाने के हेड कॉन्स्टेबल संजय कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम सोमवार रात्रि को गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने रावतसर कस्बे में कार्रवाई करते हुए बाइक सवार कमलदीप (22) पुत्र तरसेम सिंह निवासी वार्ड 9, रावतसर के कब्जे से अवैध देसी कट्टा बरामद किया। मौके से कमलदीप को गिरफ्तार कर बाइक जब्त की। मुकदमे की जांच एएसआई ओमप्रकाश के सुपुर्द की गई है।

राजियासर थाना पुलिस की कार्रवाई

बोलेरो सवार चार लोग 42 ग्राम स्मैक के साथ किए गिरफ्तार

धौलपुर,19 मार्च (एजेंसियां)।

श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ की राजियासर थाना पुलिस ने 42 ग्राम स्मैक के साथ बोलेरो सवार चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ थाना में एनडीपीएस में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही बोलेरो गाड़ी को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। थानाधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि एसपी गौरव यादव के निर्देशानुसार जिले में मेडिकेटेड नशा, मादक पदार्थ, जुआ सट्टा, अवैध हथियारों की धरपकड़ तथा अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस ने विशेष अभियान छेड़ रखा है। इसके साथ ही राज्य सरकार की 100 दिवसीय कार्य योजना के तहत भी कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के तहत उन्होंने कांस्टेबल भादरराम, आत्माराम, कालूराम, विनोद कुमार और

राजेंद्र कुमार के साथ राजियासर पुलिस थाना के पीछे रेलवे फाटक रोड पर नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान फाटक को क्रॉस कर सामने से आई एक बोलेरो जीप को रुकने का इशारा किया तो बोलेरो सवार घबरा गए। गाड़ी की तलाशी ली तो एक प्लास्टिक थैली में 42 ग्राम स्मैक बरामद की गई।

पूछताछ में बोलेरो सवारों ने अपनी पहचान शेराराम (29) पुत्र रामप्रताप, ओम प्रकाश (32) पुत्र मालूराम, हंसराज (33) पुत्र सुगनाराम तथा मोडाराम (35) पुत्र जोगाराम और चारों के बीकानेर जिले के लूणकरणसर थाना क्षेत्र के खोखराना गांव का निवासी होना सामने आया। जिस पर उन्हें गिरफ्तार कर जीप को भी जब्त कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल इस संबंध में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज करते हुए प्रकरण में आगे की जांच सूरतगढ़ सदर थाना अधिकारी कृष्ण कुमार को सौंपी गई है।

लोटवाड़ा गांव में पत्नी का गला रेतकर हत्या करने के बाद पति ने भी की आत्महत्या

दौसा,19 मार्च (एजेंसियां)।

दौसा जिले के सदर थाना इलाके के लोटवाड़ा गांव में बीती रात करीब डेढ़ बजे एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना के बाद पुलिस ने हत्यारोपी पति का मोबाइल नंबर ट्रेस पर लगाया तो उसकी लोकेशन नजदीक की नदी बाणगंगा में मिली। लोकेशन ट्रैक करते हुए पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि पति ने भी आत्महत्या कर ली थी। उसने कोई जहरीला पदार्थ खाकर खुद की भी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस जांच में उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में सदर थाना पुलिस पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी द्वारा सुसाइड करने के मामले की जांच करने में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार दौसा जिले के सदर थाना क्षेत्र के लोटवाड़ा गांव में जयप्रकाश गुर्जर पुत्र किशन गुर्जर ने बीती रात अपनी अनीता की किसी हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी जयप्रकाश घर से फरार हो गया था। वारदात के समय घर पर आरोपी की मां, छोटे भाई की पत्नी और दोनों भाइयों के चार बच्चे घर पर ही मौजूद थे। ऐसे में अचानक हुए इस घटनाक्रम से परिवार के सभी लोग सदमे में थे। आरोपी छोटा भाई जयपुर में काम करता है। लोगों ने जब इस हादसे की सूचना उसको दी तो छोटा भाई जयपुर से गांव पहुंचा।

नायब सैनी सरकार का कुनबा बढ़ा

चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार हो गया है। आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है। सभी की नजरें पूर्व गृहमंत्री अनिल विज पर टिकी थी, जो इस समारोह से दूर नजर आए। शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हो गया है। आज आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें एक को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है, बाकी सात को स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया है।

ये है सैनी की नई टीम

सोहना से विधायक संजय सिंह, विधायक विशंभर वाल्मीकि, सुभाष सुधा, अभय यादव, असीम गोयल, महिपाल ढांडा, बड़खल से विधायक सीमा त्रिखा, डॉक्टर कमल गुप्ता ने मंत्री के रूप में शपथ ली है।

ये पहले ले चुके हैं कैबिनेट मंत्री की शपथ

कंवरपाल गुर्जर, मूलचंद शर्मा, रणजीत सिंह, जेपी दलाल, डॉ. बनवारी लाल

सूत्रों का दावा है कि सैनी सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार पहले लोकसभा चुनाव के बाद होना था, लेकिन बाद में तय हुआ कि कैबिनेट में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन बैठाने के बाद ही भाजपा लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरे। अभी मंत्रिमंडल में सीएम ओबीसी, दो जाट, एक-एक एससी, गुर्जर और ब्राह्मण समाज से मंत्री हैं। पंजाबी, राजपूत, वैश्य और यादव समाज से कोई मंत्री नहीं था। इसलिए भाजपा हाईकमान ने चुनाव से पहले ही मंत्रिमंडल विस्तार को हरी झंडी दे दी। शनिवार को भी मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारियां हो गई थीं। मंत्रियों के लिए पांच गाड़ियां राजभवन के बाहर पहुंच गई थीं, लेकिन कुछ देर बाद आनन-फानन कार्यक्रम बदल दिया गया।

नाराजगी की बात से विज का इनकार

दो दिन पहले अंबाला छावनी में उपमंडल कार्यालय शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के अनावरण के दौरान विधायक अनिल विज ने अपनी चुप्पी तोड़ी थी। उन्होंने कहा था कि वह किसी से नाराज नहीं हैं। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर उन्हें कोई जानकारी नहीं थी और उन्हें उनसे किसी ने संपर्क भी नहीं किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि शपथ ग्रहण के बाद से उनकी किसी ने कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा था कि जो कर रहे हैं अच्छा कर रहे हैं।अच्छी सरकार चलाएंगे, और जो नायब सैनी, जिसको मुख्यमंत्री बनाया है, हमारा छोटा भाई है, हमें उम्मीद है कि वो बहुत बेहतरीन काम करेगा।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो लोगों को मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा घायल

झज्जर,19 मार्च (एजेंसियां)।

झज्जर के गिरावड गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। इसमें एक किसान की मौत हो गई जबकि दूसरा युवक घायल हो गया। घायल को वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल के शव गृह में रखवाया। मंगलवार को मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार बहराणा गांव निवासी 32 वर्षीय मनदीप और 25 वर्षीय मनीष बाइक पर सवार होकर सोमवार शाम को झज्जर किसी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए थे। जब वह रात लगभग साढे.9 बजे अपने गांव वापस जा रहे थे तो गिरावड में वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज से 500 मीटर दूर अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इससे दोनों सड़क पर जा गिरे।

दोनों को आसपास के लोगों ने वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने मनदीप को मृत घोषित कर दिया जबकि मनीष का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल के शव गृह में रखवाया। मंगलवार को मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सोनीपत में जींद रोड पर हादसा

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से बाइक सवार मां-बेटे की मौत, पिता-पुत्र गंभीर

सोनीपत,19 मार्च (एजेंसियां)।

सोनीपत में गोहाना-जींद रोड पर मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से बाइक सवार मां-बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता-पुत्र घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए खानपुर कलां महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। हादसा ट्रैक्टर-ट्राली को ओवरटेक करते समय हुआ। हादसे की सूचना पर पहुंची गोहाना शहर थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवा दिया है।

गोहाना के गांव महमूदपुर निवासी प्रवेश अपनी पत्नी प्रोमिला (25) व दो बेटों के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। गोहाना-जींद रोड पर खंदराई मोड़ के पास वह जब मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली को ओवरटेक कर रहे थे, तभी ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर मोड़ दिया। जिससे ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से बाइक गिर गई और ट्राली का पहिया मां प्रोमिला व पांच बर्षीय बेटे के ऊपर से उतर गया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि प्रवेश व उनका एक वर्षीय बेटा पूरव गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की हालत देखते हुए उपचार के लिए खानपुर कला महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष से मिलने पहुंचे अनिल विज

कहा-मुझे मंत्रिमंडल विस्तार की जानकारी नहीं

चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा मंत्रिमंडल में विस्तार से पहले पूर्व गृहमंत्री अनिल विज चंडीगढ़ में विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता से मिलने पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में विज ने कहा कि मेरी किसी से नाराजगी नहीं है। विज ने ये भी साफ किया कि मुझे मंत्रिमंडल विस्तार के लिए न पहले बताया गया था और न ही अब बताया गया है। मैं विधानसभा कमेटी का मेंबर बनने के लिए आया हूं। विधानसभा पहुंचे अनिल विज ने साफ कहा कि मुख्यमंत्री का बदला जाना मेरे लिए एक बम की तरह था। मुझे बिल्कुल भी इल्म नहीं था कि प्रदेश का मुख्यमंत्री बदला जा रहा है, मुझे भी मीटिंग में ही पता चला। यह मेरे लिए एक बम की तरह था।

विज ने कहा कि मैं विधानसभा की कमेटियों का सदस्य बनने के लिए विधानसभा आया हूं ताकि मैं चंडीगढ़ आता जाता रहूं। आज मुझसे कोई संपर्क नहीं किया गया। यदि सीएम अंबाला कैंट में मेरे आवास पहुंचते तो उन्हें चाय पिलाते। विज ने फिर दोहराया कि मैं बीजेपी का अनन्य भक्त हूं और मैं बिल्कुल भी नाराज नहीं हूं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बयान कि अनिल विज बहुत जल्दी नाराज होते है और जल्दी ही मान भी जाते हैं, पर विज ने कहा कि मुझे नहीं पता कि उन्होंने यह बयान क्यों दिया। ये कहीं पर निगाहें और कहीं पर निशाने वाली बात है। इससे पहले मंगलवार सुबह सीएम नायब सैनी अंबाला पहुंचे तो विज उनसे मिलने नहीं आए थे।

पशुपति पारस का मोदी कैबिनेट से इस्तीफा : कहा–

नाइंसाफी हुई, बिहार में एनडीए सीट शेयरिंग में दरकिनार हुए

भतीजे चिराग को 5 सीटें

पटना (एजेंसियां)।

रालोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति पारस ने केंद्रीय मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि एनडीए में मेरे साथ नाइंसाफी हुई। अब मैं तय करूंगा कि कहां जाना है। मंगलवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने ये ऐलान किया।

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने कहा, 5-6 दिन पहले मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि मैं तब तक इंतजार करूंगा जब तक एनडीए सीटों की घोषणा नहीं करती।

मैंने बहुत ईमानदारी से एनडीए की सेवा की। पीएम नरेंद्र मोदी देश के बड़े नेता हैं, लेकिन हमारी पार्टी और व्यक्तिगत रूप से हमारे साथ नाइंसाफी हुई। इसलिए मैं केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देता हूं।

सोमवार को बिहार की 40 लोकसभा सीटों के लिए एनडीए ने शीट शेयरिंग की घोषणा कर दी। भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), राष्ट्रीय लोक मोर्चा और हम के बीच सीटों का बंटवारा हो गया। वहीं, इस बंटवारे में पशुपति कुमार पारस की पार्टी राष्ट्रीय लोजपा को एक भी सीट नहीं मिली है। उनकी पार्टी को पूरी तरह से गठबंधन के अंदर इग्नोर कर दिया गया है। तब से वे नाराज हैं।

सूत्रों के मुताबिक पशुपति पारस की पार्टी राजद के संपर्क में हैं। संभावना जताई जा रही है कि आज या कल में वे

बड़ा ऐलान कर सकते हैं। पशुपति पारस ने पहले ही कह दिया है कि वो हर हाल में हाजीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगे। अब एनडीए में ये सीट चिराग को मिली है।

पारस के इस्तीफे पर तेजप्रताप यादव ने कहा कि उन्होंने बहुत अच्छा फैसला लिया है। पहले ही एनडीए छोड़ देना चाहिए था। एनडीए में नाइंसाफी होती रहती है। इंडी गठबंधन में आने के सवाल पर कहा कि अगर वो आते हैं तो उनका स्वागत है। मैं तो खास तौर से उनका वेलकम करूंगा। साथ ही कहा कि मेरी भविष्यवाणी है कि 2025 में बीजेपी खत्म हो जाएगी।

पशुपति पारस के इस्तीफ पर जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि एनडीए में सीटों का बंटवारा बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व ने घटक दलों के साथ बातचीत कर किया गया। पीएम नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में पशुपति पारस ने सेवा ली। अब उन्होंने इस्तीफा दिया है। ये उनका फैसला है। केंद्रीय नेतृत्व में जो सम्मान मोदी जी ने दिया पारस जी को इस कर्ज की अदायगी करनी चाहिए। इसकी अपेक्षा बिहार की जनता भी उनसे करती है।

2019 में हाजीपुर सीट से लोकसभा का चुनाव जीत कर पशुपति पारस सांसद बने थे।

इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में उन्हें जगह दी और केंद्र में मंत्री बनाया। लेकिन, 2024 में होने जा रहे लोकसभा के चुनाव में भाजपा ने भतीजे चिराग पासवान को तरजीह दी और चाचा पशुपति कुमार पारस को सीधे नजर अंदाज कर दिया।

सूत्रों के अनुसार एनडीए के अंदर जगह नहीं मिलने से नाराज पशुपति कुमार पारस राजद के संपर्क में आ गए हैं। 5 सीटों के लिए इनकी बात भी हुई है। संभावना है कि हाजीपुर समेत जो सीटें एनडीए में चिराग पासवान की पार्टी को मिली है। वहीं, सीटें महागठबंधन में पशुपति कुमार पारस को मिल सकती है।

मतलब, जिन सीटों पर चिराग अपने उम्मीदवार उतारेंगे, उनके खिलाफ चाचा भी अपने उम्मीदवार देंगे। मंगलवार को पशुपति कुमार पारस दिल्ली से पटना आ रहे हैं। इसके काफी कुछ स्पष्ट होगा। बुधवार को वो पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी कर सकते हैं।

सोमवार की शाम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार से दिल्ली पहुंचे। संभावना जताई जा रही थी कि सीएम के दिल्ली पहुंचने के बाद पशुपति कुमार पारस उनसे मुलाकात करेंगे। हालांकि, अब इन दोनों प्रमुख नेताओं के बीच मुलाकात की कोई संभावना नहीं है।

सीटों के बंटवारे को लेकर सोमवार की शाम दिल्ली में एनडीए की तरफ से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आधिकारिक घो-षणा कर दी गई। राष्ट्रीय लोजपा इसी के इंतजार में थी। शुक्रवार को दिल्ली में ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पशुपति कुमार पारस ने भी कहा था कि उन्हें आधिकारिक ऐलान का इंतजार है। मगर, हर हाल में वो हाजीपुर सीट से ही चुनाव लड़ेंगे। लेकिन, वो चुनावी मैदान में अकेले जाएंगे या फिर महागठबंधन में शामिल होंगे? यह सवाल भी अभी बरकरार है। इस सवाल का जवाब उन्होंने उस दिन भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं दिया था। पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता देवजानी मित्रा के अनुसार जल्द ही अब बैठक होगी और उसी में अगले कदम का फैसला लिया जाएगा।

बिहार के पूर्व मंत्री रघुनाथ गुप्ता का नोएडा में निधन

नोएडा (एजेंसियां)।

बिहार सरकार में पूर्व एमएलसी और पूर्व मंत्री रहे रघुनाथ गुप्ता का 79 वर्ष की आयु में नोएडा में निधन हो गया। वे बीते कई दिन से बीमार चल रहे थे। रघुनाथ गुप्ता नोएडा के सेक्टर-51 में रहते थे। मूल रूप से बिहार में पूर्वी चंपारण स्थित मोतिहारी निवासी रघुनाथ गुप्ता उस 11 सदस्यीय संस्थापक समिति के सदस्य भी रहे, जो जयप्रकाश नारायण ने साल 1974 में छात्र आंदोलन को संचालित करने के लिए बनाई थी।

इस समिति का नाम बिहार प्रदेश छात्र संघर्ष समिति रखा गया

था। उन दिनों रघुनाथ गुप्ता ने सबसे आगे रहकर छात्र हितों के लिए खूब आंदोलन किए। यहीं से वे राजनीति में आगे बढ़ते गए। वे बिहार विधान परिषद के सदस्य और बिहार शासन में मंत्री स्तर तक के विभिन्न पदों पर रहे। वे आजीवन समाजवादी विचारधारा के नेता रहे। आपात काल के दौरान उन्हें 19 महीने की जेल यातना भी सहनी पड़ी थी।

साल 2014 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने बिहार में पूर्वी चंपारण लोकसभा सीट से रघुनाथ गुप्ता को प्रत्याशी बनाया था, हालांकि वे चुनाव हार गए थे। रघुनाथ गुप्ता के बेटे अभिषेक गुप्ता ने बताया, सोमवार देर रात पिताजी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार पूर्वी चंपारण बिहार में राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

तेज रफ्तार स्कूटी सवार ने मारी टक्कर

सड़क पार के दौरान बुजुर्ग की मौत, एक जख्मी

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा में सड़क हादसे में मंगलवार को एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मामला दीपनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन बख्तियारपुर रजौली फोरलेन के महानंदपुर गांव के समीप की है। मृतक की पहचान महानंदपुर गांव निवासी स्वर्गीय सौखी यादव के (60) वर्षीय पुत्र महेश्वर यादव के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में मृतक के परिजन ने बताया कि सोमवार की शाम बुजुर्ग सड़क पार कर रहे थे। इसी बीच पावापुरी की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कूटी सवार ने टक्कर मार दी, इस घटना में स्कूटी सवार और बुजुर्ग दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आनन-फानन में दोनों को इलाज के लिए बिहार शरीफ के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पावापुरी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान देर रात बुजुर्ग की मौत हो गई। मौत की पुष्टि के उपरांत परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार वालों के चित्कार से गांव का माहौल गमगीन हो गया। वहीं, स्कूटी सवार अब भी निजी क्लीनिक में इलाजरत है।

इस मामले में ट्रैफिक थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि मौत की पुष्टि के उपरांत शव को कब्जे में लेकर पुलिस पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इस घटना में स्कूटी सवार भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया है जो अभी इल-ाजरत है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र के जिगना ढाला के पास अज्ञात वाहन के धक्के से 18 वर्षीय बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। जख्मी युवक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्प-ताल भेज दिया है। मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के करारिया गांव निवासी अवधेश प्रसाद के 18 वर्षीय बेटे अविनाश कुमार के रूप में की गई।

आपराधिक साजिश रच रहा युवक हथियार के साथ गिरफ्तार

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी में पुलिस ने अपराध की साजिश रच रहे एक अपराधी को देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी कांतेश मिश्रा को गुप्त सूचना मिली कि बदमाश मेहसी थाना क्षेत्र में पिस्टल ले कर किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में है।

सूचना मिलने के साथ ही चकिया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम बना कर छापेमारी करने का निर्देश दिया, जिसके बाद चकिया एसडीपीओ ने मेहसी थानाध्यक्ष के साथ थाना क्षेत्र के आमवा गाँव के कनपटी चौक पर घेराबंदी कर एक युवक को हिरासत में लिया, जिसके बाद जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक लोडेड देसी पिस्टल बरामद हुआ, थाना ला कर जब उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि लूट की घटना को अंजाम देने आया था, आया तरह से पुलिस की तत्परता से एक आपराधिक घटना होने से पहले रोक दिया गया

चकिया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी सुनील कुमार मेहसी थाना क्षेत्र में रहने वाला है।

बाढ़ में स्कूली बच्चों ने वोटरों को किया जागरूक

मेहंदी से लिखा 'मेरा पहला वोट, देश के नाम'

पटना (एजेंसियां)।

पटना के बाढ़ में उत्क्रमित मध्य विद्यालय डुमरिया के छात्र-छात्राओं ने वोटरों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत छात्राओं ने अपने हाथों पर मेहंदी लगाकर वोटरों को मतदान के लिए सजग रहने का संदेश दिया है।

लड़कियों ने अपने हाथों पर मेंहदी से मतदान से संबंधित स्लो-गन सजाया। 'मेरा पहला वोट, देश के नाम' इस स्लोगन के साथ छात्र-छात्राओं की ओर से कार्यक्रम का आयोजन कर मतदान के महत्व को बताया गया। 13 मार्च से इस अभियान की शुरुआत हुई थी, जिसका समापन 2 अप्रैल को होगा। स्कूली बच्चे शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में घूम-घूमकर वोटरों को

जागरूक करेंगे। इस दौरान मेहंदी-पेंटिंग प्रतियोगिता, साइकिल रेस सहित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

मेहंदी प्रतियोगिता का उद्देश्य लोकसभा चुनाव में महिलाएं ज्यादा से ज्यादा अपने मत का प्रयोग कर सके और एक साफ-सुथरी और सशक्त सरकार चुन सकें ताकि देश और प्रदेश का विकास पूर्ण रूप से हो सके। लोकतंत्र के महापर्व में महिलाएं भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने सगे संबंधियों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।

नाराज उपेंद्र को भाजपा ने मना लिया

बिहार बीजेपी प्रभारी ने की मुलाकात विधान परिषद में मिलेगी एक सीट

नीतीश मंत्रिमंडल में भी होंगे शामिल

पटना (एजेंसियां)।

नाराज पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को भारतीय जनता पार्टी ने मना लिया है। उनकी नाराजगी को दूर कर दिया है। बिहार बीजेपी प्रभारी ने उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात की और एक अलग फॉर्मूला निकाला। राष्ट्रीय लोक मोर्चा को बिहार विधान परिषद की एक सीट दी जाएगी। साथ ही नीतीश मंत्रिमंडल में उन्हें जगह भी दी जाएगी। मतलब, राज्य सरकार में

उनकी पार्टी के एक नेता को मंत्री बनाया जाएगा।

दरअसल, एनडीए के अंदर बिहार में लोकसभा की 40 में से मात्र काराकाट की एक सीट ही राष्ट्रीय लोक मोर्चा को दी गई है। इस सीट से खुद उपेंद्र कुशवाहा उम्मीदवार होंगे। एक सीट मिलने से वो नाराज चल रहे थे।

उपेंद्र कुशवाहा पिछले दो-तीन दिनों से दिल्ली में हैं। दो दिन पहले ही वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले थे। उनसे मिलकर अपनी बातों को रखा था। पार्टी की डिमांड से अवगत कराया था। लेकिन उनकी नजर सोमवार को दिल्ली में हुए एनडीए की तरफ सीट शेयरिंग के आधिकारिक ऐलान पर थी। जब सीटों की घोषणा हुई तो उनकी नाराजगी सामने आ गई।

इसी कारण मंगलवार को भाजपा के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े खुद उपेंद्र कुशवाहा से मिलने उनके घर पहुंच गए। काफी देर तक दोनों नेताओं के बीच बातें हुई। नाराजगी दूर करने के लिए नया फार्मूला विनोद तावड़े ने रखा, जिससे उपेंद्र कुशवाहा ने स्वीकार कर लिया है।

उपेंद्र कुशवाहा 2014 में हुए लोकसभा चुनाव के तर्ज पर सीटों की डिमांड कर रहे थे। उन्हें अपने पार्टी के नेताओं के लिए भी और सीटें चाहिए थी। पार्टी नेताओं के अनुसार सीतामढ़ी और जहानाबाद की सीट उन्हें चाहिए थी। इस बात को वे खुद लगातार भाजपा के बड़े नेताओं से हुए मुलाकातों के दौरान रख रहे थे। लेकिन, उनकी बातों को नहीं माना गया। जदयू के वापस एनडीए में आने से सीटों का गणित ही बिगड़ गया। इस कारण उनकी प्लानिंग पर पानी फिर गया। नाराजगी दूर होने के बाद उपेंद्र कुशवाहा आज ही देर शाम दिल्ली से पटना वापस आ रहे हैं।

गया में जंगली हाथी ने मचाया उत्पात

झारखंड से जंगलों के रास्ते घुसा, सेल्फी लेते दिखे युवा

रेस्क्यू में जुटी टीम लगी

गया (एजेंसियां)।

गया जिले के बाराचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत झारखंड सीमा से सटे जंगलों से होता हुआ एक हाथी घुस आया है। हाथी फसलों को भी नष्ट कर रहा है। फसलों को नष्ट करता हुआ हाथी कोहबरी गांव में घुस आया है। अचानक जंगलों से गांव में हाथी के घुसते हीं लोगों की भीड़ लग गई। पहले तो लोग हाथी के साथ सेल्फी लेकर उसका लुप्त उठाने लगे, फिर हाथी के विपरीत रवैये को देखते हुए गांव वालों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

घटना की जानकारी गया रेस्क्यू टीम को लगी है जिसके बाद रेस्क्यू टीम हाथी को नियंत्रित करने में जुटी है। इसके अलावा

कोलकाता की रेस्क्यु टीम भी हाथी को पकड़ने में लगी है। हालांकि, हाथी अब तक रेस्क्यू टीम के पकड़ में नहीं आया है। वह कभी इधर भाग रहा, तो कभी उधर भाग रहा है। इसी क्रम में खेतों में लगे फसल भी नष्ट हो रहे हैं।

बाराचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत कोहबरी गांव के रहने वाले स्थानीय ग्रामीण रंजीत कुमार ने बताया कि, झारखंड शेखावाटी जंगल होते हुए गांव में प्रवेश कर गया है। इस दौरान इधर-उधर भागने के क्रम में फसलों को भी नष्ट कर रहा है।

पहले तो लोग हाथी को देखकर खुश हो रहे थे बच्चे महिलाएं युवा सभी हाथी को देखने के लिए भीड़ लगा दिए। कई युवा जंगल से गांव में प्रवेश करने के दौरान हाथी के साथ सेल्फी भी लिया। लेकिन उसके अचानक बदलते रवैया को देखकर सभी भयभीत हो गए।

घटना की जानकारी गया बंद प्रमंडल को दिया गया। इसके बाद रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि रेस्क्यू टीम हाथी को नियंत्रित करने में लगी है लेकिन हाथी अभी तक रेस्क्यू टीम के हाथों में नहीं आ सका है। गया रेस्क्यू टीम के साथ कोलकाता की रेस्क्यू टीम भी लगी है।

गया वन प्रमंडल द्वारा निरंतर अनुश्रवण किया जा रहा है। हाथी से बचाव के लिए आम जनों को जागरूक किए जाने के साथ-साथ वन कर्मियों द्वारा तमाम सुर-क्षात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। माइकिंग के जरिए गांव के लोगों को हाथी से सतर्क रहने की बात कही जा रही है।

विभिन्न संचार माध्यमों से आमजन को सावधान किया जा रहा है। आम जनों से वन प्रमंडल ने अपील की है कि इस हाथी से दूर रहे, और वन प्रमंडल द्वारा अपनाई जा रही प्रक्रिया में सहयोग करें।

शिवहर में जीजा-साली का पेड़ से लटका मिला शव

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

शिवहर में मंगलवार को जीजा-साली का एक ही पेड़ से लटका शव बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था। मृतक की बहन के अनुसार जीजा-साली ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना की जानकारी लोगों को मंगलवार सुबह हुई। घटना श्यामपुर भटहा थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर की है।

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह जब लोग खेत में गए, तब शव को पेड़ से लटका देखा। इसके बाद मामले की जानकारी पूरे गांव में फैल गई। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।

पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राकेश पटेल, पिता उमाशंकर पटेल मोतिहारी के ताजपुर का रहने वाला था। जबकि मृतका रानी, पिता रविंद्र राय शिवहर के जहांगीरपुर की निवासी थी। दोनों का शव लीची के पेड़ पर लटका हुआ पाया गया है।

घटना की जानकारी देते हुए राकेश पटेल की पत्नी बेबी देवी ने बताया कि दिसंबर में छठ पूजा पर मेरे पति बाहर(जहां काम करता था) से घर आए थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि मैं तुम्हारी बहन को यहां ला रहा हूं। इस पर मैंने मना किया और कहा कि वो मेरे घर पर नहीं आएगी। पिछले साल आई थी। लेकिन मेरे पति नहीं माने। उन्होंने कहा कि तुम्हारे बाप का घर है क्या। इसके बाद हम डर गए और कुछ नहीं बोले।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com